{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 22 जुलाई 2026
आषाढ़ शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 298
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | - | 77,708.52 |
| निफ्टी | - | 24,238.50 |
| सोना | - | 1,51,698 |
| चांदी | - | 2,35,000 |
| डॉलर | - | 96.44 |

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### सीएम हाउस बम से उड़ाने की धमकी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री आवास और सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ईमेल के जरिए दी गई है। ईमेल में दोनों जगहों पर बम ब्लास्ट किए जाने की टाइमिंग का भी जिक्र किया गया है। धमकी देने वाले ने लिखा है कि 21 जुलाई दोपहर 3ः11 बजे सबसे पहले पटना सचिवालय में बम का धमाका होगा। इसके बाद रात में 9 बजकर 11 मिनट पर मुख्यमंत्री ऑफिस और आवास को बम से उड़ाएंगे। धमकी भरा ये ईमेल मंगलवार की सुबह 7 बजकर 57 मिनट पर ग्रामीण विकास विभाग को भेजा गया है। विभाग के जॉइंट सेक्रेटरी रवि कुमार ने थाने में इसकी शिकायत की है। इसके साथ ही पटना के 4 स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें डीपीएस (सीनियर और जुनियर), आर्मी स्कूल और रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल शामिल है। धमकी के बाद स्कूल खाली करवा दिए गए हैं।

### अफगानिस्तान में सैलाब, 20 की मौत

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के नूरिस्तान प्रांत की राजधानी पारुन में अचानक आई फ्लैश फ्लड ने भारी तबाही मचा दी है। हीटवेव के बाद भारी मॉनसून बारिश ने पहाड़ी इलाके में अचानक बाढ़ ला दी। इस घटना में कम से कम 20 लोगों की मौत हो चुकी है। 80 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। 100 से अधिक लोग लापता हैं। लापताओं में शहर के मेयर और कई सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। तालिबान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि इलाके में भारी नुकसान हुआ है। खुरदुरे पहाड़ी इलाके में बचाव कार्य चल रहा है। प्रारंभिक नुकसान 35 मिलियन डॉलर यानी करीब 290 करोड़ रुपये का अनुमान लगाया गया है। प्रांतीय टीमों और अफगान रेड क्रिसेंट सोसाइटी राहत सामग्री पहुंचा रही हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मौतों की संख्या और बढ़ सकती है। मानवीय संगठनों ने वैश्विक मदद की अपील की है।

### पंजाब में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, 17 गिरफ्तार

मोगा। पंजाब में बड़ी आतंकी साजिश को मोगा पुलिस ने विफल किया है, जिसमें फिरोजपुर से जम्मू जाने वाली यात्री ट्रेन को निशाना बनाने की योजना थी। इस संबंध में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, एक इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और एक मैगजीन बरामद की है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ब्रिटेन में रह रहा इकबाल सिंह उर्फ रवि ढालीवाल साजिश का मास्टरमाइंड है, जो कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल है।

## कुछ ना कहना

# सत्तापक्ष और विपक्ष में आर-पार की लड़ाई का शंखनाद

## पेपर लीक मुद्दे पर संसद में हंगामा, राहुल गांधी स्पीकर से मिले, कहा- लोकसभा में चर्चा हो, छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में पीएम आवास के सामने धरने पर बैठे राहुल-प्रियंका, विपक्षी नेताओं को हिरासत में लेकर हटाया

नई दिल्ली । नीट पेपर लीक मामले ने तूल पकड़ लिया है। अब इस मामले में आर-पार की लड़ाई शुरू हो गई है। संसद में दो दिनों से सरकार इस मामले पर चर्चा के लिए तैयार नहीं थी। इसलिए नाराज विपक्ष ने पीएम आवास के सामने धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की गई। इस दौरान विपक्ष के नेताओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पियंका गांधी, अखिलेश यादव सहित अन्य नेताओं को हिरासत में लेकर बस में बैठकर वहां से हटाया गया। लेकिन अब इस मामले में सत्तापक्ष और विपक्ष में आर-पार की लड़ाई का शंखनाद हो गया है।

इससे पहले इस मामले को लेकर संसद में जोरदार हंगामा हुआ। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई। इसके पहले मंगलवार सुबह 11 बजे जैसे ही दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई विपक्ष ने नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग की, प्लेकार्ड दिखाए और नारेबाजी की। भारी हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और इसके बाद दोपहर 2 बजे तक स्थगित की गई थी। सदन के बाहर आकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे़ ने कहा कि हमें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है, लोकतंत्र में ऐसा करना गलत है। वहीं, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की। वहीं दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए लाठी चार्ज के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन जारी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी कांग्रेस सांसदों के साथ धरने पर बैठे। राहुल गांधी ने छात्रों पर हुए लाठी चार्ज के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के धरने में जॉन ब्रिटास ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार शांतिपूर्ण आंदोलन को ताकत से दबाना चाहती है। उन्होंने कहा कि इस देश में एक तरह से मार्शल लॉ लागू है।

### कांग्रेसियों को पुलिस उठाकर ले गई

पीएम आवास के पास मंगलवार दोपहर साढ़े तीन बजे धरने पर बैठे कांग्रेसियों को पुलिस शाम साढ़े 6 बजे उठाकर ले गई। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे़, अखिलेश यादव समेत कई नेता को हिरासत में ले लिया है। सरकार ने 3 घंटे के धरने में राहुल से 2 बार बातचीत की, लेकिन वे नहीं मांगे। इसके बाद 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी पहुंचे तो कांग्रेसियों ने घेरा बना लिया और राहुल तक पहुंचने नहीं दिया। कांग्रेसियों और पुलिस के बीच आधे घंटे तक धक्का-मुक्की होती रही। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आखिर में 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी उन्हें उठाकर ले गए और बस में बैठाया। इससे पहले पीएम आवास के पास से हटाने के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन पहुंचे थे। राहुल गांधी से करीब 20 मिनट बात की। इसके बाद जितेंद्र सिंह गृह मंत्री अमित शाह के पास गए। शाह से बातचीत के बाद उन्होंने फिर राहुल से बात की। सोशल मीडिया पोस्ट में जितेंद्र सिंह ने बताया कि राहुल गांधी की मांग थी कि नीट पर संसद में चर्चा हो। राहुल की यह मांग मान ली गई थी। लेकिन राहुल अपनी बात से मुकर गए। वह बोले- अब हमारी दो मांगे हैं। पहली- नीट पर संसद में चर्चा, दूसरी शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा।

### लगे पीएम और गृहमंत्री इस्तीफा दो के नारे

धरनास्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ता पीएम और गृहमंत्री इस्तीफा दो के नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शन के बीच यहां पुलिस ने पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। कांग्रेस का यह प्रदर्शन बेहद सीक्रेट रहा। राहुल समेत सभी नेता कांग्रेस अध्यक्ष खडगे़ के घर से पीएम आवास तक पैदल मार्च करके पहुंचे। जब ये लोग 100 मीटर दूर थे तब मीडिया को जानकारी दी गई।

### पीएम अब बच नहीं सकते

राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है। प्रधानमंत्री मोदी को लगता है कि वो बिना जवाब दिए, बिना किसी नतीजे का सामना किए बच निकलेंगे। नहीं कर पाएंगे, इस बार तो बिल्कुल नहीं। मैं हर उस देश भक्त भारतीय से अपील करता हूं, जो मानता है कि हमारे छात्रों को न्याय मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास के सामने हमारे धरने में शामिल हों। भारत के छात्रों की आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

### छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला

राहुल ने पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी को लगता है कि वो बिना जवाब दिए, बिना किसी नतीजे का सामना किए बच निकलेंगे - नहीं कर पाएंगे, इस बार तो बिल्कुल नहीं। मैं हर उस देशभक्त भारतीय से अपील करता हूं जो मानता है कि हमारे छात्रों को न्याय मिलना चाहिए- प्रधानमंत्री आवास के सामने हमारे धरने में शामिल हों। भारत के छात्रों की आवाज को नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

### लेफ्ट सांसदों के निशाने पर गृहमंत्री अमित शाह

प्रदर्शन कर रहे कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए वामपंथी दलों के सांसदों का एक प्रतिनिधि मंडल मंगलवार को भी जंतर-मंतर पहुंचा। इस दौरान उन्होंने सोमवार को संसद मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से संसद में बयान देने की मांग की। मंगलवार को जंतर-मंतर पहुंचने वाले लेफ्ट सांसदों में सीपीएम के राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास, ए ए रहीम और वी सिवादासन, सीपीआई के राज्यसभा सांसद पी संदोष कुमार और लोकसभा सांसद अमरा राम और एस वेंकटेशन शामिल थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जॉन ब्रिटास ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार शांतिपूर्ण आंदोलन को ताकत से दबाना चाहती है। उन्होंने कहा कि इस देश में एक तरह से मार्शल लॉ लागू है। मासूम युवाओं के साथ जो बर्बरता की गई, ऐसा कभी नहीं सुना। देश के लिए आंदोलन है, लेकिन उनपर बर्बर तरीके से हमला किया गया। राष्ट्रीय राजधानी में हमने कभी इतना खून बहते नहीं देखा।

### आंध्रप्रदेश के पूर्व स्पीकर सहित 8 गिरफ्तार, फर्जी डेथ सर्टिफिकेट से जमीन हड़पने का आरोप

श्रीकाकुलम। आंध्रप्रदेश के पूर्व स्पीकर तम्मीनेनी सीताराम सहित आठ लोगों को श्रीकाकुलम ग्रामीण पुलिस ने करीब 3-4 करोड़ रुपये की एक कीमती जमीन को गैर-कानूनी तरीके से हड़पने की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस साजिश में जाली सरकारी डॉक्यूमेंट्स, एक जीवित व्यक्ति का नकली डेथ सर्टिफिकेट और विरासत से जुड़े फर्जी रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया था। सोमवार को श्रीकाकुलम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के.वी. महेश्वर रेड्डी ने बताया कि मामले में 13 लोगों को नामजद किया था, जिसमें से 8 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया है। पुलिस बाकी 5 संदिग्धों की तलाश कर रही है। यह धोखाधड़ी तब सामने आई जब बालागा की चापुरम ग्राम पंचायत में 900 वर्ग गज के खाली प्लॉट के संबंध में शिकायत दर्ज की गई। यह जमीन शिकायतकर्ता के पिता ने 1988 और 1992 में कानूनी रूप से खरीदी थी और बाद में उनके हैदराबाद चले जाने के कारण खाली पड़ी थी। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने जमीन के लंबे समय से खाली पड़े होने का फायदा उठाया। जांच में पता चला कि गिरोह ने मूल जमीन मालिक अंदावरपु गोविंदराजुलु का फर्जी डेथ सर्टिफिकेट तैयार किया, जबकि वह अभी भी जीवित हैं। इस फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर, उन्होंने धोखाधड़ी से परिवार सदस्य प्रमाण पत्र हासिल किया और अदाबला उर्फ ??अंदावरपु रजनी को एकमात्र कानूनी वारिस बनाकर पेश किया। जब आरोपियों ने जमीन पर बाउंड्री वॉल बनाने की कोशिश की और असली मालिक के परिवार को धमकियां दीं, तब पुलिस शिकायत के बाद पूरे फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ।

जांच के दौरान, तेलुगु सतीश कुमार को पूरे खेल का कथित मास्टरमाइंड बताया गया है। पुलिस के अनुसार, पूर्व स्पीकर तमिनेनी सीताराम के बेटे तमिनेनी वेंकट श्रीरामुलु को संपत्ति का खरीदार दिखाया गया था। जांच में पता चला कि तमिनेनी सीताराम और उनकी पत्नी वाणी भी कथित साजिश का हिस्सा थीं। इन तीनों ने कथित तौर पर अपने परिवार द्वारा चलाए जा रहे एक प्राइवेट डिग्री कॉलेज के चार लेक्चरर्स से रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स पर गवाह के तौर पर हस्ताक्षर कराए थे।

इस मामले में तत्कालीन सब-रजिस्ट्रार बोड्डेपल्ली अरुणा को भी आरोपी बनाया गया है, जिन पर धोखाधड़ी वाले रजिस्ट्रेशन में मदद करने और 5 लाख रुपये से अधिक के लेनदेन में बिना अनिवार्य पैन कार्ड वेरिफिकेशन के रजिस्ट्री पूरी करने का आरोप है। पुलिस ने जांच के दौरान फर्जी सरकारी मुहरें और कई मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि क्या इस गिरोह ने इसतरह के अन्य फर्जीवाड़ों को भी अंजाम दिया था।

### अवैध पटाखों का बड़ा भंडाफोड़ :

## 39.57 करोड़ रुपये के पटाखे जब्त, रामोल ब्लास्ट के बाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अहमदाबाद। शहर के रामोल इलाके में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में 10 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने पूरे शहर में अवैध पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू कर दिया है। इसी कार्रवाई के तहत अहमदाबाद जिले के चांगोदर क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रूप से संग्रहीत पटाखों का विशाल जखीरा बरामद किया है।

चांगोदर पुलिस को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर मोडासर-अमाथापुरा रोड स्थित अंबिका ट्रेड लिंक के दो गोदामों की तलाशी ली गई। जांच के दौरान गोदामों के अंदर ही नहीं, बल्कि बाहर बने शेड में भी बड़ी मात्रा में पटाखों का भंडारण किया गया था। पुलिस ने कुल 65,954 कार्टन पटाखे जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित

### रामोल विस्फोट में 10 मौतों के बाद सख्ती, चांगोदर के दो गोदामों से करीब 66 हजार कार्टन पटाखे बरामद

कीमत 39.57 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

जांच में यह भी सामने आया कि इतने बड़े पैमाने पर विस्फोटक सामग्री के भंडारण के बावजूद गोदामों में आवश्यक अग्नि सुरक्षा व्यवस्था मौजूद नहीं थी। पुलिस के अनुसार, गोदाम में वॉटर स्प्रिंकलर सिस्टम जैसी अनिवार्य व्यवस्था नहीं थी और अन्य फायर सेफ्टी इंतजाम भी बेहद अपर्याप्त पाए गए। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने अमित कुमार मोदी और किशन पटेल के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि गोदाम के लिए जारी लाइसेंस, स्वीकृत भंडारण क्षमता और विस्फोटक सामग्री के भंडारण से जुड़े सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। चांगोदर पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और विस्फोटक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस यह भी पता लगा रही है कि करोड़ों रुपये के इन पटाखों का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था, इनकी आपूर्ति कहां की जानी थी और यह अवैध कारोबार कब से संचालित हो रहा था। अधिकारियों का मानना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ इस पूरे नेटवर्क से जुड़े कई और महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

# मध्य प्रदेश विधानसभा में यूसीसी बिल पास

### उत्तराखंड-गुजरात और असम के बाद ऐसा करने वाला चौथा राज्य बना

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में भारी हंगामे के बीच समान नागरिक संहिता विधेयक को मंजूरी मिल गई है। उत्तराखंड, गुजरात और असम के बाद मध्य प्रदेश यूसीसी लागू करने वाला चौथा राज्य बनेगा। मध्य प्रदेश विधानसभा में विपक्ष ने भारी हंगामा किया, लेकिन नारेबाजी और तीखी बहस के बीच समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक बहुमत से पारित हो गया है। सीएम ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के लोग इस महत्वपूर्ण विषय पर दोहरा रवैया अपना रहे हैं। दुनिया देख रही है। यह स्वयं लज्जित होंगे। माताएं-बहनें इन्हें माफ नहीं करेंगी।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जब विधेयक पर अपना वक्तव्य रख रहे थे, तब कांग्रेस विधायकों ने लगातार विरोध किया और चंदा चोरों, गद्दी छोड़ो के नारे लगाए।

विधानसभा में भारी हंगामे के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधेयक पर अपना वक्तव्य देते हुए विपक्ष पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से तुष्टिकरण और मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करती आई है और देश की जनता की पीठ में खंजर घोंपने का काम किया है।

### लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती पर वही रहेगा जिसने एक विवाह किया हो। एक से अधिक विवाह करने वाला अब जेल जाएगा। आज हम इतिहास बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कुछ लोग बहनों को खिलौना मान लेते हैं। बहनों का जीवन नर्क बनाने वालों को जहन्नुम में पहुंचने का काम हमारी सरकार करेगी। राम से रहीम तक प्रत्येक नागरिक एक कानून से चले, इसके लिए समान नागरिक संहिता लाई गई है। विधेयक में लिव-इन रिलेशनशिप और विवाह को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रविधान प्रस्तावित किए गए। विधेयक के कानून बनने के बाद मध्य प्रदेश में लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन कराना भी जरूरी होगा। प्रदेश में यूसीसी के लागू होने के बाद कई तरह के प्रविधान लागू होंगे। यूसीसी के लागू होते ही तलाक के बाद उसी जीवनसाथी से दोबारा शादी करने के लिए हलाला जैसी अपमानजनक या नीचा दिखाने वाली शर्तों को मानना, बढ़ावा देना या मजबूर करना दंडनीय अपराध माना जाएगा।

## दल बदलने वालों की वापसी नहीं होगी, ममता बनर्जी का ऐलान; बोलीं- असली तृणमूल हम हैं

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं के लिए साफ संदेश दिया है कि अब उनकी वापसी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जो नेता पार्टी छोड़ चुके हैं, उनके लिए तृणमूल के दरवाजे बंद हैं और जनता जानती है कि असली तृणमूल हम हैं। ममता बनर्जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ नेताओं के जाने से संगठन कमजोर नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कई नेताओं ने दबाव या लालच में पार्टी छोड़ी है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस अपनी विचारधारा और कार्यकर्ताओं की ताकत के दम पर फिर से मजबूती से खड़ी होगी। उन्होंने बागी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उन्हें तृणमूल की नीतियों पर भरोसा नहीं है तो वे खुले तौर पर अपने नए राजनीतिक रास्ते पर आगे बढ़ें। ममता ने कहा कि पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और अवसरवाद की राजनीति को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और विपक्ष के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों से भी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ व्यापक एकजुटता बनाए रखने की अपील की। हाल के दिनों में तृणमूल कांग्रेस से कई नेताओं के अलग होने के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल तेज है। ममता बनर्जी के इस बयान को पार्टी में अनुशासन का स्पष्ट संदेश और बागी नेताओं के लिए सख्त चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

# वापस नहीं लिया जाएगा ई20 पेट्रोल का रोलआउट

### फिलहाल 20 प्रतिशत से ज्यादा मिश्रण नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। साथ ही सरकार ने यह भी साफ कर दिया कि मौजूदा ई20 पेट्रोल को वापस लेकर ई10 या शुद्ध पेट्रोल पर लौटने का भी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि भविष्य में इथेनॉल मिश्रण बढ़ाने का कोई भी निर्णय व्यापक वैज्ञानिक और तकनीकी अध्ययन तथा वाहन निर्माताओं, ईंधन कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों से परामर्श के बाद ही लिया जाएगा।

### ई20 पर उठे थे सवाल

देशभर में ई20 पेट्रोल लागू होने के बाद कुछ वाहन मालिकों ने माइलेज घटने, इंजन के पुर्जों पर असर और वाहन की प्रदर्शन क्षमता कम होने जैसी शिकायतें उठाई थीं। इसी बीच यह आशंका भी जताई जा रही थी कि सरकार भविष्य में इथेनॉल मिश्रण को 20 प्रतिशत से आगे बढ़ा सकती है। सरकार ने इन आशंकाओं पर विराम लगाते हुए कहा है कि फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

### ई10 पर लौटने की भी योजना नहीं

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा ई20 ईंधन व्यवस्था को वापस लेकर ई10 या बिना इथेनॉल वाले पेट्रोल पर लौटने की कोई योजना नहीं है। सरकार का कहना है कि देश स्वच्छ और वैकल्पिक ईंधन की दिशा में आगे बढ़ रहा है और इथेनॉल मिश्रण उसी नीति का हिस्सा है।

### बड़े पैमाने पर नुकसान के प्रमाण नहीं

राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि सरकार को ई20 के कारण इंजन खराब होने, जंग लगने, फ्यूल सिस्टम में गंभीर खराबी या बड़े पैमाने पर वाहन प्रदर्शन प्रभावित होने की कोई प्रमाणित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। उनके अनुसार, ई10 के लिए डिजाइन किए गए वाहनों में ई20 ईंधन के उपयोग से ईंधन दक्षता (फ्यूल एफिशिएंसी) में लगभग 3 से 5 प्रतिशत तक की मामूली कमी हो सकती है, लेकिन व्यापक स्तर पर इंजन क्षति के प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

### 23 करोड़ से अधिक वाहन ई20 पर चल रहे

सरकार के अनुसार, देश में 20 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन और 3 करोड़ से अधिक पेट्रोल कारें, जिनमें ई20 प्रमाणन से पहले बनी कई पुरानी गाडियां भी शामिल हैं, इथेनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग कर रही हैं। अब तक बड़े पैमाने पर इंजन खराब होने या वाहनों के अनुपयोगी होने का कोई सत्यापित साक्ष्य सामने नहीं आया है।

# जनसुनवाई में सुनी गई आवेदकों की समस्याएँ

## 102 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।**
**प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 21 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया।**
**कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्री एमआर कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए।**
**जनसुनवाई में 102 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।**

जनसुनवाई में वार्ड नं. 04 वारासिवनी निवासी अजीना वरकडे, नरोजा वरकडे, विनोद वरकडे एवं बंडु मडावी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि वह बैगा जनजाति के है और गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे है। उन्होंने बताया कि उनका स्वयं का कोई आवास नही है, जिसकी वजह से उन्हें बहुत सी कठिनाईयो का सामना करना पड रहा है। अतः उन्हें पीएम आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत कराया जाए। इस प्रकरण में सीएमओ वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वार्ड नं. 03 बालाघाट के निवासी शोएब खान घर के सामने कच्ची सड़क और जलभराव की समस्या लेकर आये थे। शोएब कहना था कि उसके घर के सामने कच्ची सड़क में जलभराव की समस्या से वार्ड वासियों के साथ साथ स्कूली बच्चों को भी आने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस संबंध में कई बार पार्षद और नगर पालिका को अवगत कराने के बावजूद भी अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। अतः कच्ची सड़क पर गिट्टी-चिल्ली डलवाकर शीघ्र समस्या के समाधान किया जाए। इस प्रकरण में सीएमओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम नवेगांव-3 की निवासी प्रमिला बर्वे, संजय अटराहे, नेतलाल अटराहे, सुनीता हरिनखेडे, राजेंद्र लिल्हारे, अशोक बिसेन, नंदकिशोर बिसेन, रामप्रसाद बिसेन, चम्पा मेश्राम, सरिता डहाटे, यशवंत भौतिक, बाबुलाल बिसेन तथा राधेलाल डहाटे अपनी आवासीय भूमि का भू-अधिकार पत्र (पट्टा) दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि वह करीब 70 वर्षों से उक्त भूमि पर निवास कर रहे हैं, लेकिन आज उन्हें भू-अधिकार पत्र (पट्टा) नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि भू-अधिकार पत्र प्राप्ति के लिए ग्राम पंचायत में कई बार आवेदन प्रस्तुत किया गया है किंतु आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने शीघ्र उन्हें पट्टा प्रदान कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदाय करने की मांग की है। इस प्रकरण में खैरलांजी तहसीलदार को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनपद पंचायत बैहर अंतर्गत ग्राम पंचायत भण्डेरी के सरपंच बालक छात्रावास को नवीन भवन में शिफ्ट करने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि ग्राम पंचायत भंडेरी में नवीन बालक छात्रावास का कार्य 02 वर्ष से पूर्ण हो चुका है, बावजूद इसके बालक छात्रावास का संचालन पुराने हाईस्कूल भवन में ही किया जा रहा है। अतः शीघ्र बालक छात्रावास को नवीन भवन में शिफ्ट किया जाए। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

तिरोड़ी तहसील अंतर्गत महकेपार निवासी संजय डोंगरे अपनी पुत्रियों के अनुसूचित जाति (स्ट) जाति प्रमाण पत्र के अभाव में विद्यालय में प्रवेश दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। संजय का कहना था कि उसकी पुत्रियों के जाति प्रमाण पत्र नही बने है, सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के बावजूद पटवारी 45 वर्ष पुराना राजस्व रिकॉर्ड मांगकर सत्यापन करने से इंकार कर रहे हैं। इस प्रकरण में बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम कोसमी निवासी रमेश यादव जुलाई 2025 से बंद पड़ी वृद्धावस्था पेंशन दिलाने की मांग लेकर आये थे। उसका कहना था कि उसे प्रतिमाह 600 रुपए की वृद्धावस्था पेंशन मिलती थी, लेकिन पिछले एक वर्ष से राशि मिलना बंद हो गई है। रमेश ने बताया कि ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव ने कई बार उसे जल्द पेंशन दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन आज तक भुगतान नहीं हुआ है। इस प्रकरण में उपसंचालक सामाजिक न्याय को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पेंडरई निवासी उमाशंकर मसकरे एवं सुमनबाई मसकरे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि वर्ष 2024 की सर्वे सूची में पात्र होने के बावजूद ग्राम पंचायत ने बाद में उनका नाम सूची से हटा दिया। उमाशंकर ने बताया कि उनका कच्चा मकान जर्जर हो चुका है, जिससे बारिश के मौसम में परिवार के सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने सूची में दोबारा नाम जोड़कर आवास का लाभ देने की मांग की है। इस प्रकरण में बालाघाट जनपद सीईओ को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बिरसा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत डाबरी के गांव गाथाटोला के 10 परिवार वन अधिकार पट्टा दिलाने की मांग लेकर आये थे। किसानो का कहना था कि वे पिछले 30 वर्षों से उक्त भूमि पर निवास और खेती-किसानी कर रहे हैं, लेकिन आज तक भूमि का अधिकार पत्र नहीं मिला। उनका कहना है कि गांव का नाम भी राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं होने से कई सरकारी सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र वन अधिकार पट्टा प्रदान कर समस्या का समाधान करने की मांग की है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट तहसील के ग्राम हट्टा निवासी शिव नगपुरे सड़क से अतिक्रमण हटाकर स्वीकृत सीसी रोड निर्माण पूरा कराने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि पड़ोसी द्वारा सड़क पर झोपड़ी बनाकर अतिक्रमण किया गया है, जिससे आवागमन में लगातार परेशानी हो रही है। वर्ष 2024-25 में स्वीकृत सीसी सड़क उनके घर तक नहीं बनाई गई और निर्माण कार्य बीच में ही रोक दिया गया। उन्होंने प्रशासन से अतिक्रमण हटाकर सड़क निर्माण पूर्ण कराने और समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की है। इस प्रकरण में बालाघाट तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम रजेगांव के कैलाश कारे संयुक्त स्वामित्व वाले जर्जर मकान को गिराने की मांग लेकर आये थे। कैलाश का कहना था कि मकान अत्यधिक जीर्ण-क्षीर्ण हो चुका है और कभी भी ढह सकता है, जिससे जन-धन की हानि की आशंका बनी हुई है। उन्होंने बताया कि उनके भाई द्वारा मकान को गिराने नहीं दिया जा रहा है, जबकि वह नया निर्माण कराना चाहते हैं। कैलाश ने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। इस प्रकरण में एसडीएम किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

जनसुनवाई में खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम टटेकसा के किसानों ने खेत तक आने-जाने का पारंपरिक रास्ता बहाल कराने की मांग की। किसानों का कहना है कि कुछ लोगों ने वर्षों पुराने निस्तारी पगडंडी मार्ग को अपनी भूमि में मिलाकर आवागमन रोक दिया है। उनका कहना है कि बारिश के मौसम में रास्ता बंद होने से धान की रोपाई और खेती-किसानी का कार्य प्रभावित हो रहा है। किसानों ने प्रशासन से मौके की जांच कर रास्ते का शीघ्र निराकरण कराने की मांग की है। इस प्रकरण में खैरलांजी तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

# कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समक्ष में की सुनवाई, सभी 15 प्रकरणों का कराया निराकरण

## लापरवाही पर कृषि अधिकारी का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश, जनजातीय कार्य विभाग के जिम्मेदार कर्मचारी पर भी कार्रवाई होगी

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** कलेक्टर मृणाल मीना ने मंगलवार को कृषि, स्वास्थ्य एवं जनजातीय कार्य विभाग से संबंधित 50 दिनों से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समक्ष में सुनवाई कर उनका निराकरण कराया। सुनवाई के दौरान कुल 15 शिकायतों पर विचार किया गया, जिनमें से कुछ शिकायतों का एक दिन पूर्व ही निराकरण कर दिया गया था। कलेक्टर ने सभी शिकायतों को शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के साथ बंद कराने के निर्देश दिए।

### कृषि विभाग की शिकायतों पर हुई कार्रवाई

कृषि विभाग से संबंधित शिकायतों में बैकठरांव चौधरी, रेखलाल एवं वीना परिहार ने शिकायत की थी कि सरसों की फसल का पंजीयन कराने के बावजूद शासन द्वारा खरीदी नहीं की गई। सुनवाई के दौरान अधिकारियों ने बताया कि भावांतर योजना के अंतर्गत सरसों की खरीदी की गई थी, लेकिन संबंधित किसानों ने मंडी में व्यापारियों को सरसों का विक्रय नहीं किया था, क्योंकि उस समय मंडी में समर्थन मूल्य से अधिक कीमत मिल रही थी। इस जानकारी के बाद शिकायतों का निराकरण कर दिया गया। वहीं परसवाड़ा विकासखंड के तीजूलाल एवं विजेंद्र हरिनखेड़े ने कोसमी स्थित बजरंग कृषि केंद्र द्वारा धान का नकली बीज अधिक कीमत पर बेचने की शिकायत की थी। अधिकारियों ने बताया कि शिकायत का निराकरण कर दिया गया है तथा कृषि केंद्र संचालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

### प्रसूति सहायता राशि की शिकायतों का होगा शीघ्र भुगतान

स्वास्थ्य विभाग की लंबित पांच शिकायतों की सुनवाई के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि सभी शिकायतें संबल योजना के अंतर्गत प्रसूति सहायता राशि नहीं मिलने से संबंधित थीं। सभी प्रकरणों में सहायता राशि स्वीकृत कर दी गई है। कुछ हितग्राहियों के खातों में राशि जमा हो चुकी है, जबकि शेष हितग्राहियों के खातों में अगले दो दिनों के भीतर राशि हस्तांतरित कर दी जाएगी।

### छात्रवृत्ति संबंधी शिकायतों का भी निराकरण

जनजातीय कार्य विभाग की पांच लंबित शिकायतों की सुनवाई के दौरान सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि सभी शिकायतें छात्रवृत्ति भुगतान से संबंधित थीं। इनका निराकरण कर दिया गया है तथा संबंधित छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में शीघ्र छात्रवृत्ति की राशि जमा कराई जाएगी।

### लापरवाही पर जताई नाराजगी, कार्रवाई के निर्देश

सुनवाई के दौरान कलेक्टर मृणाल मीना ने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि शिकायतें समक्ष सुनवाई के लिए चिन्हित होने के बाद ही तत्परता से हल की गईं, जबकि उनका निराकरण पहले भी किया जा सकता था। उन्होंने परसवाड़ा के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी द्वारा सीएम हेल्पलाइन शिकायत के निराकरण में लापरवाही बरतने पर एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। साथ ही जनजातीय कार्य विभाग के संबंधित जिम्मेदार कर्मचारी के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मीना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रसूति सहायता एवं जननी सुरक्षा योजना से संबंधित सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि इस श्रेणी की कोई भी शिकायत लंबित न रहे। उन्होंने सभी विभागों को समय-सीमा में शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण कर आमजन को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

# नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान महिला थाना पुलिस ने विद्यार्थियों को किया जागरूक, दिलाई नशामुक्ति की शपथ

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत महिला थाना बालाघाट द्वारा सोमवार, 21 जुलाई को विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने की शपथ दिलाई गई। अभियान के अंतर्गत महिला थाना पुलिस की टीम ने पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

भेंडारा में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को बताया गया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, भविष्य और पारिवारिक जीवन पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालता है। साथ ही उन्हें स्वयं नशे से दूर रहने एवं अपने मित्रों और परिजनों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। इसी क्रम में शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला चंगेरा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेनी, सावित्री देवी फुले उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेनी तथा मंदाबाई मेमोरियल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साकड़ी में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं को नशे की लत से होने वाले दुष्प्रभावों, उससे बचाव के उपायों तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यालयों में उपस्थित विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ दिलाई गई। महिला थाना पुलिस ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें तथा स्वस्थ और नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग दें।

# किरनापुर की बेटी कुमारी षोडशी कनोजे ने नीट परीक्षा मे पाई शानदार सफलता

**पद्मेश न्यूज। किरनापुर।** नीट पेपर लीक से भी हिम्मत नही हारते हुए किरनापुर ग्राम की होनहार बेटी षोडशी कनोजे नीट परीक्षा 2026 मे शानदार सफलता अर्जित की है। बताए कि नगर के प्रतिष्ठित हरिओम रेडीमेड किरनापुर के

संचालक जितेन्द्र कनोजे की सुपुत्री कुमारी षोडशी कनोजे ने एस सी केटेगिरी में ऑल इंडिया मे 1637 वीं रैंक हासिल करते हुए अपने परिवार, समाज और किरनापुर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। कुमारी षोडशी कनोजे की शानदार सफलता पर डॉ जय प्रकाश सुनेरी, दादाजी यशवंत राव कनौजे, चाचा देवेन्द्र कनौजे,चुमेश लिल्हारे, संजय चौधरी, संतोष बैस, नरेन्द्र अग्रवाल, ईश्वर अग्रवाल, राधेश्याम सिंघनधुपे,ललित चौधरी, राकेश बोरकर,डिलेश बोहरे सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं दी है।

# हट्टा पुलिस का नशामुक्ति अभियानः ग्रामीणों और विद्यार्थियों को किया जागरूक, निकाली जनजागरूकता रैली

## दहीगढ़वा चौक पर ग्रामीणों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने दिया नशामुक्त समाज का संदेश

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत हट्टा थाना पुलिस द्वारा लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 21 जुलाई को थाना क्षेत्र के ग्राम दहीगढ़वा चौक में विशेष नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। शराब, तंबाकू, गुटखा तथा अन्य मादक पदार्थों का सेवन न केवल आर्थिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म देता है, बल्कि अपराध और पारिवारिक तनाव का भी प्रमुख कारण बनता है। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार और गांव के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें।इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने की शपथ भी दिलाई गई। ग्रामीणों ने नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया।इसके बाद हट्टा पुलिस ने ग्राम हट्टा कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ एक विशाल

जागरूकता रैली निकाली। रैली में विद्यार्थियों ने नशामुक्ति से जुड़े संदेशों वाले नारों और जागरूकता संदेशों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने का आह्वान किया। रैली कॉलेज परिसर से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से होते हुए नगर के विभिन्न हिस्सों तक पहुंची। जहां आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई।पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से कहा कि युवा वर्ग देश का भविष्य है और यदि युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों में अपनी ऊर्जा लगाएंगे तो समाज और राष्ट्र दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा। छात्र-छात्राओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने मित्रों और परिजनों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आग्रह किया गया।इस जनजागरूकता अभियान में उप निरीक्षक विजय पटले, प्रधान आरक्षक राजेश पटले, आरक्षक लक्ष्मी टेकाम सहित हट्टा थाना पुलिस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत थाना क्षेत्र में आगामी दिनों में भी स्कूलों, महाविद्यालयों, ग्रामीण क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थानों पर लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाया जा सके।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
बुधवार 22 जुलाई 2026

# बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## न्यूज गैलरी

## पहली लिस्ट में पात्र, दूसरी लिस्ट में माँ बेटे हो गए अपात्र

### ग्राम पंचायत पेंड्रई के ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन, पीएम आवास योजना का लाभ देने की लगाई गुहार

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जनपद पंचायत बालाघाट क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पेंड्रई से मामला सामने आया है जहां पर प्रधानमंत्री आवास योजना की 2024 के लिस्ट में पात्र मां बेटे 2026 में जारी की गई लिस्ट में अपात्र हो गए जिससे परेशान पीडितों ने मंगलवार 21 जुलाई को मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई है।साथ ही उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए मामले में दोषियों पर वैधानिक कार्यवाही कर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देकर पक्के मकान की सौगात दिए जाने की मांग की है।ज्ञापन को लेकर पीडित उमाशंकर मसकरे ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से अपने परिवार के साथ में कच्चे मकान में रह रहे हैं।आवेदन

करने पर 2024 में जारी की गई लिस्ट में उनका नाम आया था।तब वे योजना के लिए पात्र थे लेकिन जब 2026 की लिस्ट जारी हुई तो वह अपात्र हो गए वहीं उनके पास में गाड़ी पक्का मकान और जमीन भी दर्शाई गई है जो उनके अनुसार उनके पास में नहीं है।जिसके चलते वह काफी परेशान है। उन्होंने अधिकारियों से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द प्रधानमंत्री आवास योजना में उनका नाम जोड़ा जाए और उन्हें इस योजना का लाभ दिलाया जाए वहीं साथ में पहुंचे उमाशंकर के भाई ने कहा कि उनकी मां को भी 2026 में जारी की गई प्रधानमंत्री आवास योजना की लिस्ट में अपात्र कर दिया गया है लेकिन जो भी पंचायत के जनप्रतिनिधियों व अन्य के द्वारा दर्शाया गया है वह कुछ भी उनके पास में नहीं है जिसके चलते उन्होंने अधिकारियों से गुहार लगाई है और मांग की है कि इस मामले की जांच की जाए और सत्यता के आधार पर ही आगे की कार्रवाई हो और जांच सही पाए जाने पर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना की लिस्ट में जोड़ा जाए और उन्हें आवास योजना के तहत राशि दिलाई जाए जिससे कि उनका भी पक्के मकान का सपना साकार हो सके।

# मानसूनी बारिश से तरबतर हुआ बालाघाट जिला

### दूसरे दिन भी जारी रहा बारिश का दौर, बच्चो ने उठाया मानसूनी बारिश का लुत्फ, पानी मे मस्ती करते आए नजर, आम जन जीवन हुआ प्रभावित, भारी बारिश का अलर्ट

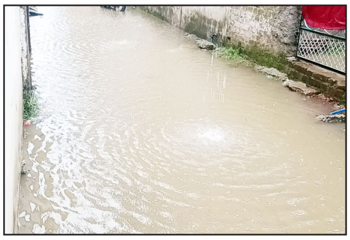

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**सोमवार की तरह मंगलवार को भी जिले बारिश का दौर चलता रहा।जहा सबसे अधिक वर्षा तिरोड़ी क्षेत्र, तो वही सबसे कम वर्षा खैरलांजी क्षेत्र में दर्ज की गई।नगर में मंगलवार की सुबह शुरू हुई यह रिमझिम बारिश, शाम तक होते रही।जिसके बाद हल्की व बुंदाबांदी बारिश होती रही।इस भारी बारिश से जगह जगह पानी भर जाने से आम जनजीवन प्रभावित हो गया तो वही नगरवासी पानी निकासी की समस्या से परेशान होते रहे।उधर दूसरी ओर नगर में हुई इस मानसूनी बारिश का बच्चो ने जमकर लुत्फ उठाया।जो इस मानसूनी बारिश का जगह जगह आनंद उठाते हुए नजर आए।इस दौरान बच्चो की टोली ने गलियो में भरे पानी मे जमकर दौड़ लगाई तो वही आसमानी बारिश में भींगकर मानसूनी बारिश का आनंद लिया।**

### निचले इलाकों में देखा गया जल जमाव

मानसूनी बारिश का असर अब बालाघाट जिले में देखने को मिल रहा है। मंगलवार को लग्भग दिन भर बारिश देखने को मिली। मंगलवार शाम हुई इस बारिश ने जहा नगरवासियों को भारी उमस से राहत पहुंचाई ,तो वही बारिश ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान भी बिखेर दी है।हालांकि सरकारी आंकड़ों पर गौर किया जाए तो इस वर्ष मानसून के आंकड़ों में बालाघाट पिछड़ा हुआ नजर आ रहा है।उधर सोमवार की तरह मंगलवार को भी बारिश देखने को मिली, इस दौरान नगर के निचले इलाकों की गलियों में पानी, नाली से ओवरफ्लो होकर सड़क से बहता हुआ नजर आया। नगर के वार्ड नंबर 10 रजा नगर में मानसूनी बारिश के बीच सड़क पर करीब पिंडली भर पानी भरा हुआ दिखाई दिया। जहां पानी निकासी की व्यवस्था न होने के चलते पानी करीब 2 घण्टे तक सड़क पर जाम रहा, जो बारिश बंद होने के बाद धीरे-धीरे छट गया। उधर इस मानसूनी बारिश का बच्चों ने जमकर लुत्फ उठाया,जो सुहाने मौसम के बीच बारिश के पानी में भीगते हुए नजर आए।

### सुबह से ढका रहा मौसम, हुई रिमझिम बारिश

बात अगर नगर की करे तो नगर में मंगलवार को सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे,और मानसून की झमाझम बारिश देखने को मिली। वही पूरा दिन मौसम सुहाना बना रहा।आपको बताए कि जिले में वैसे ही मानसुन 6 दिन की देरी से पहुंचा है, बावजूद इसके, मानसुन के जुलाई महिने में लगातार बारिश ना होकर खंड-खंड में वर्षा हो रही है, जिसने, खेती को लेकर किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें पैदा हो गई थी। बारिश कम होने से किसानो की खेती की बोअनी पर इसका असर पड़ रहा था। लेकिन अब अच्छी बारिश से किसानों को बड़ी उम्मीदे है।उनके कृषि कार्य तेज हो गए है।वही सावन के महीने में भी अच्छी बारिश होने की उम्मीद किसानों द्वारा जताई जा रही है।

### औसत वर्षा से जिले में 9 इंच कम बारिश

मंगलवार को रिमझिम बारिश ने मौसम को खुशगवार कर दिया। बारिश में बच्चे अठखेलियां करते दिखे तो बारिश के पानी की नालियों से निकासी नहीं होने से सड़को पर पानी भर गया।दरअसल, प्रदेश में धीमे पड़े मानसुन का असर, धान उत्पादक बालाघाट जिले में भी देखा जा रहा है, जिले में भी मानसुन की रफ्तार कमजोर पड़ने से बालाघाट में बीते वर्ष से कम बारिश हुई है।21 जुलाई तक होने वाली औसत वर्षा में जिले में 9 इंच बारिश कम हुई है। बीते वर्ष में अब तक बारिश का आंकड़ा करीब 25 इंच था। वहीं इस वर्ष अब तक केवल 16 इंच ही बारिश दर्ज हुई है। जिसमें सबसे ज्यादा 22 इंच बारिश वारासिवनी तहसील और सबसे कम 9 इंच बारिश बिरसा तहसील में हुई है।जिले की औसत सामान्य वर्षा 51 इंच है। बारिश का असर आम जनजीवन पर पड़ा। स्कूली बच्चों से लेकर नौकरीपेशा लोगो को पहुंचने में परेशानी हुई तो इससे बाजार भी मंदा रहा है।

### 24 घंटे में तिरोड़ी में सबसे ज्यादा बारिश, खैरलांजी में बारिश का आंकड़ा शून्य

कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से जारी किए बारिश के 24 घंटे के आंकड़े में बालाघाट तहसील में 14 मिमी, वारासिवनी में 10, बैहर में 13, लांजी में 02, कटंगी में 01, किरनापुर में 28, लालबर्रा में 01, बिरसा में 21, परसवाड़ा में 02, तिरोड़ी में 44 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि खैरलांजी में बारिश का आंकड़ा शून्य रहा।

### तहसीलवार बारिश का आंकड़ा

जिले में 01 जून से 21 जुलाई हुई बारिश में तहसीलवार बारिश में, बालाघाट तहसील में 550 मिलीमीटर, बैहर में 466, लांजी में 396, कटंगी में 393,किरनापुर में 563, खैरलांजी में 261, लालबर्रा में 424, परसवाड़ा में 351 और तिरोड़ी में 459 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

### 2025 में हुई बारिश में 21 जुलाई तक हुई बारिश का तहसीलवार आंकड़ा

वर्ष 2025 में 21 जुलाई तक बालाघाट तहसील में 836 मिलीमीटर, वारासिवनी में 1015, बैहर में 783, लांजी में 339, कटंगी में 733, किरनापुर में 597, खैरलांजी में 275, लालबर्रा में 750, बिरसा में 445, परसवाड़ा में 786 तथा तिरोड़ी में 648 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

# जमीन बचाने निकले किसान, रास्ते में चालान ने रोकी रफ्तार, जनसुनवाई पहुंचे ग्रामीण बोले- समस्या सुनने से पहले ही बढ़ गई परेशानी

### पट्टे की मांग लेकर 100 किमी दूर से पहुंचे अडोरी के ग्रामीण, ओवरलोड पिकअप पर यातायात कार्रवाई से भड़के; कहा- चंदा कर वाहन किया था, अब चालान का भी बोझ

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत अडोरी से सोमवार को लगभग एक सैकड़ा ग्रामीण अपनी जमीन और आजीविका बचाने की आस लेकर करीब 100 किलोमीटर का सफर तय कर जिला मुख्यालय पहुंचे। जनसुनवाई में शामिल होकर किसानों ने जिला कलेक्टर के समक्ष अपनी पीड़ा रखते हुए मांग की कि वर्षों से जिस भूमि पर वे खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं, उस भूमि से उन्हें बेदखल करने के बजाय शासन उन्हें वैधानिक पट्टा प्रदान करे। ग्रामीणों का कहना है कि यदि खेती करने वाली जमीन उनसे छीन ली गई तो उनके सामने परिवार चलाने का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा।

जनसुनवाई में पहुंचे किसानों ने बताया कि ग्राम पंचायत अडोरी के कई परिवार वर्षों से चरागाह एवं वन भूमि के कुछ हिस्सों पर खेती करते आ रहे हैं। इन भूमियों पर धान, कुटकी सहित अन्य पारंपरिक फसलें बोकर ही उनका परिवार सालभर अपना जीवनयापन करता है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने शासन से कई बार इन भूमियों का पट्टा दिए जाने की मांग की है और आवश्यक आवेदन भी प्रस्तुत किए हैं, लेकिन अब वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उन्हें खेत खाली करने तथा भूमि से हटने की चेतावनी दे रहे हैं। ग्रामीण कुंजूलाल, केजव यादव, ग्राम पंचायत अडोरी के सरपंच परशराम धुर्वे तथा रेत सिंह ने बताया कि गांव के अधिकांश किसान एक से दो एकड़ तक भूमि पर वर्षों से खेती कर रहे हैं। कई परिवारों की पूरी आजीविका इसी खेती पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि गांव में रोजगार के अन्य साधन उपलब्ध नहीं हैं। न उद्योग हैं और न ही ऐसा कोई व्यवसाय, जिससे परिवार का पालन-पोषण हो सके। ऐसे में खेती ही उनके जीवन का आधार है और यदि यही छिन गई तो उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान समय धान की खेती का है। अधिकांश किसानों ने अपने खेतों में धान की रोपाई पूरी कर ली है, जबकि कई किसान अभी भी खेतों में खेती का कार्य कर रहे हैं। ऐसे समय में यदि वन विभाग द्वारा बेदखली की कार्रवाई की जाती है तो किसानों की पूरी मेहनत और फसल बर्बाद हो जाएगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जब तक पट्टे के संबंध में अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक किसी भी किसान को भूमि से नहीं हटाया जाए। किसानों ने बताया कि वे कई वर्षों से संबंधित भूमि पर खेती कर रहे हैं और शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत भूमि पर अधिकार प्राप्त करने के लिए आवेदन भी कर चुके हैं। उनका कहना है कि यदि सरकार उन्हें खेती की जा रही भूमि का स्थायी पट्टा प्रदान कर देती है तो न केवल उनके परिवार का भविष्य सुरक्षित होगा, बल्कि वे बिना किसी भय के खेती कर सकेंगे और कृषि कार्य में अधिक निवेश भी कर पाएंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि वन विभाग और राजस्व विभाग संयुक्त रूप से मामले की जांच कर पात्र किसानों को भूमि का वैधानिक अधिकार प्रदान करें। उनका कहना है कि सरकार एक ओर किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को मजबूत करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर वर्षों से खेती कर रहे गरीब किसानों को बेदखल किए जाने की स्थिति उनके लिए चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर आवश्यक पहल करेगा और वर्षों से खेती कर रहे गरीब एवं आदिवासी किसानों को न्याय दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा। उनका कहना है कि उन्हें किसी प्रकार का अवैध कब्जा नहीं चाहिए, बल्कि शासन के नियमों के अनुरूप भूमि का वैधानिक पट्टा चाहिए, ताकि वे सम्मानपूर्वक अपने परिवार का जीवनयापन कर सकें।

### समस्या लेकर निकले, रास्ते में नई परेशानी से जूझे

जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि गांव से जिला मुख्यालय तक आने के लिए उन्होंने आपस में चंदा एकत्रित कर एक पिकअप वाहन किराए पर लिया था। करीब सौ किलोमीटर का सफर तय कर जब वे बालाघाट पहुंचे, तो बैहर चौकी के पास चल रही यातायात जांच के दौरान वाहन में क्षमता से अधिक सवारी होने के कारण यातायात पुलिस ने पिकअप को रोक लिया। ग्रामीणों के अनुसार पुलिस ने सभी यात्रियों को वाहन से नीचे उतार दिया, जिसके बाद महिलाएं, बुजुर्ग और अन्य ग्रामीण पैदल ही कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचे और जनसुनवाई में अपनी शिकायत दर्ज कराई। जनसुनवाई के बाद भी उन्हें फिर पैदल यातायात थाने तक जाना पड़ा, जहां पिकअप वाहन का चालान काटा गया। चालान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद देर शाम वाहन छोड़ा गया। इसके बाद कुछ ग्रामीण उसी वाहन से गांव लौटे, जबकि कई लोगों को बसों से सफर कर वापस अपने घर जाना पड़ा। ग्रामीणों ने कहा कि वे अपनी समस्या का समाधान कराने जिला मुख्यालय आए थे, लेकिन यहां पहुंचने पर उन्हें एक और परेशानी का सामना करना पड़ा। उनका कहना था कि यदि प्रशासन उनकी समस्या का स्थायी समाधान कर देता है तो भविष्य में उन्हें बार-बार इस प्रकार जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

## बारिश में भीगते हुए पुल की गुहार लगाने पहुंचे लपटी के ग्रामीण, बोले-वर्षों से सिर्फ आश्वासन, अब फिर कट जाएगा गांव

### 140 किमी दूर से पहुंचे आदिवासी ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, कहा 2024 में पुल बहा, आज तक नहीं बना नया पुल

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** सरकारी योजनाओं में ग्रामीण क्षेत्रों तक विकास पहुंचाने के दावे लगातार किए जा रहे हैं, लेकिन गढ़ी क्षेत्र के सुदूर आदिवासी ग्राम लपटी और माना के ग्रामीण आज भी एक पक्के पुल के लिए प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। वर्ष 2024 की अतिवृष्टि में बह गए पुल के एक साल बाद भी नया पुल नहीं बनने से नाराज ग्रामीण सोमवार को बारिश में भीगते हुए करीब 140 किलोमीटर की दूरी तय कर जिला मुख्यालय पहुंचे। हाथों में ज्ञापन, आंखों में उम्मीद और दिल में गांव के फिर से कट जाने का डर लिए ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट तक पैदल रैली निकाली और प्रशासन से तत्काल पुल निर्माण की मांग की। मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शुभम उईके के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण शामिल हुए। सभी पहले अंबेडकर चौक पहुंचे और वहां से एकजुट होकर बारिश के बीच कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च किया। पूरे रास्ते ग्रामीणों ने पुल निर्माण की मांग को लेकर नारे लगाए और प्रशासन का ध्यान अपनी वर्षों पुरानी समस्या की ओर आकर्षित किया। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2024 की भारी बारिश में गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाला पुल पूरी तरह बह गया था। उस समय प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों ने शीघ्र ही नया पक्का पुल बनाने का आश्वासन दिया था। एक वर्ष बीत जाने के बावजूद न तो पुल का निर्माण शुरू हुआ और न ही कोई स्थायी वैकल्पिक व्यवस्था की गई। मजबूरी में ग्रामीणों ने अपने श्रम और संसाधनों से लकड़ी का अस्थायी पुल तैयार किया, जिससे किसी तरह आवागमन चलता रहा। बाद में विभाग ने भी अस्थायी व्यवस्था की, लेकिन वह भी अब जर्जर होकर दोबारा बहने की स्थिति में पहुंच चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले एक वर्ष में वे कई बार जिला मुख्यालय पहुंचकर आवेदन, ज्ञापन और निवेदन दे चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला। अब मानसून फिर सक्रिय हो चुका है और लगातार बारिश के बीच गांव के लोगों को वही पुराना भय सताने लगा है कि कहीं इस बार भी उनका गांव बाहरी दुनिया से पूरी तरह कट न जाए। ग्राम सरपंच भगवती ने बताया कि पुल नहीं होने का सबसे ज्यादा असर आम ग्रामीणों के जीवन पर पड़ता है। बरसात में मरीजों को अस्पताल ले जाना मुश्किल हो जाता है, एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती, गर्भवती महिलाओं को समय पर इलाज नहीं मिल पाता और स्कूली बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यदि इस वर्ष भी तेज बारिश हुई तो पूरा गांव एक बार फिर टापू बन जाएगा। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले वर्ष आई अतिवृष्टि में पुल के साथ-साथ गांव के कई मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए थे, लेकिन आज तक प्रभावित परिवारों का न तो सर्वे किया गया और न ही किसी प्रकार का मुआवजा दिया गया। इससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति गहरा असंतोष है। ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में मांग की कि बरसात के दौरान तत्काल सुरक्षित वैकल्पिक पुल की व्यवस्था की जाए और स्थायी समाधान के रूप में पक्का पुल निर्माण कार्य बिना किसी और देरी के शुरू कराया जाए। उनका कहना है कि वे किसी नई सुविधा की मांग नहीं कर रहे, बल्कि केवल ऐसी मूलभूत व्यवस्था चाहते हैं जिससे उनका गांव हर साल बरसात में अलग-थलग न पड़े। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि इस बार भी प्रशासन केवल आश्वासन देकर मामला टालता है और पुल निर्माण शुरू नहीं होता, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि लपटी के लिए पुल कोई विकास परियोजना नहीं, बल्कि हजारों लोगों की जीवनरेखा है, जिसके अभाव में हर बरसात उनके सामने जीवन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका का संकट खड़ा हो जाता है।

# नशा मुक्ति अभियान 2.0 के तहत जीआरपी ने चलाया जनजागरूकता अभियान

### स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों, यात्रियों, ऑटो चालकों व झुग्गी बस्तियों में लोगों को किया जागरूक, नशा नहीं करने की दिलाई शपथ

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं रेल पुलिस अधीक्षक जबलपुर सुंदर सिंह कनेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भावना मरावी तथा उप पुलिस अधीक्षक अंकिता सुलया के मार्गदर्शन में जीआरपी द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान 2.0 संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना है।अभियान के तहत जीआरपी चौकी बालाघाट की टीम ने स्कूलों एवं कॉलेजों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को नशे की लत से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। साथ ही रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों तथा ऑटो स्टैंड के ऑटो चालकों को भी नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया और सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की गई।

### झुग्गी बस्तियों में जाकर लोगो को किया जागरूक

रेलवे स्टेशन के अलावा जीआरपी टीम ने,नगर की विभिन्न झुग्गी-बस्तियों में पहुंचकर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों से संवाद किया। इस दौरान उन्हें नशे से होने वाले नुकसान, परिवार और समाज पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।जीआरपी अधिकारियों ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज की खुशहाली के लिए भी गंभीर खतरा बनता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करे।

### आगामी समय मे भी होंगे विभिन्न कार्यक्रम-राकेश

जीआरपी चौकी बालाघाट के प्रधान आरक्षक राकेश गड़पाल ने बताया कि नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान 2.0 के तहत आगामी दिनों में भी विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाया जा सके।

# शासकीय आवासीय भवन जीर्णशीर्ण, मंडराया बड़े हादसे का खतरा, जिम्मेदार मौन

## जनपद पंचायत के सामने बने जर्जर भवन को जल्द डिस्मेंटल करने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

**नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत कार्यालय के ठीक सामने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा लगभग 40 से 45 वर्ष पूर्व निर्मित शासकीय आवासीय भवन (क्वाटर) इन दिनों अत्यंत जीर्ण-शीर्ण एवं जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। समय-समय पर उचित देख-रेख और मरम्मत न होने के कारण भवन की दीवारों में भारी दरारें आ चुकी हैं तथा कई कमरे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। जर्जर भवन की दीवारें मुख्य सड़क की ओर झुक गई हैं, जिससे कभी भी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन से जनहित में इस खतरनाक भवन को तत्काल डिस्मेंटल (ध्वस्त) करने की मांग की है।**

### जनपद कार्यालय के मुख्य द्वार और विद्युत पोल के पास खतरा

आपकों बता दे कि जनपद पंचायत कार्यालय के सामने पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा विगत 40 से 45 वर्ष पूर्व राजस्व विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारियों के रहने के लिए लाखों रूपयों की लागत से शासकीय आवासीय भवन (क्वाटर) का निर्माण किया गया था परन्तु देख-रेख के अभाव में भवन जीर्णशीर्ण होने के साथ ही दीवारों में दरारे आ चुकी है और तेज बारिश होने के कारण पानी का रिसाव भी हो रहा है। साथ ही दरवाजे, खिड़की एवं सडन भी सड़ चुके है जो किसी भी समय क्षतिग्रस्त हो सकता है। वहीं प्रशासन के द्वारा 40 से 45 वर्ष पूर्व बने शासकीय भवन की देख-रेख करने के साथ ही मरम्मत कार्य समय-समय पर करवाते रहते तो भवन जीर्णशीर्ण नही होता परन्तु भवन की ओर विशेष ध्यान नही देने के कारण वर्तमान में भवन की स्थिति जीर्णशीर्ण एवं जर्जर हो चुकी है जो किसी भी समय क्षतिग्रस्त हो सकती है। साथ ही जीर्णशीर्ण भवन के सामने जनपद पंचायत कार्यालय है जहां रोजाना जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी भी आते है परन्तु उनके द्वारा भी जीर्णशीर्ण हो चुके शासकीय आवासीय भवन की ओर ध्यान नही दिया जा रहा है।

इस तरह से पीडब्ल्यूडी विभाग की उदासीनता से कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है क्योंकि जीर्णशीर्ण भवन जर्जर स्थिति में है और भवन का झुकाव रोड़ की ओर अधिक है। अगर भवन धराशायी होकर रोड़ की ओर गिरता है तो बहुत बड़ा हादसा घटित होने की संभावना बनी हुई है। वहीं इस जर्जर भवन के ठीक सामने जनपद पंचायत का मुख्य प्रवेश द्वार है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और शासकीय कर्मचारी आवाजाही करते हैं। भवन से सटकर ही विद्युत पोल और तार गुजरे हुए हैं, जिनसे आसपास के घरों में विद्युत कनेक्शन दिये गये हैं। यदि यह भवन अचानक धराशायी होकर सड़क की ओर गिरता है, तो राहगीर एवं आने-जाने वाले इसकी चपेट में आने के साथ-साथ विद्युत व्यवस्था भी पूरी तरह ठप हो जायेगी, जिससे गंभीर जन-धन की हानि हो सकती है।

### प्रशासन की उदासीनता के प्रति लोगों में रोष व्याप्त

वहीं स्थानीयजनों का आरोप है कि पीडब्ल्यूडी विभाग और संबंधित अधिकारियों को इस जर्जर भवन के संबंध में बार-बार अवगत करवाया जा चुका है, किंतु विभाग की उदासीनता के चलते इसे अब तक डिस्मेंटल नहीं हटाया गया। देख-रेख के अभाव में बारिश के दिनों में छत से पानी का रिसाव हो रहा है तथा दरवाजे व खिड़कियां सड़ चुके हैं। वहीं लंबे समय से इस जीर्णशीर्ण भवन को डिस्मेंटल करने की मांग कर रहे है लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा उसे डिस्मेंटल नही किया जा रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। स्थानीयजनों ने शासन-प्रशासन से शासकीय आवासीय जीर्णशीर्ण भवन को जल्द डिस्मेंटल करने की मांग की है। वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग के प्रभारी एसडीओं अरूणा सिरसाम से दूरभाष पर जनपद पंचायत कार्यालय के सामने शासकीय आवासीय भवन जो जीर्णशीर्ण हो चुका है उसे डिस्मेंटल करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

### जर्जर भवन को जल्द डिस्मेंटल करें प्रशासन - बलराम

मानपुर सरपंच बलराम गौतम ने बताया कि जनपद पंचायत कार्यालय के सामने स्थित शासकीय आवासीय क्वाटर जर्जर हो चुका है एवं दीवारों में दरारे भी आ चुकी है और बारिश होने के कारण छत से पानी भी रिसाव हो रहा है ऐसी स्थिति में वह किसी भी समय धराशायी हो सकता है। अगर भवन धराशायी होकर सड़क की ओर गिरता है तो आने-जाने वाले लोग उसकी चपेट में आ सकते है जिससे बडी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। श्री गौतम ने बताया कि जीर्णशीर्ण भवन के सामने जनपद पंचायत कार्यालय स्थित है जहां जिम्मेदार अधिकारी-जनप्रतिनिधि भी आते है और पूर्व में भी जर्जर भवन को डिस्मेंटल करने की मांग की गई है लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग कोई ध्यान नही दे रहा है। जिससे ऐसा लगता है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है। शासन-प्रशासन से मांग है कि जर्जर हो चुके शासकीय आवासीय क्वाटर भवन को जल्द डिस्मेंटल किया जाये।

# रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग कीचड़ एवं गड्डों में हुआ तब्दील

## आवागमन में हो रही परेशानी, सड़क का निर्माण करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग का खस्ताहाल होने के साथ ही सड़क गड्डों में तब्दील हो चुकी है। वहीं बारिश होने पर

सड़क में कीचड़ होने से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि रटेगांव से पुजारीटोला तक यह कच्चा मार्ग है जिसका पक्का निर्माण करवाने की मांग लंबे समय से ग्रामीणजन एवं राहगीरों के द्वारा की जा रही है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है। जिसके कारण सड़क पुरी तरह से खराब हो चुकी है और गत दिवस से हो रही बारिश के कारण सड़क में कीचड़ हो चुकी है एवं गड्डों में पानी जमा हो जाने के कारण आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन व राहगीर आवागमन करते है। लेकिन जिम्मेदार इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। चर्चा में ग्रामीणों ने बताया कि रटेगांव से पुजारीटोला मार्ग खराब हो चुकी है एवं सड़क में बने गड्डों में पानी जमा होने के कारण वाहन अनियंत्रित हो रहे है जिसके कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। साथ ही कुछ स्थानों पर वाहन भी फस जाते है। जबकि इस सडक की समस्या से क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन को अवगत करवा चुके है लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन की उदासीनता के चलते सड़क का अब तक निर्माण कार्य नही हो पाया है। प्रशासन से मांग है कि जल्द रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग का पक्का निर्माण करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

# वैदिक कान्वेंट स्कूल में नशा मुक्ति अभियान 2.0 आयोजित

## विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी देकर, नशे से दूर रहने का दिया गया संदेश

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय के पांढरवानी रोड़ स्थित वैदिक कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल में 21 जुलाई को पुलिस विभाग द्वारा संचालित 'नशा मुक्ति अभियान 2.0' के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज में सुधार लाना है। इस जनजागरूकता कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम के द्वारा विद्यार्थियों को नशे से दूरी बनाने के लिए प्रेरित किया और 'नशे से दूरी है बेहद जरूरी' जैसी महत्वपूर्ण सीख दी गई। इस जन जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपनिरीक्षक वैशाली उइके ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत करवाते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि यह पूरे परिवार को आर्थिक और सामाजिक रूप से बर्बाद कर देता है। युवा पीढ़ी देश का भविष्य है, इसलिए बच्चों को बचपन से ही किसी भी प्रकार के व्यसन से दूर रहना चाहिए।

### समाज में जागरूकता लाने का प्रयास

पुलिस विभाग द्वारा चलाये जा रहे 'नशा मुक्ति अभियान 2.0 के तहत लालबर्रा क्षेत्र के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि बच्चों और युवाओं के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश घर-घर तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है, जिससे एक स्वस्थ और अपराध-मुक्त समाज का निर्माण हो सके। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन और विद्यार्थियों ने पुलिस विभाग की इस पहल की सराहना की तथा नशे के खिलाफ चलाये जा रहे इस अभियान में सहयोग करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पुलिसकर्मी, स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बच्चें उपस्थित रहे।

# कबड्डी खेल के माध्यम से खिलाड़ियों ने नशा मुक्ति का दिया संदेश

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** मध्यप्रदेश पुलिस बालाघाट और जिला प्रशासन बालाघाट के द्वारा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह विशेष अभियान 15 से 30 जुलाई तक पूरे बालाघाट जिले में चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रहार करना है। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी राहुल बारेसा के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय एवं समस्त विकासखंड में नशा मुक्ति अभियान खेल क्लब, खिलाड़ियों के माध्यम से चलाया जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित हाई स्कूल के खेल मैदान स्थित सभामंच में कबड्डी खेल का प्रैक्टिस कर रहे खिलाड़ियों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया गया और लोगों को नशा के दुष्परिणाम से अवगत भी करवाया गया। खेल विभाग के ब्लॉक समन्वयक लव पटेल ने बताया गया कि खेल खेलने से शरीर मजबूत होता है और मानसिक तनाव दूर होता है, जिससे नशे की ओर रूझान कम होता हैं। खेले आगे बढ़े और नशें से दूर रहे। श्री पटेल ने बताया कि खेलों में नियमित अभ्यास युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। जन जन का एक ही नारा नशा मुक्त हो मध्यप्रदेश हमारा। विकासखंड लालबर्रा में खिलाड़ियों, खेल क्लब के माध्यम से खिलाड़ियों को नशें से दूरी है जरूरी की जानकारी के साथ साथ शपथ, कबड्डी, पेंटिंग, निबंध, नारे लगाकर और अन्य खेल प्रतियोगिता करवाकर युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही सभी उपस्थित खिलाड़ियों ने 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का संदेश देते हुए एक स्वस्थ समाज बनाने और नशा मुक्तिअभियान में अपना सहयोग देने की शपथ ली। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक लव पटेल, राधिका नायक, स्वाति दमाहे, विजेंद्र उइके, शुभम बिसेन, विकास चौबे, कमलेश तुमसरे, साक्षी दांदरे, आशा नारबोदे, मोक्षा, काव्या, नव्या, प्राची, गरीमा, कशिश सहित अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहे।

# लेंडेझरी सांदीपनी विद्यालय में योगाभ्यास, ध्यान एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

## गुरू पूर्णिमा पखवाड़ा के छठवें दिन विद्यार्थियों को मिला बेहतर भविष्य का मार्गदर्शन

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पंचायत लेंडेझरी स्थित सांदीपनी विद्यालय में गुरू पूर्णिमा पखवाड़ा के छठवें दिन मंगलवार को योगाभ्यास, ध्यान एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य ए.एन. त्रिपाठी एवं भूतपूर्व व्याख्याता एच.आर. पटले की गरिमामयी उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। वहीं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भूतपूर्व व्याख्याता एच.आर. पटले ने छात्र-छात्राओं को नियमित योगाभ्यास, ध्यान और स्वास्थ्य की देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन का महत्व समझाते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपना

भविष्य उ'जवल बनाने का मार्गदर्शन प्रदान किया। श्री पटले ने गुरू पूर्णिमा पखवाड़े के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थी अनुशासित रहकर इस पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रियता से भाग लें और अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक हिरेन्द सोनेकर, दिलीप पटले, श्री चिखले, श्री घरडे, श्री उके, श्री रिनायत सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# वार्ड नं.९ में गंदगी और जलभराव से वार्डवासी आक्रोशित

## आंगनबाड़ी और संजीवनी क्लिनिक के पास मंडरा रहा बीमारियों का खतरा

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** नगर के वार्ड नंबर ९ स्थित मटन मार्केट परिसर की स्थिति दिनों दिन बदतर होती जा रही है। एक ओर जहाँ सरकार स्वास्थ्य और बाल विकास को बढ़ावा देने के लिए संजीवनी क्लिनिक और आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन कर रही है। वहीं दूसरी ओर इन दोनों परिसरों के ठीक आसपास फैला गंदगी का अंबार प्रशासनिक दावों की पोल खोल रहा है। आलम यह है कि इलाज कराने आ रहे मरीजों और खेलती कूदती मासूम नौनिहालों को हर दिन बदबू, मच्छर और जहरीले जीवों के खौफ के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है।

### उपचार का केंद्र बना बीमारियों का मुहाना

स्थानीय संजीवनी क्लिनिक में हर दिन दर्जनों लोग इलाज कराने पहुंचते हैं। विडंबना यह है कि क्लिनिक लोगों का उपचार तो कर रहा है लेकिन उसके ठीक बाहर पसरी गंदगी लोगों को बीमार करने पर तुली है। वहीं दूसरी ओर पास ही स्थित आंगनबाड़ी केंद्र जाने वाले मासूम बच्चों को बेतहाशा उगी झाडियों और गंदे पानी को पार करके जाना पड़ता है। जिससे हर पल किसी हादसे या जहरीले जीव के काटने का डर बना रहता है। आधे शहर का गंदा पानी नालियों के माध्यम से इसी क्षेत्र में आता है जो आगे चलकर टोंडिया नाले में मिलता है। यद्यपि मौके पर नाले का निर्माण कराया गया है लेकिन जल निकासी की सही व्यवस्था नही होने के कारण यह निर्माण जलभराव को रोकने में पूरी तरह अक्षम साबित हो रहा है। भारी बारिश के दौरान यहाँ पानी भर जाता है। जगह जगह बने गड्ढों में ठहरा हुआ पानी और मानसूनी मौसम में तेजी से बढ़ती झाडियों के कारण क्षेत्र में जहरीले सांप.बिच्छू और मच्छरों का प्रकोप अत्यधिक बढ़ गया है। यह समस्या कोई नई नहीं है। पिछले कई वर्षों से वे बदबू, जलभराव और गंदगी के इस दोहरे दंश को झेलने पर मजबूर हैं। स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों को लगातार लिखित व मौखिक रूप से अवगत कराया गया और साफ सफाई की मांग की गई। हालांकि प्रशासन के द्वारा कार्यक्रम किया गया हैं परंतु धरातल पर स्थिति आज भी खराब है। वार्डवासियो कि मांग हैं की झाड़ियों की कटाई, नाले की सही सफाई और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जायें। इस बदहाल व्यवस्था से नाराज वार्डवासियों में प्रशासन के खिलाफ भारी जनाक्रोश व्याप्त है।

### परिसर में झाडियां उग गई बदबू बहुत आती है मच्छर -परेशान करते है-लखनलाल राउत

वार्डवासी लखन लाल राउत ने बताया कि मैं यही वार्ड नंबर ९ रहता हूं मेरे घर के सामने आंगनबाड़ी और संजीवनी क्लिनिक बना हुआ है। परंतु इस परिसर में बहुत ज्यादा गंदगी है ब ज्यादा बारिश होने पर जल भराव की स्थिति हो जाती है। अभी बारिश का समय है तो सांप बिच्छू घर तक आते हैं मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है बहुत समस्या है। बदबू तो हर समय चलती रहती है घरों के दरवाजे बंद करके रखने पड़ते हैं डर भी लगा रहता है। घर में छोटे.छोटे बाल बच्चे हैं नौनिहाल लोग आंगनबाड़ी आते हैं कभी कोई दुर्घटना हो गई तो बहुत दिक्कत हो जाएगी। पिछले कई वर्षों से यही स्थिति बनी हुई है हर बार शिकायत की जाती है नगर पालिका के लोग आते हैं। काम करते हैं परंतु व्यवस्थित रूप से कुछ नहीं हो रहा है समस्या बनी है।

### नगर पालिका को शिकायत करने के बाद भी व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ-जावेद अली

राहुल गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली ने बताया कि आंगनवाड़ी और संजीवनी क्लिनिक जो बना है यहां बेतहाशा गंदगी है। कई बार इसके लिए नगर पालिका को शिकायत की गई है आज तक व्यवस्था में कोई पर्याप्त सुधार नहीं हुआ है। वहां पर गंदा पानी आता है जिसकी निकासी भी पर्याप्त नहीं है रोजाना लोगों को समस्या से परेशान होना पड़ रहा है। बारिश के समय जल भराव वहां एक बड़ी समस्या है और जो आंगनवाड़ी है उसके चारों तरफ गंदगी है। जहां नौनिहाल पढ़ने आ रहे हैं कि बीमार होने यह पता नहीं लग पा रहा है, इस पर जिम्मेदार प्रशासन को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। यदि ऐसा ही रहा तो लोगों को भविष्य में समस्या हो सकती है यह स्थिति हम पिछले लंबे समय से देख रहे हैं। वहां यदि बेहतर निकासी की व्यवस्था कर दी जाए तो समाधान हो सकता है।

### इनका कहना है

उक्त स्थान पर पूर्व में की गई थी बारिश के कारण होने वाली गंदगी की सफाई तत्काल करवाई दी जायेगी। और नपा के कर्मचारियों को साफ सफाई और पाउडर डालने के लिये निर्देश दिये जायेंगे।

**सूर्यप्रकाश उके**
**मुख्य नपा अधिकारी वारासिवनी**

# प्रगतिशील कलार समाज की बैठक संपन्न

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी। प्रगतिशील कलार समाज वारासिवनी के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ समाजजनों की एक महत्वपूर्ण बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में समाज के सर्वांगीण विकास, प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने तथा आगामी सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने को लेकर गहन विचार.विमर्श किया गया एवं कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक की शुरुआत समाज के संरक्षक प्रदीप जायसवाल, अशोक शिवने ,एस के दहीकर, श्रीमती स्मिता जायसवाल,समाज के अध्यक्ष सुनील पिपरेवार सहित वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में हुई। इस बैठक के दौरान समाज के हित से जुड़े कई प्रमुख विषयों पर बिंदुवार चर्चा की गई। जिनमें मुख्य रूप से समाज की संस्थागत मजबूती के लिए पंजीयन रिन्यूअल की प्रकिया को शीघ्र पूरा करने का निर्णय लिया गया। सामाजिक भवन की सुरक्षा और सौंदर्यीकरण हेतु बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य को प्राथमिकता से कराने पर सहमति बनी। समाज के कोषाध्यक्ष एवं पदाधिकारियों के द्वारा अब तक के आय व्यय तथा आवक जावक का पारदर्शी ब्योरा प्रस्तुत किया गया। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। वही आने वाले समय में आयोजित होने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक के अंतिम चरण में एक दुखद सूचना से पूरा समाज स्तब्ध हो गया। बालाघाट निवासी समाज के सक्रिय युवा सदस्य प्रशांत पालेवार का महज ३१ वर्ष की अल्पायु में हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो गया। इस दुखद खबर पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने २ मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कर बैठक का समापन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती श्रीति पालेवार ,कुलदीप डहरवाल, हर्षिता शिवहरे, विजेता सोनकर, मनीषा पिपरेवार,हस्तरेखा कावड़े, महेंद्र कावड़े, पुरुषोत्तम पालेवार, बमनोटे , उम्मेद पालेवार, सुनील जायसवाल, ओमप्रकाश बारेवार, प्रदीप कोसरकर सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## रमरमा में 41 वर्षीय व्यक्ति ने घर में लगाई फांसी, पुलिस जांच में जुटी

वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रमरमा में एक दुखद घटना सामने आई है जहाँ 41 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुँचकर मर्ग कायम कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रमरमा वार्ड नंबर १३ निवासी मनोज परते पिता सुरेंद्र परते ४१ वर्ष २१ जुलाई को अपने घर पर अकेले थे। उस दौरान परिवार के अन्य सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। इसी सूनेपन का फायदा उठाकर मनोज ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब शाम को परिजन घर वापस लौटे। उन्होंने घर के अंदर मनोज को फांसी के फंदे पर लटका देखा। परिजनों के होश उड़ गए उन्होंने डायल ११२ को सूचित किया। ११२ की टीम ने तत्काल वारासिवनी पुलिस थाने को घटना से अवगत कराया। सूचना मिलते ही वारासिवनी थाने से सहायक उपनिरीक्षक धनेश वल्के और प्रधान आरक्षक सुजीत कोटांगले के साथ घटनास्थल पर पहुँचे। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया और परिजनों तथा आसपास के लोगों से प्रारंभिक पूछताछ की। आवश्यक पंचनामा कार्यवाही पूर्ण करने के बाद पुलिस ने शव को सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक का पोस्टमार्टम २२ जुलाई की सुबह १० बजे किया जाएगा। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है जिसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

# नगर पालिका में जनता दरबार का हुआ आयोजन

## विभिन्न समस्याओ का समाधान कर जन हित मे लिये कई निर्णय

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी नपा परिषद में २१ जुलाई को जन समस्या के समाधान के लिये जनता दरबार का आयोजन किया गया। यह जनता दरबार पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, उपयंत्री अंशिका चौहान, पार्षदगणो, प्रभारीयो की उपस्थिती मे प्रारंभ कि गयी। जिसमें जनमानस की समस्याओ के समाधान मे गंभीरता दिखायी। वहीं जनमानस ने भी बरसते पानी मे आकर अपने अपने वार्डो की विभिन्न समस्याओ को लिखित मे सामने रखा। इस में रानी दुर्गावती नगर की महिलाओ ने आकर पेयजल की समस्या से अवगत कराया। इन महिलाओ ने जानकारी देते हुये बताया की पूर्व मे जंहा तक मकान बने थे। वंहा तक तो नपा ने पेयजल की पाईप लाईन बिछा दी थी। किंतू अब लगभग देड दर्जन मकान और बन जाने से इन मकानो के निवासीयो को पेयजल की दिक्कत जा रही है। कुछ बोर भी फेल होने से इस समस्या के समाधान के साथ नाली निर्माण भी निंतात आवश्यक है। जिस पर तत्काल पेयजल प्रभारी सुरेन्द्र लडकर को नयी पाईप लाईन के लिये प्रक्रिया प्रारंभ कर अधिकारीयो की टीम को स्थल निरिक्षण के निर्देश प्रदान किये गये। इसी तरह वार्ड न. ०१ व पवार मंगल भवन के सामने की नहर पर दोनो तरफघाट निर्माण करने का निर्णय लेकर कार्य करने वाली एंजेसी को निर्देश प्रदान किये। इन दोनो जगहो की नहरो पर विशेषकर जन्माष्टमी, गणेश स्थापना व मातारानी की स्थापना के बाद विसर्जन के समय भारी भीड के होने व किसी भी हादसे को टालने के लिये घाट निर्माण का निर्णय लेकर दोनो जगह बडे बडे हाईमास्क लगाने के भी निर्देश जारी कर दिये गये है। जनता दरबार मे नगर के गांधी बाल उद्यान मे प्राकर्तिक सौंदर्य को बढाने के लिये वन्य जीवो सहित अन्य स्टेचू लगाकर एक आकर्षक व जींवत माहौल निर्मित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही लाईटिंग व्यवस्था को नवीन स्वरूप प्रदान कर गार्डन की एक विशिष्ट पहचान बनाने के निर्णय को भी इसमे शामिल किया गया। इस जनता दरबार मे आज अधिकारीयो के द्वारा पेश किये गये प्रतिवेदन के बाद नगर मे बिना अनुमति के चल रहे अनेको निर्माण कार्य को रोकने के भी निर्देश प्रदान किये गये। साथ ही इन निर्माण कार्यो से सडक से पर्याप्त दूरी व भविष्य के ड्रइंग डिजाइन के शासकीय कार्यो मे यातायात व्यवस्था मे कोई बाधा न आ सके इस विषय पर भी स्थल पर जाकर निरिक्षण करने के निर्देश प्रदान किये गये। दरबार मे वार्डो मे सडक, नाली, सहित किचडनूमा जगह पर चिल्ली डलवाने के अनेको आवेदनो पर प्राथमिकता अनुसार निर्णय लिया गया।

# सरकारी चावल घोटाले में ५ आरोपी २४ जुलाई तक पुलिस रिमांड पर

## मामले में अब तक २२ ट्रक जब्त, एसआईटी की जांच जारी

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी क्षेत्र में सरकारी फोर्टिफाइड चावल की बड़े पैमाने पर हेराफेरी और अवैध बिक्री के मामले में पुलिस एवं विशेष जांच दल ने कार्यवाही तेज कर दी है। गरीबों के हक के सरकारी राशन को ट्रकों में भरकर खुले बाजार एथेनॉल प्लांटों और बीयर कंपनियों को बेचने वाले इस अंतरराज्यीय सिंडिकेट के खिलाफ पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। इस पूरे मामले में वर्तमान तक २२ ट्रकों को जब्त कर लिया है। थाना वारासिवनी में दर्ज अपराध क्रमांक २७२/२६ भारतीय न्याय संहिता की धारा ३१६ (३),३३६ (३), ३४० (२), ३३८ एवं ३/५ के तहत गिरफ्तार किए गए ५ आरोपियों को जेएमएफसी न्यायालय वारासिवनी के समक्ष पेश किया गया। जहां से अदालत ने सभी आरोपियों की २४ जुलाई तक पुलिस रिमांड मंजूर कर दी है। पुलिस एवं एसआईटी की टीम आरोपियों से लगातार गहन पूछताछ कर रही है।

### अदालत में पेश हुए यह आरोपी

मामले में पुलिस ने कुंजबिहारी पिता जगलाल पटले उम्र ३८ वर्ष निवासी वार्ड नं. १२ नैतरा संचालक बिहारी राइस मिल, सुरेन्द्र पिता शांतिलाल राणा उम्र ६५ वर्ष निवासी वार्ड नं.५ नेवरगांव संचालक शांति राइस मिल, अतुल पिता मनीराम बिसेन उम्र २३ वर्ष निवासी वार्ड नं.७ नैतरा राइस मिल मैनेजर, गौरव पिता खुशाल माहेश्वरी उम्र ४५ वर्ष निवासी वार्ड न.२८ बालाघाट विराज राइस मिल इन्हें रिमांड खत्म होने पर २० जुलाई को नया आरोपी किशनलाल पिता स्व.राधेश्याम खंडेलवाल उम्र. ७१ वर्ष निवासी गोंदिया महाराष्ट्र संचालक खंडेलवाल राइस मिल के साथ वारासिवनी न्यायालय पेश किया गया। जहां से आगामी २४ जुलाई तक सभी को रिमांड पर लिया गया है।

### आगे की कार्यवाही और सम्भावित गिरफ्तारियां

एसआईटी और वारासिवनी पुलिस की इस संयुक्त कार्यवाही से चावल माफियाओं और भ्रष्ट तंत्र में हड़कंप मच गया है। मामले में अब तक २२ ट्रकों की जब्ती यह दर्शाती है कि घोटाले का दायरा बहुत व्यापक है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार रिमांड अवधि के दौरान आरोपियों से चावल की हेराफेरी के मुख्य सरगनाओं बेनामी संपत्तियों और अन्य मिलर्स की संलिप्तता के विषय में कड़ी पूछताछ की जा रही है। मध्य प्रदेश के साथ साथ महाराष्ट्र के गोंदिया एवं छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के कई अन्य प्रमुख राइस मिलर्स भी एसआईटी के रडार पर हैं। आने वाले दिनों में इस बड़े रैकेट में कई और वाहनों की जब्ती, बड़े नामों के खुलासे और नई गिरफ्तारियों की संभावना जताई जा रही है।

# विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** केशव हायर सेकेण्डरी स्कूल में विद्यार्थियों को कानून एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर वारासिवनी न्यायालय के मजिस्ट्रेट नयन जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नयन जैन ने विद्यार्थियों को कानून के महत्व, नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान की। उन्होने विद्यार्थियों को कानूनी जागरूकता के महत्व से अवगत कराया और समाज में कानून के पालन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होने लॉ की पढ़ाई के बाद उपलब्ध विभिन्न कॅरियर अवसरों की भी जानकारी दी। उन्होने बताया कि कानून के क्षेत्र में वकालत, न्यायिक सेवा, विधिक सलाहकार, कॉर्पोरेट लॉ, लोक अभियोजक तथा अन्य अनेक क्षेत्रों में उज्जवल भविष्य बनाया जा सकता है। विद्यालय के प्राचार्य ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुये विद्यार्थियों से प्राप्त जानकारी का लाभ उठाने और अपने अधिकारों एवं कर्तव्य के प्रति जागरूक रहने का आवाहन किया। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा तथा सभी ने इसमें उत्साहपूर्वक सहभागिता दी।

# लोकतंत्र में हक मांगना गुनाह नहीं, फिर जंतर-मंतर पर छात्रों का बर्बर दमन क्यों?

अपने ही देश के बच्चों को सड़कों पर जानवरों की तरह दौड़ा-दौड़ा कर पीटा जाए, उन पर आंसू गैस के गोले दागे जाएं और उनका खून बहाया जाए, तो समझ लेना चाहिए कि व्यवस्था के भीतर की इंसानियत मर चुकी है। कल, यानी 20 जुलाई 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो कुछ भी हुआ, वह किसी भी संवेदनशील इंसान की रूह को कंपा देने के लिए काफी है। नीट जैसी बड़ी परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक के खिलाफ देश के कोने-कोने से आए हजारों छात्र सिर्फ एक पारदर्शी भविष्य और इंसाफ की गुहार लगा रहे थे। मगर संसद के मानसून सत्र के पहले दिन जब इन बेकसूर बच्चों ने संसद चलो मार्च शुरू किया, तो सरकार ने उनके स्वागत में बैरिकेडिंग की दीवारें, कटीले तार और पुलिस की बेरहम लाठियां खड़ी कर दीं। सवाल सीधा और बहुत कड़वा है - इस खौफनाक दमन की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? दिल्ली पुलिस कोई स्वतंत्र संस्था नहीं है, वह सीधे तौर पर देश के केंद्रीय गृह मंत्रालय के इशारे पर काम करती है। नई दिल्ली के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा और उनके प्रशासनिक आला अधिकारियों के आदेश के बिना एक भी लाठी नहीं चल सकती थी। पुलिस ने तर्क दिया कि इलाके में धारा 163 यानी निषेधाज्ञा लागू थी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत मार्च की अनुमति नहीं थी। लेकिन क्या कानून व्यवस्था बनाए रखने का मतलब यह है कि आप निहत्थे छात्रों को लहू-लुहान कर दें? क्या देश की राजधानी में अपनी बात कहने जा रहे बच्चों को काबू करने का एकमात्र तरीका सिर्फ बर्बरता ही रह गया है? जब राम मनोहर लोहिया अस्पताल में घायल छात्र और पुलिसकर्मी कराह रहे थे, तब सत्ता के गलियारों में सन्नाटा पसरा हुआ था। छात्रों का अपराध सिर्फ इतना था कि वे उस लचर परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठा रहे थे जिसने लाखों युवाओं के सपनों को बेच दिया। वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे क्योंकि वे देश के युवाओं को सुरक्षित भविष्य देने में नाकाम रहे। वे मांग कर रहे थे कि व्यवस्था की इसी नाकामी के चलते जिन 20 से ज्यादा पीड़ित अभ्यर्थियों ने टूटकर आत्महत्या कर ली, उनके परिवारों को न्याय और मुआवजा मिले। इस शांतिपूर्ण आंदोलन की रीढ़ बने लद्दाख के मशहूर शिक्षाविद सोनम वांगचुक पहले ही 21 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। उन्हें भी सरकार ने 18 जुलाई को जबरन उठाकर सफदरजंग अस्पताल में बंद कर दिया ताकि युवाओं की आवाज को कमजोर किया जा सके। कल रात जब पुलिस ने जंतर-मंतर से टेंट और स्टेज को उजाड़ दिया, तब भी वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंग्मो और हजारों छात्र बिना डरे केरल हाउस के पास डटे रहे। यह साबित करता है कि युवाओं का हौसला लाठियों के दम पर कुचला नहीं जा सकता। हैरानी की बात देखिए, देश के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आंदोलन के छात्र नेताओं से सिर्फ 10 मिनट की मुलाकात की, लेकिन ठोस समाधान निकालने के बजाय सिर्फ समय मांगने की औपचारिकता पूरी की। सरकार की इस क्रूर चुप्पी के खिलाफ विपक्ष ने भी संसद में जमकर हंगामा किया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिल्कुल सही और तीखा सवाल पूछा कि आखिर ये हमारे ही बच्चे हैं, पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या पर चर्चा करने के बजाय सरकार उन पर लाठियां क्यों बरसा रही है? आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भी इस दमन की तुलना औपनिवेशिक दौर की तानाशाही से की। हुक्मरानों को यह बात गांठ बांध लेनी चाहिए कि यह देश एक लोकतंत्र है, कोई तानाशाही राज नहीं।

# दो टूक-पेपर लीक, युवा आक्रोश और सत्ता की चुप्पी

## संवाद से ही सुलझेगा युवा असंतोष

18 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो कुछ हुआ, उसने लोकतंत्र के चेहरे पर कई असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर शांतिपूर्ण, संवैधानिक और नैतिक विरोध के प्रतीक के तौर पर वैज्ञानिक, नवाचारकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक आमरण अनशन पर बैठे थे तो दूसरी ओर राज्य की शक्ति का वह रूप सामने आया, जिसने संवाद की जगह बल प्रयोग को प्राथमिकता दी। जिस तरह से उन्हें सफेद चादर में लपेटकर पुलिस द्वारा जबरन उठाकर अस्पताल ले जाया गया, वह दृश्य केवल एक व्यक्ति के साथ हुई कार्रवाई नहीं थी बल्कि उस पूरी सोच का प्रतीक था, जिसमें असहमति को समस्या मान लिया गया है। सरकार का यह अनुमान कि वांगचुक को हटाने के बाद आंदोलन स्वतः समाप्त हो जाएगा, एक गंभीर राजनीतिक भूल साबित हुआ। इसके विपरीत, इस कार्रवाई ने युवाओं के भीतर दबी हुई असंतोष की आग को हवा दे दी। यह केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि उस गहरे अविश्वास का परिणाम थी, जो पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न मुद्दों पर लगातार पनपता रहा है। जब एक शांतिपूर्ण आंदोलन को इस तरह कुचलने का प्रयास किया जाता है तो यह संदेश जाता है कि सरकार संवाद के बजाय दमन को अधिक प्रभावी मानती है।

लोकतंत्र का मूल तत्व यह है कि नागरिकों को अपनी बात कहने, विरोध करने और अपनी मांगों के लिए शांतिपूर्वक संघर्ष करने का अधिकार हो। यह अधिकार केवल संविधान की किताबों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उसका सम्मान व्यवहार में भी होना चाहिए। जब तक कोई आंदोलन हिंसक नहीं होता, तब तक उसे दबाने के बजाय समझने और समाधान निकालने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन जंतर-मंतर की घटना ने यह संकेत दिया कि सरकार इस बुनियादी सिद्धांत से दूर होती जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू युवाओं की प्रतिक्रिया है। आज का युवा केवल भावनाओं से नहीं बल्कि सूचनाओं और जागरूकता से संचालित होता है। वह हर घटना को देखता है, उसका विश्लेषण करता है और फिर अपनी प्रतिक्रिया देता है। सोनम वांगचुक के साथ हुई घटना ने युवाओं को महसूस कराया कि उनकी आवाज को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। यही कारण है कि 'चलो संसद' के आह्वान को अभूतपूर्व समर्थन मिला।

यहां यह समझना भी जरूरी है कि यह आक्रोश केवल एक घटना का परिणाम नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बार-बार पेपर लीक, परीक्षाओं में अनियमितताएं और परिणामों में कथित

धांधली ने छात्रों के भविष्य को अस्थिर कर दिया है। नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा, जिस पर लाखों छात्रों का करियर निर्भर करता है, उसमें भी पारदर्शिता पर सवाल उठना बेहद गंभीर मामला है। जब बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं और उनके समाधान में देरी या अस्पष्टता दिखाई देती है तो युवाओं का विश्वास डगमगाना स्वाभाविक है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों से छात्र आत्महत्या के मामले भी बढ़ रहे हैं। छात्र और युवा जब ऐसे में अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरते हैं तो उन्हें केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा मानकर नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक संकट का संकेत है। यदि सरकार इस संकेत को समझने में विफल रहती है तो यह असंतोष भविष्य में और अधिक व्यापक रूप ले सकता है। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर सरकार का कठोर रुख भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जवाबदेही एक अनिवार्य तत्व होती है। यदि किसी प्रणाली में बार-बार खामियां सामने आती हैं तो जिम्मेदारी तय करना और सुधार के ठोस कदम उठाना आवश्यक होता है लेकिन जब सरकार इन मांगों को नजरअंदाज करती है या उन्हें राजनीतिक रंग देकर खारिज कर देती है तो यह युवाओं के बीच निराशा और गुस्से को और बढ़ाता है। सोनम वांगचुक जैसे व्यक्ति, जिनकी छवि एक शांत, सकारात्मक और समाधान-उन्मुख कार्यकर्ता की रही है, उनके साथ इस तरह का व्यवहार और भी अधिक चिंताजनक है। यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं बल्कि उन मूल्यों का भी अपमान है, जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि ऐसे व्यक्तियों के साथ भी संवाद के बजाय बल प्रयोग का रास्ता अपनाया जाएगा तो आम नागरिक को क्या संदेश जाएगा? यह भी ध्यान देने योग्य है कि अदालत ने यदि अनशन को समाप्त कराने के निर्देश दिए भी थे तो उसका पालन मानवीय और गरिमापूर्ण तरीके से भी किया जा सकता था। किसी भी व्यक्ति के साथ इस तरह का व्यवहार, जिसमें उसकी गरिमा को ठेस पहुंचे, लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। कानून का पालन आवश्यक है लेकिन उसका क्रियान्वयन भी उतना ही संवेदनशील और मानवीय होना चाहिए।

20 जुलाई को 'चलो संसद' के दौरान जो कुछ हुआ, उसने इस पूरे संकट को और गहरा कर दिया। युवाओं पर बल प्रयोग, उन्हें रोकने के लिए कठोर उपाय और उनके आक्रोश को नियंत्रित करने की कोशिशें यह दर्शाती हैं कि सरकार समस्या के मूल कारणों को समझने के बजाय उसके लक्षणों से लड़ रही है। यह रणनीति अल्पकालिक रूप से भले ही व्यवस्था बनाए रखने में सहायक हो लेकिन दीर्घकालिक रूप से यह असंतोष को और बढ़ाती है। सवाल यह है कि इस स्थिति का समाधान क्या है? सबसे पहले, सरकार को यह स्वीकार करना होगा कि समस्या वास्तविक है और उसे केवल राजनीतिक विरोध के रूप में नहीं देखा जा सकता। संवाद की प्रक्रिया को तुरंत शुरू करना होगा, जिसमें आंदोलनकारियों, छात्रों और विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। केवल औपचारिक बैठकों से काम नहीं चलेगा बल्कि ठोस और समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करने होंगे। दूसरा, शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ठोस सुधार आवश्यक हैं। परीक्षाओं की सुरक्षा, मूल्यांकन की निष्पक्षता और परिणामों की विश्वसनीयता को लेकर जो संदेह पैदा हुए हैं, उन्हें दूर करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। इसके लिए तकनीकी उपायों के साथ-साथ प्रशासनिक सुधार भी जरूरी हैं। तीसरा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर अनावश्यक बल प्रयोग से बचना होगा। लोकतंत्र में असहमति को स्थान देना ही उसकी ताकत होती है। यदि हर विरोध को दबाने की कोशिश की जाएगी तो यह लोकतंत्र को कमजोर ही करेगा। सरकार को यह समझना होगा कि असहमति दुश्मनी नहीं होती बल्कि सुधार का अवसर होती है। चौथा, युवाओं के साथ विश्वास का रिश्ता फिर से स्थापित करना होगा। इसके लिए केवल घोषणाएं या बयान पर्याप्त नहीं होंगे, ठोस कार्यवाही और परिणाम दिखाने होंगे। जब युवा यह महसूस करेंगे कि उनकी बात सुनी जा रही है और उस पर कार्रवाई हो रही है, तभी उनका विश्वास लौटेगा।

अंततः, यह समय सरकार और समाज दोनों के लिए आत्ममंथन का है। क्या हम एक ऐसे लोकतंत्र की ओर बढ़ रहे हैं, जहां असहमति को दबाया जाता है या एक ऐसे लोकतंत्र की ओर, जहां हर आवाज को सम्मान मिलता है? यह निर्णय केवल नीतियों से नहीं बल्कि व्यवहार से तय होगा। सोनम वांगचुक के साथ हुई घटना और उसके बाद का घटनाक्रम एक चेतावनी है कि यदि इसे समय रहते नहीं समझा गया तो यह केवल एक आंदोलन तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि एक व्यापक जन असंतोष में बदल सकता है। लोकतंत्र की असली ताकत सत्ता में नहीं बल्कि जनता के विश्वास में होती है। यदि यह विश्वास कमजोर पड़ता है तो सबसे बड़ी हार सत्ता की ही होती है। अब भी समय है कि सरकार संवाद, संवेदनशीलता और समाधान का रास्ता चुने क्योंकि लोकतंत्र में जीत उसी की होती है, जो अपने नागरिकों को साथ लेकर चलता है, न कि उन्हें चुप कराकर।

**-योगेश कुमार गोयल**

# भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन से नई हरित क्रांति की शुरुआत

**-कांतिलाल मांडोत**

भारत ने रेल परिवहन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए अपनी पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन शुरू कर दिया है। हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही भारत हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेन शुरू करने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया है। इससे पहले जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और चीन इस तकनीक का उपयोग कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने इसे दुनिया की सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन बताते हुए कहा कि इसे भारत के इंजीनियरों ने डिजाइन किया है और भारतीय कंपनी ने ही विकसित किया है। यह उपलब्धि केवल रेलवे की सफलता नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत, हरित ऊर्जा और आधुनिक तकनीक की दिशा में देश की बड़ी छलांग है। जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह ट्रेन 89 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 14 स्टेशनों के बीच संचालित होगी। दस कोच वाली इस ट्रेन में आठ यात्री कोच और दो पावर कार हैं। इसमें 682 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है जबकि कुल लगभग 2600 यात्री यात्रा कर सकते हैं। ट्रेन की अधिकतम परिचालन गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा है जबकि इसका डिजाइन 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के अनुसार तैयार किया गया है। यह पूरी दूरी लगभग दो घंटे में तय करेगी और यात्रियों के लिए किराया मात्र 5 से 25 रुपये रखा गया है ताकि आम लोग भी इस आधुनिक तकनीक का लाभ उठा सकें। इस ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसका हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित इंजन है। ट्रेन में लगभग 440 किलोग्राम हाइड्रोजन संग्रहित की जा सकती है और एक बार ईंधन भरने के बाद यह करीब 356 किलोमीटर तक चल सकती है। अनुमान है कि प्रतिदिन दो फेरे लगाने में लगभग 300 किलोग्राम हाइड्रोजन की खपत होगी। रेलवे के अनुसार ट्रेन का संचालन पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल है क्योंकि इंजन से धुएं की जगह केवल जलवाष्प यानी भाप और थोड़ा पानी निकलता है। इस कारण इसे शून्य उत्सर्जन वाली तकनीक माना जा रहा है। हाइड्रोजन ट्रेन की शुरुआत के साथ हरियाणा देश में ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। जींद रेलवे स्टेशन के पास देश का पहला हाइड्रोजन उत्पादन, स्टोरेज और रीफ्यूलिंग प्लांट तैयार किया गया है। यहां इलेक्ट्रोलिसिस तकनीक के माध्यम से पानी से प्रतिदिन लगभग 430 किलोग्राम ग्रीन हाइड्रोजन बनाई जाएगी। स्टेशन परिसर में लगभग 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन सुरक्षित रखने की क्षमता विकसित की गई है। इस परियोजना पर लगभग 112 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। ट्रेन का डिजाइन और एकीकरण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया गया जबकि हाइड्रोजन प्रोपल्शन सिस्टम विकसित करने में मेधा सर्वो ड्राइव्स तथा ग्रीनएच इलेक्ट्रोलिसिस जैसी भारतीय कंपनियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि फिलहाल यह ट्रेन लगभग 90 किलोमीटर के मार्ग पर चलेगी लेकिन भविष्य में इसका विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार लागत कम करने और तकनीक को अधिक सक्षम बनाने के लिए लगातार अनुसंधान करेगी। उनके अनुसार यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में से एक है जिसकी क्षमता लगभग 3200 हॉर्सपावर है और यह परिचालन दूरी के लिहाज से भी दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन सेवाओं में शामिल है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि इस परियोजना से जींद और आसपास के क्षेत्रों में उद्योग, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ऊर्जा सुरक्षा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में युद्ध जैसी स्थिति बनती है तो भारत पर उसका प्रभाव पड़ता है क्योंकि पेट्रोल, डीजल और उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले रेलवे का बड़ा हिस्सा डीजल इंजनों पर निर्भर था, लेकिन पिछले बारह वर्षों में लगभग 99 प्रतिशत रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण कर दिया गया है। इससे डीजल पर निर्भरता काफी कम हुई है और अब हाइड्रोजन जैसी नई तकनीक ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने हरियाणा को 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी। इनमें कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, भिवानी का पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय मेडिकल कॉलेज, नारनौल का महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज एवं राव तुलाराम अस्पताल, दिल्ली अमृतसर कटरा राष्ट्रीय राजमार्ग का हरियाणा खंड, अंबाला काला अंब राष्ट्रीय राजमार्ग, जींद गोहाना राष्ट्रीय राजमार्ग, कुरुक्षेत्र में सिख संग्रहालय का शिलान्यास तथा हांसी बरवाला राष्ट्रीय राजमार्ग जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने जींद में चलाए गए स्वच्छता अभियान की भी सराहना की और लोगों से इसे जन आंदोलन बनाए रखने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर को हरियाणा के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन राज्य के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परियोजना नहीं बल्कि विकसित भारत के संकल्प का प्रतीक है। हाइड्रोजन ट्रेन के लोको पायलट राजेश कुमार ने बताया कि यह ट्रेन पारंपरिक ट्रेनों की तुलना में अधिक शक्तिशाली, कम शोर वाली और पूरी तरह प्रदूषण मुक्त है। इसमें लगे फ्यूल सेल में एक ओर से हाइड्रोजन और दूसरी ओर से ऑक्सीजन पहुंचती है। रासायनिक प्रक्रिया के दौरान बिजली उत्पन्न होती है जिससे ट्रेन चलती है जबकि उपउत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प और पानी निकलता है। इस कारण यह तकनीक पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हाइड्रोजन आखिर बनती कैसे है, यह भी समझना आवश्यक है। पानी हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से मिलकर बना होता है। जब बिजली की सहायता से इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया के माध्यम से पानी को अलग किया जाता है तब हाइड्रोजन प्राप्त होती है। यदि इस प्रक्रिया में सौर और पवन ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग किया जाए तो इसे ग्रीन हाइड्रोजन कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार हाइड्रोजन स्वयं ऊर्जा का स्रोत नहीं बल्कि ऊर्जा को संग्रहित करने और आवश्यकता के समय उपयोग करने का प्रभावी माध्यम है। अतिरिक्त सौर या पवन ऊर्जा को हाइड्रोजन के रूप में संग्रहित कर बाद में फ्यूल सेल के जरिए बिजली में बदला जा सकता है। हाइड्रोजन तकनीक के अनेक फायदे हैं। सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन लगभग समाप्त हो जाता है और केवल भाप निकलती है, जिससे वायु प्रदूषण कम होता है। यह जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाती है और आयातित पेट्रोलियम पर खर्च कम करने में मदद करती है। जिन क्षेत्रों में ओवरहेड बिजली लाइन बिछाना कठिन है वहां हाइड्रोजन ट्रेन बेहतर विकल्प बन सकती है। इसका संचालन अपेक्षाकृत शांत होता है जिससे ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है। भविष्य में ग्रीन हाइड्रोजन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होने से इसकी लागत घटेगी और रेलवे के साथ अन्य परिवहन क्षेत्रों में भी इसका उपयोग बढ़ेगा। दुनिया में हाइड्रोजन ट्रेनों की शुरुआत सबसे पहले जर्मनी में हुई थी जहां 2018 में पहली यात्री ट्रेन चली और 2022 से नियमित वाणिज्यिक सेवा शुरू हुई। फ्रांस में कई क्षेत्रीय परियोजनाएं चल रही हैं। चीन ने 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति वाली हाइड्रोजन ट्रेन विकसित की है जबकि स्वीडन अभी परीक्षण चरण में है। भारतीय रेलवे का दावा है कि ब्रॉड गेज पर चलने वाली क्षमता के मामले में भारत की हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली ट्रेनों में शामिल है।

# राष्ट्रीय ध्वज-राष्ट्र की अखंडता का अमर प्रतीक

राष्ट्रीय ध्वज किसी भी राष्ट्र का सबसे गौरवपूर्ण प्रतीक होता है। वह केवल रंगों से सजा हुआ एक वस्त्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सामूहिक चेतना, उनके संघर्ष, उनके बलिदान, उनकी संस्कृति और उनके भविष्य के सपनों का सजीव स्वरूप होता है। जब कोई राष्ट्र अपने ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराता है, तब वह केवल एक झंडा नहीं लहराता, बल्कि अपने इतिहास, अपने स्वाभिमान और अपनी राष्ट्रीय अस्मिता को विश्व के समक्ष प्रतिष्ठित करता है। भारत में हर साल 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य कारण यह है कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) को आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। यह दिवस हमें अपने राष्ट्रीय गौरव, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और ध्वज रूपी प्रतीक-जैसे साहस, शांति और समृद्धि की याद दिलाता है। भारत का तिरंगा भी इसी गौरव, त्याग, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इसकी प्रत्येक लहराती हुई धारा स्वतंत्रता संग्राम के उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों की स्मृति को जीवित करती है, जिन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर इस ध्वज को सम्मान दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारे संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में एकता की महान परंपरा का प्रतिनिधि है। भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला विशाल देश है, लेकिन जब तिरंगा आकाश में लहराता है तो सारी विविधताएं एक राष्ट्रीय पहचान में समाहित हो जाती हैं। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। वह हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी व्यक्तिगत पहचान से ऊपर हमारी राष्ट्रीय पहचान है और राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्रीय ध्वज का महत्व केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक के जीवन में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यबोध का संस्कार जगाने वाला प्रेरणा-स्रोत है। विद्यालयों में ध्वजारोहण, सेना के शिविरों में तिरंगे को सलामी, खिलाड़ियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगे के साथ विजय-उत्सव तथा वैज्ञानिकों द्वारा अंतरिक्ष अभियानों में राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन-ये सभी दृश्य हमें यह अनुभव कराते हैं कि ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की जीवंत अभिव्यक्ति है। भारतीय तिरंगे का प्रत्येक रंग अपने भीतर एक गहन संदेश समेटे हुए है। केसरिया रंग हमें त्याग, साहस और निस्वार्थ नेतृत्व की प्रेरणा देता है। यह बताता है कि राष्ट्र के निर्माण में व्यक्तिगत स्वार्थों का नहीं, बल्कि समर्पण और बलिदान का महत्व है। सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का प्रतीक है। यह हमें जीवन और शासन दोनों में नैतिकता तथा सद्भाव बनाए रखने का संदेश देता है। हरा रंग समृद्धि, प्रकृति, कृषि और विकास का प्रतीक है, जो भारत की जीवनदायिनी धरती और उसके उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता, न्याय, धर्म और सतत प्रगति का संदेश देता है। यह हमें याद दिलाता है कि ठहराव मृत्यु है और निरंतर आगे बढ़ना ही जीवन का नियम है। राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वह केवल वर्तमान पीढ़ी का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय चेतना का आधार है। यदि किसी समाज में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान कम होने लगे, तो धीरे-धीरे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक विश्वास और सामूहिक उत्तरदायित्व भी कमजोर होने लगते हैं। राष्ट्र पहले भावनाओं से जुड़ता है, बाद में व्यवस्थाओं से। राष्ट्रीय ध्वज उन्हीं भावनाओं का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। दुर्भाग्य की बात है कि समय-समय पर कुछ सामाजिक और राजनीतिक तत्व अपने तात्कालिक स्वार्थों, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या वैचारिक कटुता के कारण राष्ट्रीय प्रतीकों को विवाद का विषय बना देते हैं। कभी राष्ट्रीय ध्वज को राजनीतिक मंचों पर अनावश्यक विवादों में घसीटा जाता है, कभी उसकी गरिमा को कम करने वाले वक्तव्य दिए जाते हैं और कभी उसे केवल दलगत दृष्टि से देखने का प्रयास किया जाता है। यह प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि राष्ट्रीय प्रतीक किसी दल, सरकार या विचारधारा के नहीं होते, वे पूरे राष्ट्र की साझा धरोहर होते हैं। सरकारें बदलती रहती हैं, राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज सदैव राष्ट्र की स्थायी पहचान बना रहता है। जब राष्ट्रीय प्रतीकों का उपयोग राजनीतिक लाभ या विरोध का माध्यम बन जाता है, तब सबसे अधिक क्षति राष्ट्र की सामूहिक चेतना को होती है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना नागरिक का अधिकार है, नीतियों पर प्रश्न उठाना स्वस्थ परंपरा है, किंतु राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान, संविधान और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों को विवाद का विषय बनाना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत है। राजनीतिक मतभेद राष्ट्रभक्ति के स्थान पर नहीं आ सकते। राष्ट्र से ऊपर कोई दल, कोई नेता और कोई विचारधारा नहीं हो सकती। कुछ लोग यह भूल जाते हैं कि राष्ट्रीय ध्वज पर आक्षेप वास्तव में उन लाखों बलिदानों का अनादर है, जिनके कारण यह ध्वज आज स्वतंत्र आकाश में लहरा रहा है। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, रानी लक्ष्मीबाई और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष किसी दल के लिए नहीं, बल्कि इसी तिरंगे के सम्मान के लिए था। इसलिए राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना केवल संवैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि ऐतिहासिक उत्तरदायित्व भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान केवल औपचारिक अवसरों तक सीमित न रहे। यह हमारे व्यवहार, विचार और सार्वजनिक जीवन का स्थायी संस्कार बने। विद्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास और उसके मूल्यों का समुचित अध्ययन कराया जाए। युवाओं को यह बताया जाए कि तिरंगा केवल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रत्येक दिन राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का स्मरण कराने वाला प्रेरक ध्वज है। सामाजिक संगठनों, सांस्कृतिक संस्थाओं और मीडिया को भी इस दिशा में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। आज डिजिटल युग में भी राष्ट्रीय ध्वज का महत्व और बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर उसकी गरिमा बनाए रखना, उसके उपयोग में संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करना और राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक प्रचार का साधन न बनने देना हम सभी का दायित्व है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा उसी जिम्मेदारी का सर्वोच्च स्वरूप है। राष्ट्रीय ध्वज हमें यह भी सिखाता है कि सच्चा राष्ट्रप्रेम केवल नारों में नहीं, बल्कि आचरण में दिखाई देता है। ईमानदारी से अपना कार्य करना, कानून का पालन करना, सामाजिक सौहार्द बनाए रखना, पर्यावरण की रक्षा करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहना और राष्ट्रहित को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखना-ये सभी तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हैं। केवल ध्वज फहराना पर्याप्त नहीं, उसके आदर्शों को जीवन में उतारना अधिक आवश्यक है। भारत आज विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, खेल, अर्थव्यवस्था और कूटनीति के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां तिरंगे की प्रतिष्ठा को और ऊंचा कर रही हैं। जब भारतीय वैज्ञानिक चंद्रमा पर सफलता का इतिहास रचते हैं, जब कोई खिलाड़ी ओलंपिक में तिरंगा लहराता है, जब सेना का जवान सीमा पर तिरंगे की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देता है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि राष्ट्रीय ध्वज केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशाओं, आकांक्षाओं और आत्मगौरव का अमर प्रतीक है। अंततः राष्ट्रीय ध्वज हमारी राष्ट्रीय आत्मा का दृश्य रूप है। वह हमें जोड़ता है, प्रेरित करता है और यह विश्वास दिलाता है कि मतभेदों के बावजूद हम एक हैं। उसकी गरिमा की रक्षा करना केवल सरकार का नहीं, प्रत्येक नागरिक का नैतिक और राष्ट्रीय दायित्व है। जिस दिन प्रत्येक भारतीय यह समझ लेगा कि तिरंगे का सम्मान वास्तव में अपने राष्ट्र, अपने इतिहास और अपने भविष्य का सम्मान है, उस दिन राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक चेतना की जड़ें और अधिक सुदृढ़ होंगी। तिरंगा हमारी आन है, हमारी बान है, हमारी शान है और हमारे अमर राष्ट्रीय स्वाभिमान का सर्वोच्च प्रतीक है। इसकी प्रतिष्ठा में ही भारत की प्रतिष्ठा निहित है।

**-ललित गर्ग**

# इंदौर बाजार भाव

**इंदौर। एजेंसी।** ऊपरी स्तरों पर लेवाली दबने से मंगलवार को अनाज मंडी में उड़द बाजार नरमी के रहे। चने में बाजार मजबूती पर देखे गये। खाद्य तेलों में भाव सुर्ख रहे। तिलहनों में सोयाबीन घटाकर बोला गया। किराना जिंसों में शक्कर व खोपरा गोला मजबूत बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार बढ़िया मालों में 10100-10200 रू. क्विंटल पर आ गया। चने में 6450-6500 रू. प्रति क्विंटल पर बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन टूटकर 7200 रू. क्विंटल पर आ गये। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में सुर्खी बनी रही। भाव इस प्रकार रहे-

**किराना**- शक्कर 4720-4850, खोपरा गोला 390-450, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500, (160) 2900, (200) 3100, (250) 3600,

**तेल**- सींगदाना 1720-1740, मुम्बई 1710, राजकोट तेलिया 2630-2640, सोया साल्वेंट 1410-1415, सोया रिफाइंड 1470-1480, कपास्या 1525-1530, धूलिया 1530, कड़ी 1535,

**रात की धारणा**- गुजरात लुज 1650, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1610,

**खली**- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2660, देवास-उज्जैन 2660, खंडवा-बुरहानपुर 2635, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8100-8300, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 7200, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

**दलहन**- चना कांटेवाला बेस्ट 6450-6500, एवरेज 6100-6200, विशाल 6250-6300, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7600-7900, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9500-9700, उड़द गर्मी 8800-9500, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 5000-7000,

**दाल**- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

**अनाज**- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

**चावल**- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

**मावा**- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

## इंदौर सर्राफा बाज़ार

**इन्दौर। एजेंसी।** मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। चाँदी में मामूली सुधार आया। सोने में टिकाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 223500, चाँदी (99) 223400, टंच 222800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 141400,

## रुपया बढ़त पर बंद

**मुंबई। एजेंसी।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.27 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से भी एशिया की अधिकतर मुद्राओं की तरह रुपया भी दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे भी रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.41 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**मुम्बई। एजेंसी।** भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे अधिक गिरावट एचडीएफसी बैंक और रिलायंस के शेयरों में रही। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पश्चिम एशिया में जारी खराब हालातों को देखते हुए निवेशकों ने भी बाजार से दूरी बनायी हुई है। इसी कारण लगातार दूसरे दिन भी बाजार नीचे आया है। गत दिवस सोमवार को भी बाजार नीचे आया था। आज दिन भर के कारोबार के बाद कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 238.41 अंक नीचे आकर 77,470.11 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 50.80 अंक फिसलकर 24,187.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा

गिरावट रही जबकि एसबीआई, रिलायंस, टीसीएस, इन्फोसिस, पावरग्रिड और ट्रेंट के शेयर भी टूटे। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनवर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.95 फीसदी उछाला आया। इसके अलावा इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, कोटक बैंक और मारुति के शेयर भी उछले। निफ्टी में एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और एसबीआई के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। । ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में तेजी रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहीं, निफ्टी केमिकल और निफ्टी सीमेंट में सबसे ज्यादा तेजी रही। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत हुई । सुबह निफ्टी 50 3.35 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,241.85 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, बीएसई सेंसेक्स भी 8.79 अंक चढ़कर 77,717.31 पर पहुंच गया। बाजार में विदेशी पूंजी निकासी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से भी दबाव बढ़ा।

# कच्चे तेल में नरमी, वैश्विक तनाव कम होने की उम्मीद ने घटाया जोखिम

**नई दिल्ली। एजेंसी।** अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों ने बाजार से अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम घटा दिया है, जिसके चलते ब्रेंट क्रूड 0.5 फीसदी गिरकर 88.7 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई भी हल्की कमजोरी के साथ 82.4 डॉलर के करीब ट्रेड कर रहा था। तेल की कीमतों में इस नरमी की सबसे बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत की

कोशिशों का तेज होना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के बीच करीब 10 दिन के युद्धविराम की संभावना जताई जा रही है। अगर ऐसा होता है, तो पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति बाधित होने का खतरा कम हो जाएगा, जिससे बाजार में पहले से जुड़ा अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम घटने लगा है। इसके अतिरिक्त पिछले दो कारोबारी सत्रों में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में लगभग 6 फीसदी की तेज बढ़त आई थी। इस तेजी के बाद कई निवेशकों और ट्रेडर्स द्वारा की गई मुनाफावसूली ने भी कच्चे तेल की कीमतों को नीचे लाने में योगदान दिया। फिलहाल, तेल बाजार की नजर पूरी तरह पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव में और कमी आती है, तो कच्चे तेल की कीमतें और नरम पड़ सकती हैं। हालांकि, अगर हालात फिर बिगड़ते हैं या होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल सप्लाई प्रभावित होती है, तो कीमतों में दोबारा तेज उछाल देखने को मिल सकता है।

# 100-200 ही नहीं, 50 रुपये के नकली नोट से भी रहें सतर्क

**नई दिल्ली। एजेंसी।** अक्सर हम बड़ी खरीदारी में ही नोटों की जांच करते हैं, लेकिन अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 50 रुपये जैसे छोटे नोटों पर भी सतर्क रहने की अपील की है। बाजार में 50 रुपये के नकली नोटों के चलन बढ़ने की खबरों के बीच आरबीआई ने आम जनता के लिए असली नोटों की पहचान करने के कुछ महत्वपूर्ण फीचर्स साझा किए हैं ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके। आपकी थोड़ी सी भी लापरवाही आपको आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है। आरबीआई के अनुसार, लोग अक्सर 50, 20 या 10 रुपये के नोटों को बिना जांचे जेब में रख लेते हैं, जिसका फायदा ठग उठाते हैं। असली 50 रुपये के नोट की पहचान के लिए इन प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान दें-

- सी-थ्रू फीचर- नोट के नीचे बाईं ओर 50 का एक पारदर्शी अंक होता है, जो रोशनी में रखने पर साफ दिखाई देता है।
- देवनागरी में 50- नोट पर 50 का अंक हिंदी (देवनागरी लिपि) में भी अंकित होता है।
- महात्मा गांधी का चित्र- नोट के बीचों-बीच महात्मा गांधी की स्पष्ट तस्वीर छपी होती है।
- गवर्नर के हस्ताक्षर- नोट के दाईं ओर आरबीआई का लोगो, गवर्नर के हस्ताक्षर और भुगतान का वादा (गारंटी क्लॉज) मौजूद होता है।
- बढ़ते क्रम में सीरियल नंबर- ऊपर बाईं और नीचे दाईं ओर लिखे सीरियल नंबर के अंक छोटे से बड़े आकार में बढ़ते क्रम में होते हैं।
- अशोक स्तंभ- नोट के नीचे दाईं ओर राष्ट्रीय चिन्ह अशोक स्तंभ का प्रतीक बना होता है।

रिजर्व बैंक समय-समय पर लोगों से अपील करता है कि वे नकली नोटों के जाल में फंसने से बचने के लिए सुरक्षा फीचर्स की पूरी जानकारी रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि इन फीचर्स को इतनी बारीकी से डिजाइन किया गया है कि इनकी हूबहू नकल करना नामुमकिन है।

**मेष**- आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदों और नए अवसरों की शुरुआत लेकर आया है। लंबे समय से जिस बदलाव का इंतजार था, उसकी आहट अब साफ सुनाई देने लगेगी। यदि आप अविवाहित हैं, तो प्रेम संबंध परिवार की मंजूरी तक पहुंच सकते हैं। व्यापार में सही मार्गदर्शन मिलने से आय बढ़ने के संकेत हैं। रुके हुए कार्यों को पूरा करने के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

**वृषभ**- आज का दिन राहत और संतुलन लेकर आएगा। सरकारी कार्यों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार के बड़े सदस्यों का सहयोग और आशीर्वाद आपको सही दिशा देगा। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है और परिवार के साथ भविष्य की योजनाओं पर गंभीर चर्चा हो सकती है। पुराने मतभेद समाप्त होने से रिश्तों में फिर से मिठास लौटेगी।

**मिथुन**- आज आपके भीतर नई ऊर्जा और उत्साह बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और पारिवारिक रिश्ते भी पहले से अधिक मजबूत होंगे। स्वास्थ्य से जुड़ी छोटी-सी परेशानी मानसिक तनाव दे सकती है, इसलिए अपनी देखभाल पर ध्यान दें। बच्चों के साथ बिताया गया समय आपको खुशी और सुकून देगा। अपने शौक पूरे करने के लिए कुछ खरीदारी भी कर सकते हैं।

**कर्क**- आज का दिन नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है। यदि प्रॉपर्टी खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो समय अनुकूल दिखाई दे रहा है। मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, जिससे आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। मित्रों से बातचीत करते समय शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई महत्वपूर्ण डील पूरी हो सकती है।

**सिंह**- आज आपका व्यक्तित्व और आपकी सोच लोगों को प्रभावित करेगी। कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों को महत्व मिलेगा और परिवार के मामलों को भी आप समझदारी से सुलझा पाएंगे। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा। संतान के करियर को लेकर चिंता बढ़ सकती है और आप इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। वाणी पर संयम रखें। माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके हुए कार्यों को पूरा कराने में सहायक होगा।

**कन्या**- आज का दिन सफलता और समृद्धि के संकेत दे रहा है। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आपके प्रयास सही दिशा में आगे बढ़ेंगे। पैतृक संपत्ति से जुड़ी कोई सुखद खबर मिल सकती है। अविवाहित लोगों के जीवन में किसी खास व्यक्ति का प्रवेश होने के संकेत हैं।

**तुला**- आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा, हालांकि एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से व्यस्तता बढ़ सकती है। धन के लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और हर जरूरी बात लिखित रूप में रखें। पुराने मित्रों की यादें मन को भावुक कर सकती हैं। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक राहत मिलेगी। आपके भीतर कुछ नया करने की प्रेरणा जागेगी और यही सोच आपको आगे बढ़ने का अवसर देगी।

**वृश्चिक**- आज स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने से मन प्रसन्न होगा। परिवार के साथ बिताया गया समय मानसिक शांति देगा। जीवनसाथी का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। किसी पुरानी गलती से सीख लेकर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और व्यापार की स्थिति पहले से अधिक मजबूत होती दिखाई देगी।

**धनु**- आज का दिन आपको अपने कामकाज में सकारात्मक बदलाव करने के लिए प्रेरित करेगा। यदि आपका धन कहीं अटका हुआ था, तो उसके वापस मिलने की संभावना है। जीवनसाथी के साथ छोटी-मोटी नाराजगी बातचीत से दूर हो जाएगी। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। कुछ नया करने की इच्छा आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

**मकर**- आज का दिन राहत और सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। माता-पिता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना जरूरी रहेगा। संतान की सलाह पर किसी बड़े निवेश का निर्णय लेने से पहले अच्छी तरह विचार करें। व्यापार में सतर्कता बनाए रखें, क्योंकि कोई व्यक्ति आपको भ्रमित करने की कोशिश कर सकता है।

**कुंभ**- आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर रहेगा, लेकिन आपकी मेहनत धीरे-धीरे परिस्थितियों को आपके पक्ष में कर देगी। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से बचें और हर काम सोच-समझकर करें। पिताजी के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है। वरिष्ठ अधिकारी आपको कोई अहम जिम्मेदारी सौंप सकते हैं, जिसे पूरी निष्ठा से निभाना होगा।

**मीन**- आज खर्चों पर नियंत्रण रखना सबसे जरूरी रहेगा। आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखने से आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। वैवाहिक जीवन में प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा तथा जीवनसाथी का सहयोग आपको मानसिक शांति देगा। किसी अजनबी पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचें। नया काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है और साझेदारी में किए गए कार्य लाभदायक साबित हो सकते हैं। मित्र की सहायता करने का अवसर मिलेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी की गतिविधियों पर भी नजर बनाए रखें।

## शब्दजाल - 8327

*शब्दजाल में 'डैनी' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.*

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बं | ल | र | ह | द | ब | र्निं | ग | ट्रे | न | आ |
| ज | दि | ल | म | आ | मो | ह | दो | तें | शा | म |
| अं | इ | श | दि | ल | दा | ल | उ | र | ला | ब |
| मे | क | व | ल | प | ल | क | स्ता | रि | श | न |
| स | रे | श | ज | वा | ब | स | द | ग | वी | व |
| ही | रं | अ | च | व | लि | र्त | ल | ती | प | च |
| व | रो | ल | प | गा | आं | धी | तू | फा | न | ले |
| श | बा | ज | स | ने | क | छ | र | ग | श | थ |
| छ | त्ती | स | घं | टे | न | ज | स | शा | जू | ध |
| द | र | ल | म | ह | र | औ | के | स | प | र्मा |
| थो | बु | लं | दी | र | हो | ग | या | दु | र | त्मा |

मेरे अपने, छत्तीस घंटे, धर्मात्मा, द बर्निंग ट्रेन, बंदिश, दो उस्ताद, हीरो, आंधी तूफान, जवाब, बुलंदी

### शब्दजाल - 8326 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | व | मे | रि | दु | ला | से | ह | रा | ट | जीं |
| क | ग | क | दू | इं | जी | ने | शि | या | प | नी |
| सू | पी | अ | न | प | ढ़ | बा | द | ह | त्थ | ल |
| र | ग | ए | रा | जा | बा | बू | ल | ह | र | प्रे |
| ज | र | रा | म | न | ह | ला | कि | यो | के | मे |
| रो | इ | वि | मो | ग | प | म | शी | ह | स | रे |
| न | टी | ल | रा | व | मा | जो | रा | व | न | स |
| क | रि | र | र | य | र | प | म | ज | म | न |
| रा | म | औ | र | श्या | म | ज | जी | शा | जू | म |
| र | ग | ल | नो | ला | व | प | स | री | टि | प |
| बां | स | सा | ज | ल | ड़ | का | ल | ड़ | की | ल |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली- 7271

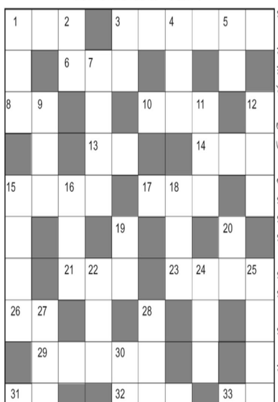

**ऊपर से नीचे:-**

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

**बायें से दायें:-**

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 7270

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| घा | त | ■ | स | फ | र | ■ | आ | क्रो | श |
| य | ■ | ■ | फ़ा | ■ | ह | मे | शा | ■ | |
| ल | व | स्ये | री | ■ | मा | ला | ■ | अं | ■ |
| ■ | ही | ■ | ■ | आ | न | ■ | आ | जा | द |
| अं | दा | ज | ■ | ई | ■ | सं | ग | म | ■ |
| गा | ■ | या | रा | ना | ■ | सा | ■ | ■ | खु |
| रे | खा | ■ | ज | ■ | स | र | फ | रो | श |
| ■ | मो | ■ | ■ | सु | र | ■ | रा | ■ | बू |
| आ | शी | र्वा | द | ■ | ग | द | र | ■ | ■ |
| मीं | ■ | ■ | स | न | म | ■ | ■ | यु | वा |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**22 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

**बुधवार** 2026 वर्ष का 203 वा दिन
**दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2083
**शक संवत्** 1948
**मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** नवमी अहोरात्र।
**नक्षत्र** स्वाती 23.04 बजे को समाप्त।
**योग** साध्य 18.42 बजे को समाप्त।
**करण** बालव 18.07 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 7.6 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 19'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872778
**जूलियन दिन** 2461243.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1448
**महीना** सफर
**तारीख** 07
**विशेष** भड़ली नवमी।

| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ | समय |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कर्क में | कर्क | 05.03 बजे से |
| चंद्र | तुला में | सिंह | 07.23 बजे से |
| मंगल | वृष में | कन्या | 09.35 बजे से |
| बुध | मिथुन में | तुला | 11.46 बजे से |
| गुरु | कर्क में | वृश्चिक | 14.01 ब.से |
| शुक्र | सिंह में | धनु | 16.17 बजे से |
| शनि | मीन में | मकर | 18.22 बजे से |
| राहु | कुंभ में | कुंभ | 20.08 बजे से |
| केतु | सिंह में | मीन | 21.41 बजे से |
| | | मेष | 23.12 बजे से |
| | | वृष | 00.52 बजे से |
| | | मिथुन | 02.50 बजे से |

**राहुकाल** 12.00 से 1.30 बजे तक

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| लाभ | 05.54 से | 07.22 बजे तक | उद्वेग | 05.41 से | 07.12 बजे तक |
| अमृत | 07.22 से | 08.51 बजे तक | शुभ | 07.12 से | 08.44 बजे तक |
| काल | 08.15 से | 10.19 बजे तक | अमृत | 08.44 से | 10.16 बजे तक |
| शुभ | 10.19 से | 11.47 बजे तक | चर | 10.16 से | 11.47 बजे तक |
| रोग | 11.47 से | 01.16 बजे तक | रोग | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| उद्वेग | 01.16 से | 02.44 बजे तक | काल | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| चर | 02.44 से | 04.12 बजे तक | लाभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| लाभ | 04.12 से | 05.41 बजे तक | उद्वेग | 04.23 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगत: विवेक की शक्ति

एक दिन महान दार्शनिक सुकरात अपने शिष्यों के साथ बैठे थे। किसी गंभीर विषय पर चर्चा चल रही थी। तभी एक ज्योतिषी वहां आ पहुंचा। वह चेहरा देखकर चरित्र बताने के लिए मशहूर था। वह गौर से सुकरात को देखते हुए उनके शिष्यों से बोला, 'तुम लोगों ने इस व्यक्ति को अपना गुरु बनाया है, इसका सम्मान करते हो, लेकिन इसका चरित्र गंदा है। इसके नथुनों की बनावट बता रही है कि यह क्रोधी है।' यह सुनते ही सुकरात के शिष्य ज्योतिषी को मारने दौड़े पर सुकरात ने उन्हें फौरन रोक दिया और कहा, 'ये विद्वान हैं, इन्हें बोलने दो।' इस पर ज्योतिषी तेज आवाज में बोला, 'मैं सत्य को छिपाकर सत्य का अपमान नहीं करना चाहता। इस व्यक्ति के सिर की बनावट से पता चलता है कि यह अत्यधिक लालची है और ठोड़ी बताती है कि यह सनकी है। इसके होंठों से मालूम होता है कि यह देशद्रोही निकलेगा।' सुकरात मुस्कराते रहे। उन्होंने उस व्यक्ति को उपहार देकर आदर के साथ विदा किया। एक शिष्य से रहा नहीं गया। उसने पूछ ही लिया, 'गुरुदेव, वह आदमी लगातार बकवास करता रहा, फिर भी आपने उसे इतना सम्मान दिया। मेरी तो कुछ समझ में नहीं आ रहा।' सुकरात गंभीर होकर बोले, 'उस व्यक्ति ने बकवास नहीं की बल्कि उसने सत्य कहा और सत्य की तरफ से मुंह मोड़ना बुरी बात है।' यह सुनकर सारे शिष्य हैरत भरी नजरों से सुकरात को देखने लगे। एक शिष्य ने पूछा, 'यानी आप वैसे ही हैं, जैसा उसने बताया है?' सुकरात बिना संकोच के बोले, 'हां, उसने जो कहा है, वह सत्य है। मुझ में भी कई अवगुण हैं लेकिन...।' सारे शिष्य एक साथ बोले, 'लेकिन क्या गुरुदेव?' शिष्यों को समझाते हुए सुकरात ने कहा, 'क्रोधावेग में उससे एक चूक हो गई।' शिष्यों ने पूछा 'कैसी चूक?' सुकरात बोले, 'उसने मेरे विवेक पर ध्यान नहीं दिया जिसकी शक्ति से मैं अपने सभी दुर्गुणों को कैद करके रखता हूं।'

## सूडोकु नवताल- 7580

★★★★☆ कठिन

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | | | 6 | | | | |
| | | | | | 5 | | | |
| | | 9 | | | | 7 | | 3 |
| | 1 | | | 8 | | | | 2 |
| | | | 7 | | 4 | | | |
| 6 | | | | 3 | | | 8 | |
| 5 | | 7 | | | | 4 | | |
| | | | 8 | | | | | |
| | | | | 1 | | 6 | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7579 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 4 | 5 | 3 | 1 | 8 | 7 | 6 | 2 |
| 1 | 8 | 6 | 7 | 2 | 5 | 4 | 9 | 3 |
| 2 | 7 | 3 | 9 | 4 | 6 | 8 | 1 | 5 |
| 6 | 3 | 9 | 1 | 7 | 4 | 2 | 5 | 8 |
| 5 | 2 | 4 | 8 | 9 | 3 | 6 | 7 | 1 |
| 7 | 1 | 8 | 6 | 5 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 4 | 6 | 7 | 5 | 8 | 1 | 3 | 2 | 9 |
| 8 | 9 | 1 | 2 | 3 | 7 | 5 | 4 | 6 |
| 3 | 5 | 2 | 4 | 6 | 9 | 1 | 8 | 7 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 8795

**बाएँ से दाएँ**

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

**ऊपर से नीचे**

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

### शब्द पहेली -8794 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ | न | का | र | ■ | ग | ज | रा | ■ |
| ला | त | ■ | बै | ■ | ज | ■ | ह | क |
| हा | ■ | या | या | ब | र | ■ | ■ | ल |
| र | स | द | ■ | ध | ■ | प | ला | श |
| ■ | ■ | गा | ल | ■ | जी | त | ■ | ■ |
| क | हा | र | ■ | आ | ■ | झ | र | ना |
| हा | ■ | ■ | ग | ठ | जो | ड़ | ■ | म |
| नी | र | ■ | म | ■ | क | ■ | ना | व |
| ■ | ब | द | न | ■ | र | ह | ब | र |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# साकेत पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से दिया नशा मुक्ति का संदेश

## पुलिस ने बताए नशे के दुष्परिणाम

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** नशा आज समाज के साथ-साथ हमारी युवा पीढ़ी और स्कूली बच्चों के भविष्य को भी अंधकार में धकेल रहा है। इसी गंभीर विषय को ध्यान में रखते हुए पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत नगर के साकेत पब्लिक स्कूल में 21 जुलाई को विशेष नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय द्वारा संचालक संतोष मोरघड़े की उपस्थिति में छात्र छात्राओं के माध्यम से रंगोली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन लांजी थाना प्रभारी (टीआई) मुकेश दुबोलिया के मार्गदर्शन में हुआ , रंगोली के माध्यम से छात्र छात्राओं के द्वारा स्कूली छात्र छात्राओं एवं समाज को को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में उपस्थित लांजी थाने से एसआई विधि पांडे ने छात्र छात्राओं को समझाया कि जीवन में सफलता पाने के लिए नशे से दूरी बनाना बेहद जरूरी है। पुलिस विभाग की ओर से विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें , साथ ही अपने आसपास और परिवार में भी यदि कोई इस लत का शिकार है, तो उसे इससे मुक्त कराने का प्रयास करें। इस बेहद महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कार्यक्रम के दौरान लांजी थाने से प्रधान आरक्षक सुजीत पाल, महिला आरक्षक प्रीति प्रजापति एवं पुलिस स्टाफ के साथ-साथ विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं और समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। विद्यालय परिवार ने लांजी पुलिस की इस अनूठी पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी बच्चों और स्टाफ ने नशे से हमेशा दूर रहने और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

## शांति देवी बड़गैया का निधन

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** नगर के लोधी मोहल्ला वार्ड क्रमांक 9 (वर्तमान में हाऊबाग जैन मंदिर के सामने) निवासरत श्रीमती शांति देवी रामेश्वर बड़गैया का 21

जुलाई को सुबह 11 बजे 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आप अपने पीछे चार पुत्र राजेन्द्र बड़गैया, महेंद्र बड़गैया, सुरेन्द्र बड़गैया, नरेंद्र बड़गैया एवं एक पुत्री का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गई। इनका अंतिम संस्कार आज 22 जुलाई को दोपहर 12 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया जाएगा। इष्ट मित्रों, परिजनों, नाते रिश्तेदारों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें, तथा शोकाकुल परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

## वन विभाग में पदोन्नति वनरक्षक रमेश कुमार वाकले बने वनपाल एवं वनपाल रविन्द्र कुमार सोनवाने बने उपवनक्षेत्रपाल

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** मध्य प्रदेश वन विभाग में पदोन्नति की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। वन संरक्षक वनवृत्त, बालाघाट द्वारा जारी आदेश के अनुसार, म.प्र. लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के तहत वृत्त स्तरीय विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक गत दिनों आयोजित की गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन बल प्रमुख, म.प्र. भोपाल के पत्र के परिपालन में जारी कार्यालयीन आदेश के तहत 38 वनपालों को उपवनक्षेत्रपाल के 45 पदों पर पदोन्नत किया गया है। शेष 7 पदों पर लिफाफा बंद रखा गया है। इसके साथ ही वनरक्षकों को

मप्र वन विभाग

वनपाल के पद पर पदोन्नति दी गई है। वनरक्षक रमेश कुमार वाकले को वनपाल के पद पर पदोन्नत करते हुए संबंधित कार्यालय में आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है। अन्य पात्र वनरक्षकों को भी इसी क्रम में पदोन्नति प्रदान की जा रही है। इसी तरह वनपाल रविन्द्र कुमार सोनवाने को उपवनक्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नत किया गया है।यह पदोन्नति कर्मचारियों के लंबे समय के सेवा अनुभव और योग्यता को सम्मानित करने वाली है। वन विभाग के अधिकारियों ने इसे विभागीय दक्षता बढ़ाने और कर्मचारियों के मनोबल को ऊंचा रखने वाला कदम बताया है। वन संरक्षक वनवृत्त, बालाघाट ने सभी पदोन्नत कर्मचारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि वे नए दायित्वों का निर्वहन पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ करेंगे, जिससे जंगलों की सुरक्षा और संरक्षण कार्य और अधिक प्रभावी होगा।

# 12 सूत्रीय मांगों को लेकर भारत मुक्ति मोर्चा, व राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** भारत मुक्ति मोर्चा एवं राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा, बालाघाट के संयुक्त

तत्वावधान में मंगलवार को महामहिम राष्ट्पति के नाम 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कुमार कौरव को सौंपा गया। ज्ञापन में देश में संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय, धार्मिक स्वतंत्रता एवं नागरिक समानता की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग करते हुए केंद्र सरकार से विभिन्न विषयों पर त्वरित कार्रवाई की अपील की गई।

### इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

महामहिम राष्ट्पति के नाम सौंप गए इस ज्ञापन में सीएए, यूसीसी तथा वक्फ संशोधन अधिनियम-2025 को वापस लेने, संविधान के अनुच्छेद 25 से 29 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा, मॉब लिंचिंग पर सख्त कानून, बेगुनाह लोगों की रिहाई, सांप्रदायिक दंगों पर प्रभावी नियंत्रण, धार्मिक संस्थानों पर हो रहे हमलों को रोकने, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट-1991 का सख्ती से पालन कराने, अनुच्छेद 341(3) से संबंधित प्रावधान हटाने, जाति आधारित जनगणना कराकर जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी सुनिश्चित करने, धार्मिक महापुरुषों के अपमान करने वालों पर कठोर कार्रवाई, विभिन्न आयोगों की लंबित सिफारिशों को लागू करने तथा धर्म और जाति के नाम पर नफरत फैलाने वाले संगठनों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।संगठन ने कहा कि इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कदम उठाए जाएं ताकि संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता मजबूत हो सके।

# भीम आर्मी ने नीट पेपर लीक मामले में दिल्ली की तर्ज पर आंदोलन की दी चेतावनी

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** केंद्र की नीतियों के खिलाफ भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक को जबरन धरने से उठाने और बच्चों पर लाठी चार्ज किए जाने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है।जिसको लेकर पूरे देश मे रोजाना आंदोलन चल रहे है।तो वही इन्ही घटनाओं पर अपना एतराज जताते हुए अब भीम आर्मी एकता मिशन द्वारा दिल्ली की तर्ज पर सड़कों पर उतरकर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी गई है। जिसमें उन्होंने नीट पेपर लीक मामले सहित अन्य मुद्दों पर आंदोलन किए जाने की रणनीति बनाई, यह रणनीति मंगलवार 21 जुलाई को बूढ़ी स्थित भीम आर्मी एकता मिशन कार्यालय में आयोजित संगठन के 11वे स्थापना दिवस पर बनाई गई। जहां कार्यकर्ता सम्मेलन एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन कर, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।इस दौरान सभी ने एक मत होकर दिल्ली की तर्ज पर युवाओं को साथ लेकर आंदोलन किए जाने पर अपनी सहमति दी है।

### शांतिपूर्ण आंदोलन करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है

भीम आर्मी भारत एकता मिशन के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन एवं विचार संगोष्ठी में देश के विभिन्न मुद्दों को लेकर गहन चर्चा की गई। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सामाजिक न्याय, शिक्षा, युवाओं के भविष्य और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखते हुए केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की।कार्यक्रम में मुख्य रूप से पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जबरन अनशन स्थल से हटाए जाने तथा प्रदर्शन कर रहे बच्चों पर कथित लाठीचार्ज की घटना की कड़ी निंदा की गई। वक्ताओं ने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और ऐसे आंदोलनों को बलपूर्वक दबाने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।

### नीट पेपर लीक प्रकरण को बताया गंभीर

सम्मेलन में नीट पेपर लीक प्रकरण को भी गंभीर विषय बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होता है और युवाओं का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास कमजोर पड़ता है। उन्होंने पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती और परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि छात्रों, युवाओं, दलितों, पिछड़ों एवं आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो संगठन दिल्ली की तर्ज पर व्यापक जन आंदोलन शुरू करेगा। इसके लिए जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।

# राहुल गांधी को हिरासत में लेने के विरोध में बालाघाट में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

## हनुमान चौक पर टायर जलाकर किया प्रदर्शन, केंद्र सरकार के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** बालाघाट।दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के विरोध, पूरे देश के साथ-साथ बालाघाट नगर में भी देखने को मिला।जहां घटना के तुरंत बाद कांग्रेसी आक्रोशित हो गए और उन्होंने नगर के हनुमान चौक में केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेसियों घटना पर अपना आक्रोश दिखाते हुए टायर जलाकर विरोध जताया।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने न सिर्फ शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की बात कही बल्कि उन्होंने शिक्षा मंत्री के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिए जाने की मांग की है।

### टायर जला कर जताया विरोध, बताया लोकतंत्र की हत्या

प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को हिरासत में लिए जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने नगर में जमकर प्रदर्शन किया।शहर के हनुमान चौक मे जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध दर्ज कराया और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को हिरासत में लेने की कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए केंद्र सरकार, पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग कर रही है, जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी।

### सिर्फ शिक्षा मंत्री ही नहीं, प्रधानमंत्री भी दे इस्तीफा

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार पर शिक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों पर विफल रहने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। साथ ही प्रधानमंत्री से भी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने की मांग उठाई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

### मांग पूरी न होने पर तेज होगा प्रदर्शन

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि विपक्ष के नेताओं के साथ इसी तरह का व्यवहार जारी रहा तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी।पार्टी द्वारा जिला से लेकर प्रदेश स्तर तक चरणबद्ध विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे।नगर के हनुमान चौक में मंगलवार रात किए गए इस प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। जहा कुछ समय के लिए हनुमान चौक क्षेत्र में यातायात भी प्रभावित रहा, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए पार्टी का संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

# कटंगी की श्री माता एचपी ग्रामीण वितरक गैस एजेंसी पर कार्रवाई, स्टॉक में मिली भारी अनियमितता

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिला आपूर्ति अधिकारी एस.के. भलावी द्वारा गठित जांच दल ने 20 जुलाई 2026 को विकासखंड कटंगी के ग्राम जाम स्थित श्री माता एचपी ग्रामीण वितरक गैस एजेंसी का निरीक्षण किया। जांच के दौरान गैस सिलेंडरों के स्टॉक एवं अभिलेखों में गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर एजेंसी संचालक के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। जांच दल में सहायक आपूर्ति अधिकारी पी.एस. वलाडी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री आकाश श्रीवास्तव (बैहर), श्रीमती निहारिका अवस्थी (वारासिवनी) एवं तुषार सिंह (कटंगी) शामिल थे। निरीक्षण के दौरान 14.2 किलोग्राम घरेलू गैस सिलेंडरों में 211 खाली सिलेंडर अधिक तथा 243 भरे सिलेंडर कम पाए गए। वहीं 5 किलोग्राम घरेलू गैस

सिलेंडरों में 61 खाली सिलेंडर अधिक मिले। इसके अलावा 19 किलोग्राम व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में 3 खाली सिलेंडर अधिक एवं 5 भरे सिलेंडर कम पाए गए। 5 किलोग्राम व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में 11 खाली सिलेंडर अधिक तथा 114 भरे सिलेंडर कम पाए जाने की पुष्टि हुई। जांच में प्रथम दृष्टया गैस वितरण एवं प्रदाय में अनियमितता, स्टॉक का नियमित रखरखाव एवं संधारण नहीं किए जाने सहित अन्य खामियां भी पाई गईं। इन अनियमितताओं के आधार पर श्री माता एचपी ग्रामीण वितरक, जाम के प्रोपराइटर महेंद्र प्रताप सिंह के विरुद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 के उल्लंघन तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध पाए जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

# सांदीपनि विघालय रजेगांव में धूमधाम से मनाया जा रहा गुरु पूर्णिमा पर्व

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** सांदीपनि विघालय रजेगांव में गुरु पूर्णिमा पर्व का आयोजन 15 जुलाई से प्रारंभ होकर 29 जुलाई तक विविध कार्यक्रमों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रजेगांव सरपंच सहित विद्यालय परिवार, शिक्षक एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।गुरु पूर्णिमा पर्व के प्रथम दिवस उद्घाटन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके पश्चात प्रतिदिन विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग विषयों पर प्रतियोगिताएं एवं रचनात्मक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। दूसरे दिन मेरे जीवन में गुरु विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने गुरु के महत्व और जीवन निर्माण में उनकी भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम की श्रृंखला में निबंध प्रतियोगिता, समूह चर्चा, खेलकूद, भजन, गुरु वंदना तथा अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया जा रहा है। विद्यालय के विद्यार्थी पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ इन गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। साथ ही विद्यार्थियों में सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास के उद्देश्य से स्वास्थ्य जागरूकता सहित विभिन्न जनहितकारी कार्यक्रम भी शामिल किए गए हैं।विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर्व के समापन अवसर पर 29 जुलाई को विशेष समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा तथा विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि यह आयोजन विद्यार्थियों में गुरु के प्रति सम्मान, भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति आस्था विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से गुरुजनों के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग की सराहना की।

### विधानसभा में समान नागरिक संहिता पर चर्चा के दौरान सदन में जमकर हुआ हंगामा

# मप्र में यूसीसी बिल पास

## सीएम यादव बोले- अलग-अलग मजहबी तौल कांटा नहीं चलेगा

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल पास हो गया है। इस दौरान हंगामे के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जो हिंदू की बात करेगा, वही राज करेगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि समानता हमारी संस्कृति का मूल है। भगवान की दृष्टि में सभी एक समान हैं, तो इंसानों द्वारा बनाए गए कानून में अलग-अलग व्यवस्था क्यों होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सभी नागरिकों के लिए समान कानून होना चाहिए।

सीएम यादव ने कहा कि राम से रहीम तक, रविंद्र से रॉबिन तक, अमर से एंथोनी और अकबर तक, देश एक संविधान से चले। उन्होंने दावा किया कि समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद मध्यप्रदेश में भेदभाव से मुक्ति मिलेगी और राज्य गोवा, उत्तराखंड और असम के बाद इस दिशा में कदम बढ़ाने वाले चुनिंदा राज्यों में शामिल होगा। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों के खाने के दांत अलग हैं और दिखाने के अलग। जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी। उनके वक्तव्य के दौरान विपक्ष का हंगामा जारी रहा, लेकिन मुख्यमंत्री ने सरकार का पक्ष विस्तार से सदन के सामने रख रहें हैं। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में अलग-अलग मजहबी तौल कांटा नहीं होगा। सब एक ही बाट से तौले जाएंगे। इस दौरान सीएम ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष बताएं कि हम अपने दो बेटों को अलग-अलग दृष्टिकोण से क्यों देखते हैं? समान नागरिक संहिता विधेयक पर सदन में वक्तव्य देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को

सुझाव देने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण और मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करती रही है तथा देश की जनता की पीठ में खंजर घोंपने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के बाद मध्य प्रदेश में भेदभाव से मुक्ति मिलेगी। उत्तराखंड, गुजरात और असम के बाद अब मध्य प्रदेश में भी समान नागरिक संहिता लागू होने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेसियों के दांत खाने के और, दिखाने के और हैं। अब कांग्रेस का पाखंड और दोहरा चरित्र नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान का रत्तीभर भी सम्मान करती है तो उसे इस विधेयक का समर्थन करना चाहिए। उनका आरोप था कि कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करते हुए हिंदू-मुस्लिम के नजरिए से काम करती रही है। मुख्यमंत्री के संबोधन के दौरान कांग्रेस विधायक चंदा चोरों और गद्दी छोड़ो के नारे लगाते रहे।

#### 93 प्रतिशत नागरिकों ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया

डॉ. यादव ने दावा किया कि प्रदेश के 93 प्रतिशत नागरिकों ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच ऐसी है कि वह सीधी बात भी तिरछी नजर से देखती है। इसी संदर्भ में उन्होंने जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी चौपाई का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश के नागरिकों के सामाजिक और धार्मिक संस्कार पहले की तरह जारी रहेंगे। हालांकि, प्रदेश में होने वाले सभी विवाहों का शासकीय पंजीयन अनिवार्य होगा। पंजीयन नहीं कराने पर जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि एक पत्नी के रहते हुए दूसरा विवाह और एक पति के रहते हुए दूसरा विवाह करने की अनुमति नहीं होगी।

## गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका पर नहीं हो सकी सुनवाई

### - मॉ की अधिक उम्र के चलते उनकी देखभाल के लिये मांगी जमानत

भोपाल। राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स थाना इलाके में बीती 12 मई की रात एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की हुई संदिग्ध मौत के मामले में बीते 49 दिनो से आरोपी सास रिटायर्ड जिला जज गिरिबाला सिंह ओर उनका बेटा और समर्थ सिंह जेल में बंद हे। गिरिबाला सिंह की और से दायर की गई जमानत अर्जी पर मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। ट्विशा पक्ष के अधिवक्ता शुभांग दीक्षित ने बताया कि नियमित मजिस्ट्रेट अवकाश पर थीं, जिसके कारण जमानत आवेदन पर सुनवाई नहीं हुई। फिलहाल अदालत ने इस संबंध में कोई आदेश भी पारित नहीं किया है। शुभांग दीक्षित के अनुसार, गिरिबाला सिंह ने अपनी जमानत अर्जी में स्वास्थ्य संबंधी कारणों के साथ पारिवारिक परिस्थितियों का भी उल्लेख किया है। जमानत याचिका में कहा गया है, कि उनकी मां लगभग 100 वर्ष की हैं, और उन्हें देखभाल की आवश्यकता है। लेकिन नियमित मजिस्ट्रेट के अवकाश पर होने के कारण याचिका पर सुनवाई टल गई। गौरतलब है कि प्रकरण में पुलिस ने 14 मई की रात गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ मामला कायम किया था। इसी दिन गिरिबाला सिंह की ओर से भोपाल कोर्ट में जमानत आवेदन दायर किया था। 15 मई को सुनवाई के बाद अपर सत्र न्यायाधीश पल्लवी द्विवेदी ने उन्हें जमानत दे दी थी। इसके विरोध में ट्विशा के परिजनों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। 27 मई को हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए भोपाल कोर्ट से गिरिबाला सिंह को मिली जमानत रद्द करते हुए मामले की सीबीआई जॉच के आदेश दिये थे। इसके बाद 28 मई को सीबीआई ने गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया। 2 जून को पूछताछ पूरी होने के बाद सीबीआई ने गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह को जेल भेज दिया।

## जेल डीजी-डीजीपी पर लटकी व्यक्तिगत पेशी की तलवार!

### - कैदियों के खाने पर आईकोर्ट ने जेल प्रशासन को लगाई फटकार

भोपाल। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने जेलों में बंद कैदियों के खान-पान और उनसे कराए जाने वाले कामों को लेकर जेल महानिदेशक द्वारा पेश किए गए हलफनामे पर सख्त नाराजगी जताई है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डबल बेंच ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि अगली सुनवाई में सही और स्पष्ट हलफनामा पेश नहीं किया गया, तो प्रदेश के डीजीपी और जेल डीजी को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट के समक्ष हाजिर होना पड़ेगा।

यह पूरा मामला दहेज हत्या के केस में रीवा जेल में बंद कैदी अब्दुल माजिद की जबलपुर हाई कोर्ट में पेशी से जुड़ा है। जब पुलिसकर्मी कैदी को लेकर कोर्ट पहुंचे तो हाई कोर्ट ने उनसे सवाल किया कि रीवा से जबलपुर लाने-ले जाने के दौरान कैदी के खाने-पीने का खर्च कौन उठाता है? इस पर पुलिसकर्मियों ने जो जवाब दिया, उसने पूरे सिस्टम की पोल खोलकर रख दी। पुलिसकर्मियों ने बताया कि कैदियों के भोजन के लिए कोई अलग से व्यवस्था या बजट नहीं होता, वे अपने दैनिक भत्ते से ही कैदी को खाना खिलाते हैं।

#### जेल डीजी के हलफनामे पर भड़का कोर्ट

पुलिसकर्मियों के इस बयान के बाद हाई कोर्ट ने जेल महानिदेशक से जवाब तलब किया था। डीजी जेल ने कोर्ट में हलफनामा पेश कर दावा किया कि 'रीवा जेल से रवाना होते समय कैदी को नाश्ते में चाय और 4 रोटियां दी गई थीं, जिस पर कैदी के दस्तखत भी हैं।' जेल प्रशासन के इस ढुलमुल और कागजी जवाब पर जस्टिस विवेक अग्रवाल की बेंच भड़क गई। जजों ने अपने निजी जेल दौरों का हवाला देते हुए व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दीं। 11 बजे से पहले खाना कैसे मिला? कोर्ट ने कहा कि हम इस हलफनामे से कतई संतुष्ट नहीं हैं। अमूमन जेलों में सुबह 11 बजे से पहले खाना तैयार ही नहीं होता, फिर सुबह-सुबह कैदी को नाश्ता और रोटियां कैसे दे दी गईं? बजट कहां डकारा गया? हाई कोर्ट ने कड़ा सवाल दागा कि रीवा से जबलपुर की 230 किलोमीटर की दूरी के सफर के दौरान दोपहर और रात के भोजन के लिए जो सरकारी पैसा आवंटित होता है, वह आखिर किसकी जेब में गया? कैदी से कुछ भी करवा लोगे? बेंच ने कहा कि दस्तखत करा लेने का मतलब यह नहीं कि बात सच है, जेल में बंद कैदी से तो कोई भी कागज साइन करवाया जा सकता है।

#### हाई कोर्ट के सवालों पर दिया गया था गोलमोल जवाब

पुलिस के इस जवाब के बाद हाई कोर्ट ने उच्च अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी थी। लेकिन जेल डीजी की ओर से पेश किए गए हलफनामे से संतुष्ट न होकर हाई कोर्ट बेंच ने कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि कैदियों के अधिकारों और सुरक्षा से जुड़ा यह मामला बेहद गंभीर है, इसलिए प्रशासन को पूरे आधिकारिक दस्तावेजों और वास्तविक व्यवस्था की रिपोर्ट के साथ जवाब दाखिल करना होगा।

## क्या प्रभाव छोड़ पाएंगे एल्डरमैन... ?

### - 9 महीने का कार्यकाल, बिना बजट के जिम्मेदारी

भोपाल । मध्यप्रदेश सरकार ने भोपाल सहित 13 नगर निगमों में 108 एल्डरमैन (नामित पार्षद) नियुक्त कर दिए हैं, लेकिन इन नियुक्तियों के साथ ही उनकी भूमिका को लेकर सवाल भी खड़े हो गए हैं। एल्डरमैन परिषद की बैठकों में शामिल होकर जनहित के मुद्दे उठा सकेंगे, लेकिन उनके पास न कोई विकास निधि होगी और न ही किसी प्रकार के वित्तीय अधिकार। ऐसे में उनकी भूमिका केवल सलाह और सुझाव तक सीमित रहने की संभावना है।

भोपाल नगर निगम में 12 एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि इनमें मंत्री, सांसद और विधायकों के समर्थकों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। हालांकि, नगर निगम की मौजूदा परिषद का कार्यकाल भी अब करीब 13 महीने ही शेष है। अगले वर्ष नगर निगम चुनाव और उससे पहले लागू होने वाली आचार संहिता को देखते हुए एल्डरमैन के पास सक्रिय काम के लिए लगभग नौ महीने का ही समय रहेगा।

#### सवाल पूछ सकेंगे, लेकिन काम मंजूर नहीं करा सकेंगे

नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी के अनुसार एल्डरमैन को परिषद में सवाल पूछने, प्रस्तावों पर चर्चा करने और जनहित के मुद्दे उठाने का अधिकार रहेगा, लेकिन उनके लिए किसी प्रकार के बजट या विकास निधि का प्रावधान नहीं है। वे किसी विकास कार्य की वित्तीय स्वीकृति भी नहीं दे सकेंगे।

#### निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास वित्तीय अधिकार

भोपाल नगर निगम में प्रत्येक पार्षद को सालाना 50 लाख रुपये, एमआईसी सदस्य को 1 करोड़ रुपये, जोन अध्यक्ष को 10 लाख रुपये, निगम अध्यक्ष को 5 करोड़ रुपये और महापौर को 10 करोड़ रुपये तक के विकास कार्यों की स्वीकृति का अधिकार प्राप्त है। इसके विपरीत एल्डरमैन के पास केवल परिषद में भागीदारी और सुझाव देने की भूमिका रहेगी।

#### भाजपा का परिषद में और मजबूत होगा आंकड़ा

85 वार्डों वाले भोपाल नगर निगम में भाजपा के 62, कांग्रेस के 22 और एक निर्दलीय पार्षद हैं। 12 एल्डरमैन भी भाजपा समर्थित होने से परिषद में भाजपा का आंकड़ा बढ़कर 74 हो जाएगा, जिससे सदन में उसकी स्थिति और मजबूत होगी।

#### 13 नगर निगमों में नियुक्तियां

सरकार ने भोपाल के अलावा उज्जैन, मुरैना, सागर, रीवा, सतना, सिंगरौली, कटनी, छिंदवाड़ा, खंडवा, बुरहानपुर, देवास और रतलाम नगर निगमों में भी एल्डरमैन नियुक्त किए हैं। भोपाल में 12 और अन्य नगर निगमों में 8-8 एल्डरमैन बनाए गए हैं, जबकि इंदौर नगर निगम में फिलहाल नियुक्तियां रोक दी गई हैं।

## जंगली हाथियों को पहनाए जाएंगे रेडियो कॉलर

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष पर लगाम लगाने वन विभाग ने अब आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ से आए महज सात जंगली हाथियों को बांधवगढ़ इतना पसंद आया कि अब इनका कुनबा अब बढ़कर करीब 97 तक पहुंच गया है। लगातार बढ़ती संख्या और गांवों की ओर हाथियों की आवाजाही को देखते हुए वन प्रबंधन ने छह जंगली हाथियों को रेडियो कॉलर पहनाने का निर्णय लिया है। कॉलर लगने के बाद वन विभाग को उनकी रियल टाइम लोकेशन मिलती रहेगी,जिससे गांवों में समय रहते अलर्ट जारी कर संभावित हादसों को टाला जा सकेगा। हालांकि, इस योजना के अमल में अभी कुछ समय लग सकता है। जिन आधा दर्जन जंगली हाथियों को रेडियो कॉलर पहनाया जाना है, उनके लिए विशेष कॉलर आईडी दक्षिण अफ्रीका से मंगाए जाने की संभावना है।

## सरकारी गोदाम से 36 लाख की पाठ्य पुस्तकें गायब

भोपाल । सरकारी स्कूलों के लाखों विद्यार्थियों तक पहुंचने वाली निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों के वितरण में रीवा से एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। पाठ्य पुस्तक निगम के गोदाम से करीब 450 बंडल किताबें रहस्यमय ढंग से गायब मिली हैं। इन पुस्तकों की अनुमानित कीमत 35 से 36 लाख रुपये बताई जा रही है। मामला सामने आते ही शिक्षा विभाग से लेकर भोपाल तक हड़कंप मच गया है। चोरहटा थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जबकि भोपाल से पहुंची विशेष जांच टीम पूरे मामले की तह तक पहुंचने में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले शासकीय विद्यालयों में निःशुल्क वितरित होने वाली पुस्तकों के वितरण में अनियमितता की शिकायतें सामने आई थीं। इसके बाद कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गोदाम के स्टॉक का मिलान कराने के निर्देश दिए। जांच में सामने आया कि रिकॉर्ड में दर्ज पुस्तकों और वास्तविक स्टॉक में बड़ा अंतर है। मिलान के दौरान करीब दो ट्रक के बराबर 450 बंडल किताबें गायब मिलीं।

सूत्रों के मुताबिक जिन किताबों को सरकारी स्कूलों तक पहुंचना था, वे कई विद्यालयों में कभी पहुंची ही नहीं। दूसरी ओर, इन्हीं किताबों के खुले बाजार में बिकने की शिकायतों ने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है। जांच के दौरान गोदाम में कुछ ऐसी पुस्तकें भी मिली हैं, जिन्हें रिकॉर्ड में पहले ही वितरित या समाप्त दिखाया जा चुका था। इससे आशंका गहरा गई है कि दस्तावेजों में हेराफेरी कर सरकारी पुस्तकों की बंदरबांट की गई।

## राज्यसभा नामांकन खारिज होने के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचीं मीनाक्षी नटराजन

### - केंद्र और चुनाव आयोग पर साधा तीखा निशाना

भोपाल। कांग्रेस नेत्री एवं पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन राज्यसभा चुनाव के दौरान अपना नामांकन पत्र (पर्चा) खारिज होने के मामले में कानूनी लड़ाई लडने के लिए जबलपुर पहुंची हैं। जबलपुर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए। मीनाक्षी नटराजन नियमानुसार इस मामले को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती देने और चुनाव याचिका दाखिल करने आई हैं।

मीनाक्षी नटराजन ने आरोप लगाया कि उनका राज्यसभा नामांकन एक सोची-समझी साजिश के तहत खारिज किया गया था। उन्होंने कहा कि कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौतावादी) चुनाव आयोग के कॉम्प्रोमाइज्ड अधिकारियों ने यह साजिश रची थी। हम लोकतंत्र में नियमों के तहत विश्वास रखते हैं, इसलिए इस अन्याय के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करने पहुंची हूँ।

#### राम मंदिर में चोरी पर बीजेपी को घेरा

अयोध्या स्थित राम मंदिर में हुई चोरी के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि राम मंदिर में चोरी की घटना इस देश की अंतरात्मा पर गहरा आघात है। यह घटना भारतीय जनता पार्टी की दयनीय नैतिक स्थिति और प्रशासनिक विफलता को उजागर करती है।

#### नीट आंदोलन और छात्रों पर लाठीचार्ज की निंदा

केंद्र सरकार और पुलिस कार्रवाई की तीखी आलोचना करते हुए कांग्रेस नेत्री ने नीट आंदोलन पर पुलिस के रुख को लोकतंत्र के इतिहास का काला दिन करार दिया। उन्होंने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिरासत में लिए जाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ ऐसी बर्बरता पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हृश्वश्वञ्ज परीक्षा में कथित धांधली और उसके बाद अभ्यर्थियों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने सीधा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि युवाओं के आक्रोश से निकलने वाला 'संसद मार्च' देश की राजनीति में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित होगा।

#### देशद्रोही बताकर आवाज दबा रही सरकार

मीनाक्षी नटराजन ने किसान आंदोलन, सीएए विरोध और भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार अपनी नीतियों का विरोध करने वाले हर नागरिक और आंदोलनकारी को 'देशद्रोही' साबित करने की कोशिश करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि युवाओं और देश की यह लड़ाई भारत के खिलाफ नहीं, बल्कि सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ है। युवाओं का यह लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा और अब सरकार का वास्तविक चेहरा देश के सामने आ रहा है।

## फर्जी मेडिकल बिल घोटाले में 66 लाख की वसूली पेंडिंग

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय में एक तरफ फर्जी मेडिकल बिल घोटाले के जरिए सरकारी खजाने को चूना लगाने का मामला गरमाया हुआ है, तो दूसरी तरफ इसी घोटाले के आरोपियों पर मेहरबानी का बड़ा मामला सामने आया है। पीण्चक्यू ने 194 सहायक उप निरीक्षकों को उप निरीक्षक के पद पर प्रमोट किया है, जिनमें 16 ऐसे एएसआई भी शामिल हैं जिन पर फर्जी बिलों के जरिए 66.43 लाख रुपये हड़पने का आरोप है और जिनसे वसूली होना अभी बाकी है।

नियमों के मुताबिक, जब तक किसी कर्मचारी पर विभागीय वसूली पेंडिंग हो, तब तक उसकी पदोन्नति नहीं की जा सकती। ऐसे में इस पदोन्नति के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और यह मामला विभाग के भीतर भारी चर्चा का विषय बन गया है।

#### फरवरी 2025 में खुला था करोड़ों का फर्जीवाड़ा

मामले का खुलासा तब हुआ जब फरवरी 2025 में पीएचक्यू की कल्याण और लेखा शाखा ने मेडिकल बिलों की जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान फर्जी 'प्रोलॉन्ग सर्टिफिकेट' (गंभीर बीमारी के प्रमाण पत्र) के सहारे करीब 2.87 करोड़ रुपये का फर्जी भुगतान कराया गया था। इस घोटाले में कुल 48 पुलिसकर्मियों के नाम सामने आए थे, जिनमें से 16 पुलिसकर्मी हाल ही में पदोन्नत हुए सूची में शामिल हैं।

#### तीन कर्मचारियों की हो चुकी है गिरफ्तारी, CM से भी शिकायत

इस बहुचर्चित घोटाले में जांच के बाद पुलिस मुख्यालय की लेखा शाखा में तैनात तीन कर्मचारियों- सूबेदार नीरज अहिरवार, एएसआई हरिहर सोनी और हर्ष वानखेड़े को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। इसके बावजूद, जिन पुलिसकर्मियों से 66 लाख रुपये से ज्यादा की वसूली की जानी बाकी थी, उन्हें प्रमोट कर दिए जाने से पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

## जंगली हाथियों को पहनाए जाएंगे रेडियो कॉलर

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष पर लगाम लगाने वन विभाग ने अब आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ से आए महज सात जंगली हाथियों को बांधवगढ़ इतना पसंद आया कि अब इनका कुनबा अब बढ़कर करीब 97 तक पहुंच गया है। लगातार बढ़ती संख्या और गांवों की ओर हाथियों की आवाजाही को देखते हुए वन प्रबंधन ने छह जंगली हाथियों को रेडियो कॉलर पहनाने का निर्णय लिया है। कॉलर लगने के बाद वन विभाग को उनकी रियल टाइम लोकेशन मिलती रहेगी,जिससे गांवों में समय रहते अलर्ट जारी कर संभावित हादसों को टाला जा सकेगा। हालांकि, इस योजना के अमल में अभी कुछ समय लग सकता है। जिन आधा दर्जन जंगली हाथियों को रेडियो कॉलर पहनाया जाना है, उनके लिए विशेष कॉलर आईडी दक्षिण अफ्रीका से मंगाए जाने की संभावना है। ऐसे में फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि कॉलरिंग की प्रक्रिया कब तक शुरू हो पाएगी।

#### हाथियों की हर गतिविधि पर रहेगी नजर

हाल ही में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में आयोजित कार्यशाला में इस महत्वाकांक्षी योजना पर सहमति बनी। वर्तमान में हाथियों के कई झुंड बांधवगढ़ और आसपास के वन क्षेत्रों में विचरण कर रहे हैं। कई बार ये खेतों और गांवों तक पहुंच जाते हैं,जिससे फसलों को नुकसान और मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं सामने आती रही हैं।

## जीएडी को नहीं पता मप्र में कितने सरकारी पद खाली

### विधानसभा में सरकार ने कहा- जानकारी जुटाई जा रही

भोपाल । मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरियों और रिक्त पदों की स्थिति को लेकर सामान्य प्रशासन विभाग के पास फिलहाल कोई स्पष्ट आंकड़ा मौजूद नहीं है। विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक सेना पटेल द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में राज्य सरकार की ओर से यह बात सामने आई है। कांग्रेस विधायक सेना पटेल ने प्रदेश के सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों, चल रही भर्ती प्रक्रियाओं और अनुकंपा नियुक्ति के लंबित मामलों को लेकर सरकार से जवाब मांगा था। इस पर सामान्य प्रशासन विभाग की भार साधक मंत्री कृष्णा गौर की ओर से लिखित जवाब प्रस्तुत किया गया, जिसमें कहा गया कि चाही गई जानकारी एकत्रित की जा रही है।

#### विधायक सेना पटेल ने पूछे थे 4 अहम सवाल

रिक्त पदों का ब्योरा- प्रदेश के सभी जिलों और विभागों में प्रश्न दिनांक तक कितने पद खाली हैं? विभागवार और आरक्षणवार रिक्त पदों की वर्तमान स्थिति क्या है? खाली पदों के विरुद्ध नई भर्तियों की वर्तमान स्थिति क्या है और कितने पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है? भर्ती प्रक्रियाओं में देरी के मुख्य कारण क्या हैं और इन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सरकार क्या ठोस कदम उठा रही है? क्या विभिन्न विभागों में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण लंबित हैं? यदि हाँ, तो अब तक नियुक्ति क्यों नहीं दी गई और कब तक दी जाएगी?

#### सरकार का जवाब

विधायक द्वारा पूछे गए (क) से (घ) तक के सभी बिंदुओं पर मंत्री कृष्णा गौर ने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा कि जानकारी एकत्रित की जा रही है। विपक्ष ने इस जवाब को लेकर सवाल खड़े किए हैं कि जब सामान्य प्रशासन विभाग के पास ही प्रदेश में खाली पदों का एकीकृत ब्योरा नहीं है, तो युवाओं के लिए भर्ती योजनाओं का क्रियान्वयन किस आधार पर किया जा रहा है।

## मझौली फर्जी गेहूं खरीदी पर सदन में हंगामा

### - जांच समिति में विधायक को शामिल करेगी सरकार

भोपाल। जबलपुर के पाटन से भाजपा विधायक अजय बिश्नोई ने मझौली विकासखंड में शासकीय उपार्जन योजना के तहत गेहूं खरीदी के बाद 175 किसानों को भुगतान नहीं मिलने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि 5 हजार क्विंटल से अधिक गेहूं की फर्जी खरीदी के कारण किसानों का भुगतान अब तक लंबित है, जिससे उनमें रोष है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि फर्जी खरीदी के मामले में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है और मुख्य आरोपी हाईकोर्ट से जमानत पर है। उन्होंने कहा कि 175 किसानों का भुगतान इसी प्रकरण के कारण लंबित है। अजय बिश्नोई ने आरोप लगाया कि किसानों का जमा गेहूं और धान बाद में गायब कर दिया गया। केंद्र प्रभारी का रजिस्टर भी गायब हो गया और मुख्य आरोपी ने सीसीटीवी फुटेज डिलीट कर दी। उन्होंने उच्च स्तरीय जांच समिति बनाने और उसमें स्वयं को सदस्य शामिल करने की मांग की। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सदन में आश्वासन दिया कि मामले की दोबारा जांच कराई जाएगी। इसके लिए समिति गठित की जाएगी, जिसमें विधायक अजय बिश्नोई को भी शामिल किया जाएगा। जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फर्जी खरीदी मामले में अप्रैल 2026 तक 10 दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है तथा श्रीजी वेयरहाउस के विरुद्ध भी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है।

# टेस्ट क्रिकेट में लारा, हेडन सहित इन बल्लेबाजों ने खेलीं हैं रिकार्ड लंबी पारियां

मुम्बई । सीमिति ओवरों के मुकाबलों के बीच भी टेस्ट क्रिकेट का आकर्षण बना हुआ है। इसका कारण है कि लंबे प्रारुप में ही किसी खिलाड़ी की असली परीक्षा होती है। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में कई ऐसी पारियां खेली गई हैं, जिन्होंने आज भी प्रशंसक याद रखते हैं। वहीं इस दौरान बने रिकार्ड अब भी कायम हैं। टेस्ट इतिहास की सबसे लंबी पारी खेलने का रिकार्ड वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के नाम है। साल 2004 में सेंट जॉन्स के एंटीगा रिक्रिएशन ग्राउंड पर लारा ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में 400 रन बनाकर सभी को हैरान कर दिया। क्रिकेट में इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने इतने रन नहीं बनाये थे। लारा इस मैच में 14वें ओवर में क्रीज पर आए और फिर 582 गेंदों में 43 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 400 रन बनाकर नाबाद

पेवेलियन लौटे। यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला अवसर था जब कोई खिलाड़ी 400 रन तक पहुंचा। इससे पहले साल 2003 में पर्थ के वाका मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 146 ओवरों तक बल्लेबाजी की और 380 रन बनाए, जिसमें 38 चौके और 11 छक्के शामिल थे।

वहीं साल साल 2006 में कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड पर श्रीलंका के तत्कालीन कप्तान महेला जयवर्धने ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक ऐतिहासिक पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका को 169 रन पर सिमटने के बाद, श्रीलंका ने भी अपने 14 रन पर 2 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद महेला जयवर्धने और कुमार संगकारा ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 624 रनों की विश्व रिकॉर्ड साझेदारी की। संगकारा 287 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन जयवर्धने टिके रहे और 572 गेंदों में 43 चौकों और 1 छक्के की मदद से 374 रन बनाकर आउट हुए। वहीं दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर ने साल 2025 में बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ 334 गेंदों में 49 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 367 रन बनाये। ये पारियां सिर्फ रनों का अंबार नहीं, बल्कि अदम्य इच्छाशक्ति, एकाग्रता और खेल के प्रति समर्पण की कहानियां हैं। इन बल्लेबाजों ने दिखाया कि टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और दृढ़ता से असंभव को भी संभव किया जा सकता है।

# बांग्लादेश के कप्तान लिटन पर कार्रवाई कर सकती है बीसीबी

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान लिटन दास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लिटन अपनी चीन यात्रा के कारण निशाने पर हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए तय नियमों के उल्लंघन के आरोप में अनुशासन समिति के सामने पेश होने को भी कहा हहै। इस क्रिकेटर पर आरोप है कि कि चोट से उबरने के दौरान ही वह बोर्ड को बताये बिन ही चीन यात्रा पर गये थे।

लिटन को 20 जुलाई को अपनी पिंडली (काफ) की चोट की विशेष जांच के लिए सिंगापुर जाना था। इसी चोट के चलते वह हालिया जिम्बाब्वे टी20 सीरीज और आगामी लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, इन महत्वपूर्ण चिकित्सा निर्देशों और टूर्नामेंट से अनुपस्थिति के बाद वह बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के चीन गये थे। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए बोर्ड की अनुमति के बिना विदेश यात्रा करना स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन माना जाता है और बीसीबी इसे किसी भी कीमत पर सहन करने के पक्ष में नहीं है। बोर्ड अब उनके द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण और प्रस्तुत की गई मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का निर्णय लेगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीबी के एक आंतरिक सूत्र ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा, लिटन चीन गए थे, जिसे बोर्ड ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। बोर्ड ने उन्हें बुलाकर यह जानने का प्रयास किया कि वह किसकी अनुमति से और किस उद्देश्य से चीन गए थे। इस घटना के लिटन ने बीसीबी को अपना जवाब दे दिया है। माना बीसीसबी की मेडिकल कमेटी लिटन दास के दावों और उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए चिकित्सा दस्तावेजों की गहन जांच करेगी। इस जांच रिपोर्ट के आने के बाद ही बोर्ड यह तय करेगा कि उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी या नहीं।

# बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने घोषित की टीम

## कप्तान कमिंस सहित चार प्रमुख खिलाड़ियों की हुई वापसी

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसी सीरीज से नियमित कप्तान पैट कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन की भी वापसी होगी। इन सभी की वापसी से ऑस्ट्रेलियाई टीम की गेंदबाजी मजबूत होगी।

पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण ही ये चारों गेंदबाज बहुत कम अवसरों पर ही एक साथ खेल पाए थे। इससे पहले ये सभी आईपीएल में नजर आये थे।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने इन गेंदबाजों की वापसी पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वापसी करने वाले सभी गेंदबाज खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं। बेली ने कहा, हम अभी से अंतिम ग्यारह को तय नहीं कर रहे हैं पर हम जानते हैं कि इस दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए हमारे पास एक बेहद मजबूत टीम है। मुझे पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी यह चारों गेंदबाज एक साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश का पहला टेस्ट मैच 13 से 17 अगस्त तक डार्विन में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट मैच 22 से 26 अगस्त तक मैकाय में आयोजित होगा। इसके लिए टीम का चयन बांग्लादेश सीरीज ही नहीं, इसके बाद भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली सीरीज को ध्यान में रखकर भी किया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है- पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

# युवराज ने चयन पर उठाए सवाल, यशस्वी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर जतायी चिन्ता

चंडीगढ़। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चयन मापदंडों पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की कमी को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। युवराज ने कहा कि आगामी विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है।

युवराज ने कहा कि वह विशेष रूप से युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लेकर चिन्ता जतायी है। युवराज के अनुसार यश्स्वी ने हाल के अपने तीन एकदिवसीय मैचों में दो शानदार शतक लगाये हैं। इसके बाद भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, यशस्वी को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में अगर विश्व कप से पहले उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलता और टीम में शामिल किया जाता है तो उन पर अचानक ही दबाव बन जाएगा। पिछले महीने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक बनाने के बावजूद जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की फॉर्म और टीम में उनकी जगह को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं।

इस पूर्व शानदार ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि अगर जायसवाल टीम की विश्व कप योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें बड़े टूर्नामेंट से पहले और अधिक मैच खेलने की आवश्यकता है जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त कर सकें और दबाव का सामना करना सीख सकें। युवराज ने 2019 विश्व कप का उदाहरण देते हुए चेतावनी दी, जहां चोट के कारण दो युवा खिलाड़ियों को बिना अधिक अनुभव के टीम में शामिल करना पड़ा था, और ऐसी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो आप क्या करेंगे? हमने पहले भी ऐसा होते देखा है।

युवराज ने अनुभवी खिलाड़ियों के प्रति प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों को एक साफ रोडमैप देना चाहिए, चाहे वे टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हों या न हों। युवराज का मानना है कि आदर्श रूप से, टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली विश्व कप के लिए आपकी योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें अभी बताएं और उनकी जगह पक्की करें।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र और फॉर्म को लेकर बाहरी चर्चाएँ तो होती रहेंगी पर प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों के साथ आंतरिक स्थिति बिल्कुल स्पष्ट रखनी चाहिए। युवराज ने ईमानदारी की वकालत करते हुए कहा, और अगर कोई आपकी योजनाओं में नहीं है, तो उनसे ईमानदारी से बात करें। यह एक मुश्किल फैसला होगा, बाहर से शायद यह बुरा लगे, लेकिन वे इस बात की तारीफ करेंगे कि आपने उनसे सीधे बात की। उनका मानना है कि इस तरह की स्पष्ट और सीधी बातचीत खिलाड़ियों में विश्वास पैदा करती है और उन्हें अपने भविष्य के बारे में फैसला लेने में मदद करती है, जो अंतत: टीम के हित में ही होता है।

# इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर केविन कीगन का निधन

## दो बार प्रतिष्ठित बैलन डीओर अवार्ड से हैं सम्मानित

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर केविन कीगन का निधन हो गया है। वह 75 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से कैंसर से पीड़ित थे। कीगन इंग्लैंड के कप्तान भी रहे थे। उन्हें दो बार प्रतिष्ठित बैलन डीओर पुरस्कार भी मिला था। उनके निधन की जानकारी न्यूकैसल यूनाइटेड क्लब ने दी है। इसी क्लब से वह खेलते थे। क्लब ने उन्हें अपने इतिहास की सबसे प्रतिष्ठित, प्रभावशाली और सर्वाधिक प्रिय हस्तियों में से एक बताया। कीगन 1970 के दशक में इंग्लैंड ही नहीं पूरे यूरोपीय फुटबॉल जगत के सबसे बड़े सितारे के तौर पर उभरे थे। अपनी असाधारण फुर्ती, गोल करने की अद्भुत क्षमता और मैदान पर अथक मेहनत से उन्होंने विश्व फुटबॉल में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई। वह उन अपने देश के उन चार खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्हें बैलन डीओर अवार्ड मिला था। लिवरपूल के साथ अपने सफल कार्यकाल के दौरान, कीगन ने 1977 में यूरोपीय कप जीतकर क्लब को एक ऐतिहासिक क्षण प्रदान किया। इस शानदार जीत के बाद, उन्होंने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया और जर्मनी के प्रसिद्ध क्लब हैम्बर्ग एसवी में शामिल हो गए। हैम्बर्ग में उनका प्रदर्शन और भी निखर कर सामने आया, जहां उन्होंने लगातार दो वर्षों तक ङ्क 1978 और 1979 में ङ्क फुटबॉल का सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान, बैलन डीओर अपने नाम किया। उनकी शानदार फॉर्म और नेतृत्व क्षमता ने हैम्बर्ग को 1979 में जर्मन लीग (बुंडेसलीगा) का खिताब दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हैम्बर्ग एसवी ने भी उन्हें क्लब के इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक बताया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी केविन कीगन का करियर शानदार रहा। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 63 अंतरराष्ट्रीय मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया और इस दौरान 21 महत्वपूर्ण गोल किये। खिलाड़ी के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ने के बाद, कीगन ने कोचिंग के क्षेत्र में भी कदम रखा और वहां भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। 1992 से 2008 तक चले अपने कोचिंग करियर में, उन्होंने विशेष रूप से न्यूकैसल यूनाइटेड को 1995-96 प्रीमियर लीग खिताब के बेहद करीब पहुंचाया। वह साल 1999 से 2000 तक इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच भी रहे थे।

# इंग्लैंड से हार के बाद शुभमन के निशाने पर आये कोच गंभीर और चयनकर्ता

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद जिस प्रकार से खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर नाराजगी जतायी है। उससे शुभमन ने एक प्रकार से चयनकर्ताओं और कोच पर निशाना साधा है। उनका नाराजगी विशेष रूप से टीम चयन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में एक नई बहस शुरु हो गयी है।

शुभमन का कहना है कि जब एक खिलाड़ी तीन मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहा है, तो ऐसे में आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम इंडिया की तैयारी कैसे हो पाएगी? ये बयान सीधे तौर पर चयनकर्ताओं पर सवाल खड़े करता है कि उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं होने वाले खिलाड़ियों को किस प्रकार से शामिल किया है ?

इस मामले में कोच गंभीर भी फंसे हुए हैं क्योंकि चयन प्रणाली में उनकी भी अहम भूमिका रहती है। टीम चयन में गंभीर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि सभी जानते हैं कि उनकी पसंद के खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल किया जाता है। यही कारण है कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ उनके मतभेद की खबरें आती रहती हैं। शुभमन को भी गंभीर की पसंद पर ही कप्तानी मिली थी पर इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद शुभमन का बयान से साफ हैं कि वह गंभीर के फैसलों से सहमत नहीं हैं।

# कुलदीप को अवसर नहीं मिलने का कारण शुभमन ने बताया

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक भी मुकाबला खेलने का अवसर नहीं मिला। यहां तक कि लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जबकि मैच के दौरान स्पिनरों को काफी सहायता मिली।

इसी को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने सफाई दी है शुभमन ने कहा कि शुरुआती दोनों एकदिवसीय में पिच से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिली। इसी कारण टीम प्रबंधन ने अतिरिक्त स्पिनर खिलाने की जगह पर तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया था। गिल ने कहा, पहले दो मैचों में हमने देखा कि पिच स्पिनरों के लिए ज्यादा सहायक नहीं थी। जब स्पिनर गेंदबाजी करते थे तो हमें रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती थी, जबकि तेज गेंदबाजों के साथ विकेट मिलने की संभावना ज्यादा दिख रही थी। इसी कारण से कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिली।

लॉर्ड्स में हुए मैच को लेकर शुभकन ने कहा कि मुकाबला आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा हो गया और बाद में स्पिन गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती थी। उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा, अब देखें तो लगता है कि स्पिनर बेहतर विकल्प हो सकता था। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब ऐसा नहीं लग रहा था कि विकेट इतना धीमा होगा, लेकिन दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई। भारत की यह रणनीति मैदान पर सफल नहीं रही। टीम के चारों तेज गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए और महत्वपूर्ण विकेट लेने में नाकाम रहे।कुलदीप ने अपना पिछला एकदिवसय जून में अफगानिस्तान के खिलाफ लखनऊ में खेला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिला थ। कुलदीप यादव का इंग्लैंड में रिकॉर्ड काफी सम्मानजनक रहा है। उन्होंने यहां अब तक 10 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें 15 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम अब भारत अब सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और देखना होगा कि उसमें कुलदीप को अवसर मिलत है या नहीं।

# क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो छोटी टीमों को बड़ी टीमों से मुकाबलों का अवसर मिले - अश्विन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि यदि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो उभरती हुई टीमों को नियमित अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने का अवसर मिले। अश्विन के अनुसार हाल में आईसीसी ने जिस प्रकार से टीमों की संख्या बढ़ाई है उसका तब तक फायदा नहीं मिलेगा जब तक कि इन छोटी टीमों को बड़ी टीमों के खिलाफ पर्याप्त अवसर न मिले।

आईसीसी ने कुछ समय पहले ही एकदिवसीय विश्व कप और 2028 के टी-20 विश्व कप के प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की थी। नए प्रारूप के तहत साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रतियोगिता को तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। जिससे मुकाबलों की संख्या और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगी। वहीं, 2028 के टी-20 विश्व कप में भी दूसरे चरण में अधिक टीमों को शामिल करने की योजना है, ताकि टूर्नामेंट और अधिक रोमांचक बन सके।

अश्विन का मानना है कि प्रतिस्पर्धा के लिहाज से यह कदम सही दिशा में है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, यदि अंतिम लक्ष्य क्रिकेट का वैश्विक विस्तार करना है, तो उभरते देशों के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। इस अनुभवी स्पिनर ने सुझाव दिया कि नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, नेपाल, अमेरिका और आयरलैंड जैसी टीमों को हर द्विपक्षीय श्रृंखला में तीसरी टीम के रूप में शामिल किया जा सकता है। उनका तर्क है कि इससे इन देशों को केवल क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें शीर्ष स्तर के देशों के खिलाफ नियमित अनुभव मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, नेपाल, स्कॉटलैंड और अमेरिका जैसी टीमों ने सीमित अवसरों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। टी-20 विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर भी इन टीमों ने कई मजबूत देशों को कड़ी चुनौती देकर अपनी क्षमता साबित की है, जो दर्शाता है कि सही मंच मिलने पर ये टीमें क्रिकेट के स्तर को और ऊंचा उठा सकती हैं।

अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि यदि सभी देशों को बराबर अवसर मिलेंगे, तो क्रिकेट का स्तर और लोकप्रियता दोनों बढ़ेंगे। उनका मानना है कि सामूहिक विकास ही इस खेल को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर और अधिक आकर्षक बना सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में क्रिकेट की सफलता केवल भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या अन्य बड़ी टीमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नए देशों को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए।

# इंग्लैंड की अदालत से कुंद्रा को करारा झटका, ईएमवी को देने होंगे 41 करोड़ रुपये

लंदन। कारोबारी राज कुंद्रा को करारा झटका लगा है। इंग्लैंड और वेल्स हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में राज कुंद्रा को इमर्जिंग मीडिया वेंचर्स (ईएमवी) को 4.94 मिलियन डॉलर (तकरीबन 41 करोड़ रुपये) चुकाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कुंद्रा पर आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स में अपनी पुरानी हिस्सेदारी को लेकर भारत में किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई शुरू करने पर पाबंदी भी लगायी है। यह फैसला ईएमवी के जीत, वहीं कुंद्रा के लिए झटका है।

कोर्ट का ये फैसला राजस्थान रॉयल्स में अपनी हिस्सेदारी इस्पात समूह के प्रमुख लक्ष्मी मित्तल और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला के नेतृत्व वाले एक समूह को बेचने के बाद मुंद्रा की याचिका को लेकर आया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, .1.65 अरब डालर का ये सौदा आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा सौदा था। इसी को लेकर कुंद्रा ने आरोप लगाया था कि रॉयल्स में उन्हें अपनी 11.7 प्रतिशत हिस्सेदारी वास्तविक कीमत से बहुत कम दाम पर बेचने के लिए मजबूर किया गया था। इसी के बाद इस साल की शुरुआत में जब हिस्सेदारी की बिक्री प्रक्रिया आगे बढ़ी, तो कुंद्रा ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिकाएं दायर कीं थीं । उन्होंने सार्वजनिक रूप से ईएमवी और उसके सह-संस्थापक मनोज बडाले पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया और इस करार को रोकने की कोशिश की थी।

वहीं ईएमवी ने कहा था कि कुंद्रा ने साल 2019 के सेटलमेंट एग्रीमेंट का उल्लंघन किया है। इस समझौते के तहत कुंद्रा ने 4.94 मिलियन अमेरिकी डॉलर लेकर अपनी हिस्सेदारी बेच दी थी। ऐसे में इस मामले से जुड़े किसी भी भविष्य के विवाद पर सुनवाई के लिए केवल इंग्लैंड की अदालतों का अधिकार रहेगा। गौरतलब है कि 2015 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा आईपीएल मुकाबलों में सट्टेबाजी का दोषी पाए जाने के बाद कुंद्रा राजस्थान रॉयल्स से बाहर हो गए थे। उन्होंने 2019 के समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले ही एक शेयर ट्रांसफर एग्रीमेंट के तहत अपनी हिस्सेदारी ट्रांसफर कर दी थी। इस एग्रीमेंट ने उन्हें मालिकाना हक का कोई और दावा करने, इंग्लैंड के बाहर कानूनी कार्रवाई शुरू करने या शेयर ट्रांसफर के बारे में सार्वजनिक रूप से आरोप लगाने से रोक दिया था।

जस्टिस ग्रिफिथ्स ने अपने फैसले में कहा कि कुंद्रा के पास ईएमवी के दावे का सफलतापूर्वक बचाव करने की कोई वास्तविक संभावना नहीं थी। अदालत को उनके इस आरोप का कोई सबूत नहीं मिला कि 2015 का शेयर ट्रांसफर एग्रीमेंट या 2019 का सेटलमेंट एग्रीमेंट धोखाधड़ी या अनुचित व्यवहार से हुआ।

# अभिषेक पोरेल रेप मामले में फंसे, गिरफ्तारी के आदेश जारी

कोलकाता । कोलकता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की ओर से घरेल क्रिकेटर खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। अभिषेक पर कथित तौर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। इस पूरे मामले में हाई होर्ट ने अभिषेक के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के साथ उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया है। ऐसे में अब अभिषेक का करियर भी खतरे में नजर आ रहा है। अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं।

कोर्ट ने मोगरा पुलिस को शिकायतकर्ता की तस्वीरों के कथित तौर पर वायरल होने से रोकने के लिए पोरेल के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को भी जब्त करने के निर्देश दिये हैं। इस मामले में पीड़ित युवती का आरोप है कि क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और उनके अंतरंग पलों को रिकॉर्ड किया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, याचिकाकर्ता से एक पेन ड्राइव जब्त किया गया है। पेन ड्राइव में कुछ ऐसी चीजें मिली ऐसी हैं, जिससे साबित होता है कि पोरेल के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाना जरूरी है जिससे उसमें मौजूद डेटा दूसरों के साथ साझा नहीं किया जा सके। एक रिपोर्ट के अनुसार पोरेल ने कथित तौर पर जनवरी 2023 में शिकायतकर्ता से संपर्क किया था, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। 23 साल के क्रिकेटर पर आरोप है कि जब उनके माता-पिता बाहर थे तब वह महिला को मनकुंडू स्थित अपने फ्लैट पर ले गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पोरेल ने उनके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए हालांकि, बाद में दोनों के परिवारों ने शादी पर चर्चा की थी, लेकिन बाद में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसे पता चला कि पोरेल के अन्य महिलाओं के साथ भी शारीरिक संबंध थे।

# जो कहा वो किया

## जो सोचा वो हुआ

क्या हिंदू क्या मुसलमान, क्या राम क्या रहीम,
क्या रविन्दर क्या रॉबर्ट सबके लिये समान कानून

मात्र **2 माह** में 27 अप्रैल 2026 को उच्च स्तरीय समिति गठन के बाद, 21 जुलाई 2026 को विधानसभा में ऐतिहासिक मंजूरी

## विधानसभा में पारित

# समान नागरिक संहिता

**27 अप्रैल 2026 उच्च स्तरीय समिति का गठन**

7 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति द्वारा देश के विभिन्न कानूनों और अन्य राज्यों के UCC मॉडलों का गहन तुलनात्मक अध्ययन

**अभूतपूर्व जन-भागीदारी**

सुझाव हेतु वेब पोर्टल लॉन्च

**3.50 करोड़**
संदेश नागरिकों को भेजे गए

**10 लाख सुझाव मिले**
मध्यप्रदेश के विधायी इतिहास में पहली बार

जिला और राज्य स्तर पर
**50+ वृहद बैठकें**

व्यावहारिक सुझाव संकलित
1,134+

**ऐतिहासिक जनसमर्थन**

**93%**
ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया

**92%**
पुरुष और महिलाएं समान कानून के पक्ष में

**लैंगिक समानता और अधिकार**

**91%**
ने भेदभावपूर्ण तलाक कानून हटाने का समर्थन किया

**92%**
ने बेटियों और माताओं को संपत्ति में समान अधिकार का समर्थन किया

**सर्वसमुदाय का समर्थन**

हिन्दू: 95% पुरुष
96% महिलाएं

मुस्लिम: 40% पुरुष
80% महिलाएं

ईसाई: 90% पुरुष
95% महिलाएं

सिख: 93% पुरुष
96% महिलाएं

**21 जुलाई 2026 विधानसभा में पारित**

## प्रदेश की आधी आबादी, सभी बहनों को, दिया उनका हक़

D11064/26

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026

पद्मेश न्यूज़
शहर। समाज। गांव

बालाघाट एक्सप्रेस



/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## न्यूज गैलरी

### 10 वर्षों से फरार स्थायी वारंटी को तिरोड़ी पुलिस ने किया गिरफ्तार

**घर से दबोचकर न्यायालय में किये पेश- वारासिवनी उप जेल भेजा गया**

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** तिरोड़ी थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। लगभग 10 वर्षों से फरार आरोपी नरेश पिता भारतलाल जामुनपाने 28 वर्ष ग्राम गोरेघाट निवासी को पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया ।जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में वारासिवनी उप जेल भेज दिया गया। तिरोड़ी पुलिस के अनुसार वर्ष 2016 में नरेश जामुनपाने के विरुद्ध मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय दंड संहिता की धारा 294, 323 एवं 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। घटना के बाद से आरोपी नरेश लगातार फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। नरेश के फरार रहने के कारण उसके विरुद्ध न्यायालय में फरारी चालान भी प्रस्तुत किया जा चुका था ।मामले में 14 सितंबर 2023 को माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी कटंगी की अदालत द्वारा आरोपी नरेश की गिरफ्तारी के लिए स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी नरेश हैदराबाद में मजदूरी कर अपनी पहचान छिपाकर रह रहा है। सूचना के आधार पर तिरोड़ी पुलिस की टीम उसकी तलाश में हैदराबाद भी पहुंची। लेकिन वह वहां नहीं मिला और गिरफ्तारी से बचता रहा।लगातार निगरानी और मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखने के दौरान हाल ही में पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी। नरेश अपने पैतृक गांव गोरेघाट आया हुआ है। सूचना मिलते ही 21 जुलाई को सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम गोरेघाट पहुंचकर योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी की और आरोपी नरेश को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के बाद उसे माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी कटंगी की अदालत में पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में वारासिवनी उप जेल भेजने के आदेश दिए।

# जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन में गूंजा बालाघाट का स्वर, संसद मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई का किया सामना

**नीट पेपर लीक, व्यापम जैसे घोटालों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर दिल्ली पहुंचे जिले के युवा, छात्र का दावा शांतिपूर्ण मार्च के दौरान पुलिस ने किया बल प्रयोग**

**सिटी रिपोर्टर।**
**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।**

**देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, नीट पेपर लीक, व्यापम जैसे मामलों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन में अब बालाघाट जिले की भी भागीदारी देखने को मिली है। जिले के कई छात्र इस राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा बनने दिल्ली पहुंचे, जहां संसद भवन की ओर निकाले गए मार्च के दौरान उन्हें पुलिस की सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन में शामिल एक छात्र ने दावा किया कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर आगे बढ़ रहे छात्रों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिसमें उसे भी लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा।**

ग्राम कोहकाडीबर निवासी जयसिंह नगपुरे ने दूरभाष पर बताया कि वह अपने साथी तारा कावरे, देवेंद्र माहुले और विकास निकोशे के साथ 18 जुलाई को बालाघाट से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। 19 जुलाई को सभी छात्र जंतर-मंतर पहुंचे और देशभर से आए हजारों विद्यार्थियों के साथ आंदोलन में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई की सुबह करीब 9 बजे छात्रों ने संसद भवन की ओर शांतिपूर्ण मार्च शुरू किया, जिसका उद्देश्य अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाना था। जयसिंह के अनुसार, जैसे ही छात्र संसद भवन की ओर बढ़े, पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। कुछ देर तक प्रदर्शनकारी वहीं शांतिपूर्वक नारेबाजी करते रहे, लेकिन जब छात्रों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने उन्हें पीछे धकेलना शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी दौरान कई छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया और धक्का-मुक्की हुई, जिसमें उन्हें भी चोटें आईं। उन्होंने कहा कि उनके साथ गए साथी पीछे थे, जबकि वह आगे चल रहे प्रदर्शनकारियों के बीच मौजूद थे, इसलिए उन्हें सीधे पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ा। जयसिंह का कहना है कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और छात्र केवल निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई तथा युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग कर रहे थे। उनका आरोप है कि इसके बावजूद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के साथ सख्ती दिखाई। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में छात्रों को अपनी बात रखने का अधिकार है और उनकी मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि वह स्वयं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, जबकि उनके साथ दिल्ली पहुंचे अन्य छात्र भी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी हैं। उनका कहना है कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक, भर्ती घोटालों और परीक्षा संबंधी विवादों से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। वर्षों की मेहनत के बाद भी यदि परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं तो युवाओं का व्यवस्था से विश्वास कमजोर होता है। इसी चिंता को लेकर वे दिल्ली पहुंचे और आंदोलन का हिस्सा बने। जयसिंह ने प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई से जुड़े कुछ फोटो और वीडियो भी साझा किए हैं। उनका दावा है कि इनमें पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को रोकने, धक्का-मुक्की और लाठीचार्ज जैसी स्थिति स्पष्ट दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर किया जा रहा है। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार गंभीरता से विचार नहीं करती, तब तक वे आंदोलन में डटे रहेंगे। उनका कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना, पेपर लीक पर प्रभावी रोक लगाना और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बालाघाट के छात्रों की इस भागीदारी ने यह भी दिखाया कि अब छोटे जिलों के युवा भी राष्ट्रीय स्तर के छात्र आंदोलनों में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

## बालाघाट के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में 7 नए पुलों का रास्ता साफ

**प्रशासकीय स्वीकृति के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू, करोड़ों की लागत से होंगे पुल निर्माण**

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले के दूरस्थ एवं दुर्गम आदिवासी अंचलों में आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। वर्षों से जर्जर एवं क्षतिग्रस्त पुलों के कारण आवागमन में हो रही कठिनाइयों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री मृणाल मीना के प्रयासों से जिले के सात महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इन पुलों के निर्माण के लिए मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दीपक आर्य ने क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निमाण योजना के अंतर्गत प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है और टेंडर प्रक्रिया भी प्रारंभ हो चुकी है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। कलेक्टर मृणाल मीना ने दूरस्थ क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त पुलों के कारण ग्रामीणों को हो रही समस्याओं को देखते हुए शासन स्तर पर लगातार प्रयास किए। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा इन पुलों के निर्माण के लिए करोड़ों रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन पुलों के निर्माण से विशेष रूप से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में आवागमन आसान होगा तथा ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और अन्य दैनिक आवश्यकताओं के लिए आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी।

### इन पुलों का होगा निर्माण

स्वीकृत पुलों में परसवाड़ा विकासखंड के घोड़ादेही-सुकरी मार्ग पर 2 करोड़ 25 लाख 84 हजार रुपये, टिकरिया-डेंडवा मार्ग पर 2 करोड़ 90 लाख 41 हजार रुपये, बैहर विकासखंड के माना-लपटी मार्ग पर 2 करोड़ 88 लाख 39 हजार रुपये, बिरसा विकासखंड के सलघट पहुंच मार्ग पर 3 करोड़ 1 लाख 14 हजार रुपये, मुरकुट्टा मार्ग पर 4 करोड़ 7 लाख 27 हजार रुपये तथा बिरसा-भूतना मार्ग पर 2 करोड़ 52 लाख 74 हजार रुपये की लागत से पूर्व में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर हो चुके पुलों का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा एक अन्य स्वीकृत पुल सहित कुल सात पुलों के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

### ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

इन पुलों के निर्माण से बरसात के दौरान संपर्क बाधित होने की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी। ग्रामीणों को बाजार, अस्पताल, स्कूल, शासकीय कार्यालय और कृषि उपज के परिवहन के लिए बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध होगी। इससे क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क इकाई क्रमांक-01 के महाप्रबंधक तोविंद्र सिंह जौहरे ने बताया कि सभी स्वीकृत पुलों के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। जिले के इन महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण को कलेक्टर श्री मृणाल मीना के सतत प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। यह पहल दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों के हजारों ग्रामीणों के लिए बेहतर यातायात सुविधा सुनिश्चित करने के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

## 10 वर्षों से फरार स्थायी वारंटी रूपझर पुलिस के हत्थे चढ़ा

**वन्यप्राणी शिकार मामले में था फरार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया बैहर जेल**

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले की रूपझर पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। लगभग 10 वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी आरोपी भक्तु पिता जगलु मरकाम 48 ग्राम नारंगी थाना रूपझर निवासी को पुलिस ने ग्राम लगमा से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। इस स्थाई वारंटी को बैहर न्यायालय में पेश किए जाने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2016 में भक्तु बैगा सहित सात आरोपियों के विरुद्ध वन परिक्षेत्र परियोजना परिक्षेत्र उकवा में वन्यजीवों के अवैध शिकार के आरोप में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 3, 39, 51 एवं 52 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था ।इस मामले में छह आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा चुका है ।जबकि भक्तु घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था ।यह प्रकरण बैहर

न्यायालय में आपराधिक प्रकरण क्रमांक 873/2016 के रूप में विचाराधीन है। आरोपी की लगातार तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल पा रहा था। उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी बैहर के न्यायालय से उसके विरुद्ध स्थायी वारंट जारी किया गया था ।पुलिस जांच में सामने आया कि फरारी के दौरान भक्तु शहरों में मजदूरी कर अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था और लगातार पुलिस की गिरफ्त से बचता रहा। हाल ही में पुलिस को सूचना मिली कि वह अपने गांव नारंगी क्षेत्र में आया है। इसके बाद पुलिस ने उसकी गतिविधियों पर निगरानी शुरू की ।21 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि भक्तु ग्राम लगमा में मौजूद है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कामेश धूमकेती के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने तत्काल ग्राम लगमा पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को बिना किसी प्रतिरोध के गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तारी के बाद भक्तु को विधिवत बैहर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भेजने के आदेश दिए ।रूपझर पुलिस की इस कार्रवाई को लंबे समय से लंबित प्रकरण में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और न्यायालय से जारी वारंटों का त्वरित पालन सुनिश्चित किया

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
**प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट